शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 188 | गुवाहाटी | मंगलवार, 6 फरवरी, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

तीसरा कार्यकाल अगले 100 वर्षों की नींव रखेगा : प्रधानमंत्री पेज 2
किए गए वादों को पूरा करने के प्रति सरकार प्रतिबद्ध : राज्यपाल पेज 3
झारखंड : चंपाई सोरेन की सरकार ने जीता विश्वास मत, पक्ष में 47, विपक्ष... पेज 5
रणजी ट्रॉफी में मैच ड्रॉ, हिमाचल नॉकआउट दौर से हो गया बाहर पेज 7

असम विधानसभा का बजटकालीन सत्र शुरू

अब परीक्षाओं में नकल करने पर 10 साल की जेल एवं 10 लाख जुर्माना

गुवाहाटी (हि.स.)। असम विधानसभा के बजट सत्र के पहले दिन परीक्षा विधेयक द असम पब्लिक एग्जामिनेशन (मेजर्स फॉर प्रिवेंशन आफ अनफेयर मिन्स इन रिक्रूइटमेंट) बिल, 2024 पेश किया गया इस विधेयक का उद्देश्य मेधावी छात्रों को परीक्षा के जरिए उच्च स्थान दिलाना है। सोमवार को विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण के बाद सदन में राज्य के संसदीय कार्य मंत्री पीयूष हजारिका ने द *असम पब्लिक एग्जामिनेशन (मेजर्स फॉर प्रिवेंशन आफ अनफेयर मिन्स इन रिक्रूइटमेंट) बिल, 2024* पेश किया। इस विधेयक के जरिए असम सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक सुधार लाने का प्रयास किया है। इस विधेयक के अनुसार परीक्षा के दौरान नकल करने वालों को एक लाख रुपए जुर्माने के साथ तीन साल की जेल का प्रावधान किया गया है। साथ ही जुर्माना न चुकाने की स्थिति में नौ माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। साथ ही विधेयक में यह भी प्रावधान किया गया है कि अलग-अलग परिस्थितियों में सजा 10 वर्ष एवं जुर्माने की राशि 10 लाख रुपए तक हो सकती है। साथ ही बिल के क्लॉज 1 के सेक्शन 2 के तहत जुर्माना की राशि 10 करोड़ रुपए तक एवं सजा की अवधि और 2 वर्ष बढ़ सकती है। इस बिल में परीक्षार्थियों को परीक्षा के दौरान प्रत्यक्ष या परोक्ष सहायता करना, कोई भी लिखित रिकार्ड की गयी, कॉपी की गयी, प्रिंट किया गया कोई भी वस्तु परीक्षा कक्ष में ले जाना, कोई इलेक्ट्रानिक या मशीनी वस्तु परीक्षा कक्ष में ले जाना, प्रश्न पत्र को किसी भी प्रकार से लीक करना, किसी भी प्रकार से प्रश्न पत्र को पुनः मुद्रित करना, बेचना, खरीदना, प्रश्न पत्र का गलत तरीके से उत्तर देना, अन्यत्र परीक्षा आयोजित करना, उत्तर पुस्तिका का परीक्षा कक्ष से बाहर ले जाना आदि अपराध की श्रेणी में रखा गया है। इस बिल के सारे प्रावधान असम लोकसेवा आयोग की सभी परीक्षाओं, गौहाटी हाई कोर्ट की परीक्षाओं, राज्यस्तरीय भर्ती आयोग की तृतीय एवं चतुर्थ वर्ग की नौकरी के लिए आयोजित होने वाली परीक्षाओं, राज्य सरकार की किसी भी परीक्षा, विश्वविद्यालयों, कॉलेजों, स्कूलों, सोसायटी, कॉर्पोरेशन, स्थानीय निकाय आदि की सभी परीक्षाओं पर भी लागू होगा। परीक्षा से संबंधित सभी मामले गैर जमानती अपराध की श्रेणी में रखे जाएंगे। डीएसपी रैंक से नीचे के अधिकारी इन मामलों की जांच नहीं कर सकेंगे। सारे मामले गौहाटी हाई कोर्ट एवं इसके अधीनस्थ अधिकार क्षेत्र में रहेंगे। उधर असम विधानसभा का बजट कालीन सत्र आज -शेष पृष्ठ दो पर

चुनाव रैली में बच्चों के उपयोग पर आयोग सख्त

नई दिल्ली (हि.स.)। चुनाव आयोग ने चुनावों के दौरान कैंपेन में बच्चों का उपयोग करने को लेकर सख्ती दिखाते हुए पार्टियों, उम्मीदवारों और अपनी चुनावी मशीनरी को सख्त निर्देश जारी किए हैं। पत्र में उन्हें इस पर आयोग की जीरो टालरेंस की नीति से अवगत करा दिया गया है। आयोग की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों को किसी भी तरह से राजनीतिक अभियानों और रैलियों में बच्चों का उपयोग करने से बचना चाहिए। आयोग का कहना है कि राजनीतिक दलों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया जाता है कि वे बच्चों को किसी भी प्रकार के चुनाव अभियान में शामिल न करें, जिसमें रैलियां, नारे लगाना, पोस्टर या पैम्फलेट का वितरण या कोई अन्य चुनाव-संबंधी गतिविधि शामिल है। राजनेताओं और उम्मीदवारों को किसी भी तरह से प्रचार गतिविधियों के लिए बच्चों का उपयोग नहीं करना चाहिए, जिसमें बच्चे को गोद में लेना, वाहन में बच्चे को ले जाना या रैलियों में शामिल करना शामिल है। यह निषेध कविता, -शेष पृष्ठ दो पर

बलिया में आंबेडकर की प्रतिमा क्षतिग्रस्त

बलिया। बलिया जिले के गड़वार थाना क्षेत्र के नराव गांव में शरारती तत्वों ने डॉ. बी आर आंबेडकर की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त कर दिया। पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि इस मामले में अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस के अनुसार, गड़वार थाना क्षेत्र के नराव गांव में रविवार रात को शरारती तत्वों ने डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा को तोड़ दिया। सोमवार सुबह घटना की जानकारी ग्रामीणों को हुई तो -शेष पृष्ठ दो पर

सीएए : गृह मंत्री शाह से मिले सुवेंदु अधिकारी

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2024 से पहले देश में नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) को लेकर एक बार फिर से सियासी बहस तेज होती दिखी है। पश्चिम बंगाल में भाजपा विधायक और नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने कहा है कि अधिनियम को लागू करने का काम जल्द से जल्द होगा। सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि जो भाजपा सरकार धारा 370 हटा सकती है, वह नागरिकता संशोधन अधिनियम भी लागू कर सकती है। अधिकारी का -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

कांग्रेस ने 60 साल तक मुस्लिमों को दिया धोखा : अजमल

गुवाहाटी। ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) प्रमुख बदरुद्दीन अजमल ने कई मौकों पर कांग्रेस पर हमला बोला। अजमल ने पिछले कुछ दिनों में असम के धुबड़ी में अपने निर्वाचन क्षेत्र में कुछ सार्वजनिक कार्यक्रमों में भाग लिया। ऐसे ही एक कार्यक्रम में रविवार को उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस राज्य की मुस्लिम जनता के प्रति झूठी हमदर्दी दिखा रही है। अजमल ने दावा किया कि कांग्रेस पार्टी थी जिसने डिटेंशन सेंटर बनाए और मुस्लिम लोगों को वहां भेजा। कांग्रेस ने 60 साल तक मुस्लिमों को धोखा दिया है। उन्होंने कहा कि हमें विदेशी करार दिया गया है, मुस्लिमों को हिरासत में लेने के लिए एक के बाद एक डिटेंशन कैंप बनाए गए। अजमल ने आगे कहा कि केंद्र और राज्य दोनों जगह सत्ता गंवाने के बाद अब कांग्रेस नेताओं के सुर बदल रहे हैं। इससे कोई फायदा नहीं होगा, इस बार चुनाव में कांग्रेस की हालत और भी खराब होगी। इंडिया ब्लॉक पर बोलते हुए एआईयूडीएफ नेता ने दावा किया कि मैंने पहले कहा था कि यह एक क्लब है, जो लंबे -शेष पृष्ठ दो पर

एक ही प्रोडक्ट बार-बार लॉन्च करने में आई ताला लगने की नौबत : पीएम

नई दिल्ली। बजट सत्र में राष्ट्रपति के अभिभाषण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने धन्यवाद प्रस्ताव पेश किया। डेढ़ घंटे से ज्यादा के अपने संबोधन में वे बेहद आक्रामक दिखे। इस दौरान उन्होंने न केवल कांग्रेस अपितु समूचे विपक्ष को आड़े हाथों लिया। कांग्रेस पर परिवारवाद का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने अपनी इसी सोच और विचारधारा का खामियाजा भुगता है। उन्होंने यह भी कहा कि विपक्ष की आज की हालत के लिए भी कांग्रेस ही जिम्मेदार है। पीएम मोदी ने देश की सबसे पुरानी पार्टी को घेरते हुए कहा कि आज विपक्ष की जो हालत है, इसकी सबसे बड़ी दोषी कांग्रेस पार्टी है। कांग्रेस को एक अच्छा विपक्ष बनने का बहुत बड़ा अवसर मिला था, लेकिन 10 वर्षों में ये उस दायित्व को निभाने में भी विफल हो गए। उसी उत्पाद को दोबारा लॉन्च करने के चक्कर में कांग्रेस पार्टी की दुकान बंद होने की कगार पर है। उन्होंने कहा कि जिस कर्पूरी ठाकुर ने पूरा जीवन लोकतंत्र के सिद्धांतों, संविधान की मर्यादाओं के लिए खपा दिया, उनका अपमान करने का काम कांग्रेस पार्टी ने किया था। लोकसभा सदन में पीएम मोदी अपने संबोधन में विपक्ष को आड़े हाथ लेते हुए गुस्से में भी दिखाई दिए। कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए उन्होंने देश की सबसे पुरानी पार्टी पर -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

बरनावा में लाक्षागृह की जमीन पर हिन्दुओं को मिला अधिकार

बागपत (हि.स.)। जिले में बरनावा लाक्षागृह को दरगाह एवं कब्रीस्तान बताने वालों को अदालत ने खारिज कर दिया। 53 वर्ष से इस पर विवाद चला आ रहा था। अदालत के फैसले के बाद लाक्षागृह पर पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। ज्ञानवापी के बाद अब बागपत में भी ऐतिहासिक फैसले से खुशी की लहर है। बागपत जिले के पूर्वी दिशा में बसा बरनावा गांव इतिहास के नजर से महत्वपूर्ण माना जाता है। यहां के लाक्षागृह को महाभारत काल से जुड़ा बताया जाता है। कहा जाता है कि यही वो लाक्षागृह है, जहां पांच पांडवों को मारने के लिए दुर्योधन ने साजिश रची और लाख का एक महल बनाया जिसमें आग लगाकर पांडव सुरंग के रास्ते -शेष पृष्ठ दो पर

भूख से बौखलाए छात्र ने खाया बिल्ली का कच्चा मांस

मलप्पुरम। केरल के कुट्टीपुरम से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। दरअसल, यहां भूख से सुध-बुध खो चुके एक छात्र को मरी हुई बिल्ली का कच्चा मांस खाता नजर आया है। बताया जा रहा है कि यह युवक असम का रहने वाला है। फिलहाल, उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कर दिया गया है। यह घटना शनिवार शाम यहां एक व्यस्त बस स्टैंड के परिसर में दर्ज की गई। पुलिस ने कहा कि 27 वर्षीय व्यक्ति असम के धुबड़ी जिले का रहने वाला है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि स्थानीय लोगों ने उसे बस स्टैंड की सीढ़ी पर बैठकर मरी हुई बिल्ली का कच्चा मांस खाते हुए देखा। इसके बाद घटना की जानकारी तुरंत स्थानीय पुलिस को दी गई। इसकी जानकारी मिलते ही पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंची और उससे संपर्क किया। अधिकारी ने बताया कि सूचना मिलने के बाद हमने घटनास्थल का दौरा किया। जब उन्होंने उससे पूछताछ की तो उसने कहा कि उसने पिछले पांच दिनों से कुछ खाना नहीं खाया है और वह काफी भूखा है। उन्होंने कहा कि जब पुलिस अधिकारी ने उसके -शेष पृष्ठ दो पर

पैन-आधार लिंकिंग में देरी पर सरकार ने वसूला 600 करोड़ का जुर्माना

नई दिल्ली। सरकार ने पैन-आधार लिंकिंग में देरी के लिए 600 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है। सरकार ने संसद को सोमवार को सूचित किया कि लगभग 11.48 करोड़ स्थायी खाता संख्याएं अभी भी बायोमेट्रिक पहचान से जुड़ी नहीं हैं। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में एक लिखित जवाब में कहा कि छूट वाली श्रेणियों को छोड़कर, आधार से लिंक नहीं किए गए पैन की संख्या 29 जनवरी, 2024 तक 11.48 करोड़ है। दरअसल, 30 जून, 2023 की अंतिम तिथि के बाद अपने पैन और आधार को लिंक नहीं करने वाले व्यक्तियों से 1,000 रुपए की लेट पेनल्टी के माध्यम से सरकार की कमाई के विवरण के संबंध में एक -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
पहले निश्चय करिए, फिर कार्य आरंभ करें।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

वन नेशन, वन इलेक्शन की बैठक में हिस्सा नहीं लेंगी ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी *वन नेशन, वन इलेक्शन* के लिए मंगलवार को दिल्ली में आयोजित बैठक में हिस्सा नहीं लेंगी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सोमवार को इस बैठक में हिस्सा लेने दिल्ली जाना था, लेकिन मुख्यमंत्री ने एन वक्त पर यात्रा को रद्द कर दिया। उनकी जगह तृणमूल के दो सांसद बैठक में हिस्सा लेंगे। उन्होंने बताया कि वह दिल्ली नहीं जा रही हैं। इसका कारण भी मुख्यमंत्री ने बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य का बजट आठ फरवरी यानी गुरुवार को पेश किया जाएगा। इसलिए अब वह -शेष पृष्ठ दो पर

चंडीगढ़ मेयर चुनाव पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा - यह लोकतंत्र की हत्या

नई दिल्ली (हि.स.)। सुप्रीम कोर्ट ने चंडीगढ़ मेयर चुनाव में निर्वाचन अधिकारी की ओर से धांधली किये जाने के आरोप पर सख्त रुख अपनाते हुए इसे लोकतंत्र की हत्या बताया है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच ने चुनाव का वीडियो देखने के बाद कहा कि निर्वाचन अधिकारी मतपत्र कैसे खराब कर सकता है, उस पर मुकदमा चलना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने 7 फरवरी को होने वाली चंडीगढ़ नगर निगम की बैठक को स्थगित कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो दोबारा चुनाव कराए जाएंगे। कोर्ट ने कहा कि अभी मतपत्र और मतदान का वीडियो पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट को सौंप दिया जाए। सुप्रीम कोर्ट में जब चुनाव का वीडियो चलाया गया तो कोर्ट ने कहा कि क्या इस तरह चुनाव आयोजित किए जाते हैं। ये लोकतंत्र का मजाक है। निर्वाचन अधिकारी पर मुकदमा चलना चाहिए। चीफ जस्टिस ने कहा कि निर्वाचन अधिकारी कैमरे पर क्यों देख रहे हैं और वो भगोड़े की तरह क्यों भाग रहे हैं। सुनवाई के दौरान आम आदमी पार्टी की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि भाजपा के एक उम्मीदवार को निर्वाचन अधिकारी -शेष पृष्ठ दो पर

संघ कार्यों की समीक्षा के लिए भागवत सात दिनों तक मध्य प्रदेश में

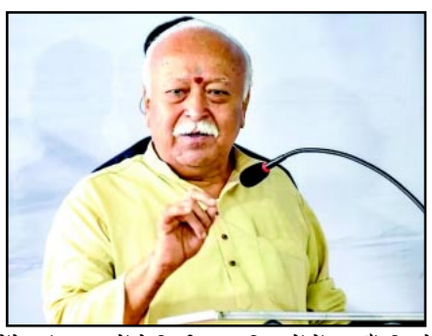

भोपाल (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघ चालक डॉ. मोहनराव भागवत आगामी सात दिन मध्य प्रदेश में गुजारेंगे। वे यहां मुख्य रूप से तीन प्रान्त मालवा, मध्य भारत और महाकौशल के संघ पदाधिकारियों एवं मुख्य कार्यकर्ताओं, प्रचारकों की बैठक तो लेंगे ही साथ में विविध संगठनों के स्वयंसेवकों के साथ भी अलग से विमर्श करेंगे। संगठन सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आरएसएस सरसंघचालक डॉ. भागवत का इस बार का प्रवास मुख्य तौर पर प्रचारकों के कार्य एवं उसके विस्तार, समेत विविध संगठनों में समन्वय को लेकर है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पिछले साल से हिन्दवी स्वराज्य स्थापना का 350वां वर्ष मना रहा है, इसके कार्यक्रम गत वर्ष शुरू होकर अभी भी चल रहे हैं। ज्ञात हो कि छत्रपति शिवाजी महाराज भारत के उन महान व्यक्तित्वों में एक हैं, जिन्होंने समाज को सैकड़ों वर्षों की दासता की मानसिकता से मुक्त कर समाज में आत्मविश्वास व आत्मगौरव का -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

तीसरा कार्यकाल अगले 100 वर्षों की नींव रखेगा : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को फिर से सत्ता में वापसी पर विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि उनका तीसरा कार्यकाल अगले 100 वर्षों की नींव रखेगा। उन्होंने कहा कि हमारा तीसरा कार्यकाल बहुत बड़े फैसलों का होगा। वहीं उन्होंने निशाना साधा कि विपक्ष ने संकल्प लिया है कि वे लम्बे अरसे तक वहीं बने रहेंगे। लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा का जवाब देते हुए सदन के नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हमने अपने पहले कार्यकाल में संप्रग के समय के गड्ढे भरने में काफी समय और शक्ति लगाई। अपने दूसरे कार्यकाल में नए भारत की नींव रखी और तीसरे कार्यकाल में हम विकसित भारत के निर्माण को नई गति देंगे। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार का तीसरा कार्यकाल बहूत दूर नहीं है। पूरा देश कह रहा है कि अबकी बार 400 पार। 2024 के लोकसभा चुनाव में राजग को 400 पार सीटें मिलेंगी लेकिन भाजपा को 370 सीटें अवश्य मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि उनकी सरकार मंहगाई दर को दो युद्धों और कोरोना जैसी महामारी के बावजूद एक दायरे में सीमित रखने में कामयाब हुई है। पिछली सरकारों से तुलना करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस के

कार्यकाल में मंहगाई दो अंकों में हुआ करती थी और सत्ता में आते ही मंहगाई फिर बढ़ जाती थी। उन्होंने कहा कि मंहगाई डायन खाय जात है और मंहगाई मार गई जैसे गाने भी कांग्रेस के सत्ता में रहने के दौरान ही आए हैं। अपने भाषण में प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर परिवारवाद का आरोप लगाया। साथ ही कहा कि पार्टी ने कभी भी देश के सामर्थ्य पर विश्वास नहीं किया। उन्होंने कहा कि वे अपने आप को शासक मानते रहे और जनता-जनार्दन को कमतर आंकते गए। कांग्रेस की इस मानसिकता से देश को नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि आज देश में जिस गति से काम हो रहा है, उसकी कांग्रेस पार्टी कल्पना भी नहीं कर सकती। कांग्रेस को नौ दिन चले, ढाई कोस कहावत पूरी तरह से परिभाषित करती है। कांग्रेस की सुस्त रफ्तार का कोई मुकाबला नहीं है। उदाहरण देते हुए मोदी ने कहा कि हमने गरीबों के लिए 04 करोड़ घर और शहरी गरीबों के लिए 80 लाख पक्के घर बनाए। अगर हम कांग्रेस की गति से चलते तो उसी पैमाने का काम पूरा करने में 100 साल लग जाते। 10 वर्ष में 40 हजार किलोमीटर रेलवे ट्रैक का विद्युतीकरण हुआ है। अगर कांग्रेस की रफ्तार से देश चलता तो इस काम को करने में 80 साल लग जाते। प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले एजेंसियों को काम करने नहीं दिया जाता था। कांग्रेस के समय ईडी ने 5 हजार करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की थी। हमारे कार्यकाल में ईडी ने एक लाख करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की। देश का लूटा हुआ माल देना ही पड़ेगा। पहले सदन का पूरा समय घोटालों की चर्चा में जाता था, भ्रष्टाचार की चर्चा में जाता था। लगातार एक्शन की मांग होती थी, चारों तरफ सिर्फ भ्रष्टाचार की ही खबरें होती थीं। आज जब भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई होती है तो ये लोग उनके समर्थन में हंगामा करते हैं। राष्ट्रपति के भाषण का जिक्र करते प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने भारत के उज्ज्वल भविष्य को देखते हुए चार मजबूत स्तंभों पर हम सबका ध्यान केंद्रित किया है। उनका सही आंकलन है कि देश के चार स्तंभ जितने ज्यादा मजबूत होंगे, विकसित होंगे, समृद्ध होंगे। हमारा देश उतनी ही तेजी से समृद्ध होगा। उन्होंने देश की नारी शक्ति, युवा शक्ति, गरीब भाई-बहन और देश के किसान की चर्चा की है, जो विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करेगी।

कांग्रेस नेताओं के बयान बता रहे कि रस्सी जल गई बल नहीं गया : भारद्वाज

जयपुर (हिंस)। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद डोटासरा के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पर जोधपुर में दिए गए बयान पर पलटवार करते हुए भाजपा प्रदेश प्रवक्ता लक्ष्मीकांत भारद्वाज ने कहा कि कांग्रेस अपनी करारी हार को पचा नहीं पा रही है, इसलिए ये लोग ओछे और मनमाने बयान देकर अपनी खीज उतार रहे हैं। खुद को किसान पुत्र कहकर डींग हाकने वाले गोविंद सिंह डोटासरा की सोच और मानसिकता पूरी तरह सामंतवादी है। जिस तरह कांग्रेस में एक परिवार का गुणगान करके बड़े पद पाने का रिवाज, उसी चश्मे से कांग्रेस के लोग भाजपा को देख रहे हैं, जबकि यह उनकी भूल है। भाजपा में पूरी तरह से लोकतंत्र है हमारे यहां कोई छोटा या बड़ा नहीं है, प्रत्येक कार्यकर्ता को समान तवज्जो दी जाती है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता लक्ष्मीकांत भारद्वाज ने कहा कि एक सामान्य किसान के घर जन्म लेकर मुख्यमंत्री के पद तक पहुंचने वाले भजनलाल शर्मा को कांग्रेस बर्दाश्त नहीं कर पा रही है। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा, अशोक गहलोत और प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा की इसी अहंकारी सोच के चलते प्रदेश में उनकी ये दुर्दशा हुई है।

उत्तराखंड : आज सदन के पटल पर रखा जाएगा यूसीसी बिल

देहरादून (हि.स.)। उत्तराखंड विधानसभा सत्र में 06 फरवरी (मंगलवार) को समान नागरिक संहिता (यूसीसी) बिल को सदन के पटल पर रखा जाएगा। यूसीसी को लेकर विपक्ष सरकार पर लगातार सवाल उठा रही है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का कहना है कि उत्तराखंड ही नहीं पूरे देश के लोग यूसीसी की प्रतीक्षा कर रहे हैं। यह युगान्तकारी समय है और सभी धर्मों के हित में है। सभी विधायक सकारात्मक रूप से इस चर्चा में भाग लें। सोमवार को विधानसभा सत्र में दिवंगत विधायक और पूर्व विधायकों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सहित सदन के सभी सदस्यों ने दिवंगत विधायकों के साथ बिताए हुए पलों को याद किया। दिवंगत विधायकों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद विधानसभा अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। इसके बाद विधानसभा में कार्यमंत्रणा समिति की बैठक की गई। विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण ने बताया कि आज विधानसभा में आयोजित कार्यमंत्रणा समिति की बैठक में समान नागरिक संहिता-यूसीसी को सदन पटल पर रखने का निर्णय लिया गया है। मंगलवार को विधानसभा में इस पर चर्चा की जाएगी। इसके साथ ही राज्य आंदोलनकारियों की क्षैतिज आरक्षण की मांग से जुड़ा प्रतिवेदन प्रवर समिति को दिया गया था, उस रिपोर्ट को भी पटल पर रखा जाएगा। कार्य मंत्रणा समिति से कांग्रेस नेताओं (सदस्यों) के इस्तीफे पर उन्होंने कहा कि अभी कुछ ऐसा विषय मेरे पास आया नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रश्न काल नहीं होगा। हम सब और राज्य की जनता भी यूसीसी पर चर्चा करना चाहती है। विधायकों के लिए यह जरूरी होता है कि अपनी बात सदन में रखें। उन्होंने कहा कि यूसीसी ऐसा कानून है, जो देश हित में है और देश आगे बढ़ेगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि जिस निमित्त इस सत्र को आहूत किया गया है, इसे लेकर लंबे समय से प्रदेशवासियों को इंतजार था। यूसीसी बिल को लेकर सवा करोड़ केवल उत्तराखंड के नहीं अपितु पूरे देश के लोग उत्तराखंड के विधानसभा में यूसीसी बिल कब आएगा, इसको लेकर प्रतीक्षा कर रहे हैं। वह प्रतीक्षा अब समाप्त हो रही है। मंगलवार को विधानसभा में यूसीसी बिल को प्रस्तुत करेंगे। सभी औपचारिकताओं को पूरा करते हुए चर्चा होगी। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि पूरे देश की नजर हमारी तरफ है। यह युगांतकारी समय है। ये बिल किस प्रकार से आता है और कैसे चर्चा होती है, सभी देखना चाहते हैं। सभी लोग सकारात्मक रूप से चर्चा में भाग लें। मातृशक्ति के उत्थान के साथ ही यह हर पंथ, हर धर्म के हित में है। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव के समय एक समान कानून लाने के लिए जनता के सामने हमने संकल्प लिए थे और जनता ने हम पर विश्वास जताया है। अब सरकार काम है, उस पर खरा उतरे। सभी धर्मों के लिए समान कानून लाने का वो समय आ गया है। हम सभी गौरवान्वित हैं। यह मौका उत्तराखंड को मिल रहा है। देश को लंबे समय से, जिसका इंतजार था। वह कल विधेयक के रूप में विधानसभा सत्र में आएगा। मुख्यमंत्री ने नकल बिल के एक सवाल पर कहा कि प्रधानमंत्री युगदृष्टा हैं और भविष्य को देखने वाले हैं। देश के हरेक जन, गण, मन की चिंता करते हैं। नैनीहालों, कर्णधारों, युवाओं और प्रतिभागी परीक्षाओं में भाग लेने वाले की कठिनाइयों को जानते हैं। वह सब काम करते हैं जो देश की जरूरत है। इस नकल विरोधी कानून को देश की जरूरत है इसी को ध्यान में रखकर यह लाया जा रहा है।

हाउली में सड़क हादसा, साइकिल सवार की मौत

बरपेटा (हिंस)। जिले के हाउली में आज एक दर्दनाक सड़क हादसा के चलते सनसनी फैल गयी। तेज रफ्तार डंपर की चपेट में आने से साइकिल सवार की मौत हो गई। हादसा हाउली जूनियर कॉलेज के पास सड़क हादसा आज सुबह हुआ। हादसे में मौके पर ही हाउली के लाचित रोड निवासी जय कृष्ण शील की मौत हो गई। जय कृष्ण शील साइकिल पर सवार होकर काम करने के लिए जा रहा था, तभी तेज रफ्तार डंपर (एएस-28सी-9152) ने ठोकर मार दिया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची हाउली पुलिस ने डंपर को जब्त कर शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पतेल भेज दिया है। साथ ही पुलिस ने इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर लिया है।

एसएसबी ने किया भूटानी बियर जब्त

कोकराझार (हिंस)। कोकराझार जिलांतर्गत दादगिरी स्थित सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की सीमा चौकी टीम के द्वारा आज अतरराष्ट्रीय भारत-भूटान सीमा स्तम्भ संख्या-169/5 से 1.2 किमी भारत की ओर एक वाहन को चेकिंग के लिए रोका गया। तलाशी के दौरान वाहन से अवैध तरीके से भूटान से लायी गयी भूटानी बियर को जब्त किया गया। भूटान से भारत की ओर आर रहे वाहन (बीपी-3-ए4660) के चालक ने बियर से संबंधित कोई भी वैध दस्तावेज दिखाने में नाकाम रहा। जिसके बाद चालक को गिरफ्तार कर वाहन एवं बियर को जब्त कर कानूनी कार्रवाई के लिए एसएसबी ने लैंड कस्टम ऑफिस हातीचर को सौंप दिया।

अल्पसंख्यक समुदाय के धार्मिक नेताओं ने पीएम से मुलाकात की

नई दिल्ली (हि.स.)। अल्पसंख्यक समुदायों के 25 धार्मिक नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को संसद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए एक्स पर लिखा कि आज संसद में धार्मिक नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल से मिलकर खुशी हुई। मैं हमारे राष्ट्र के विकास पथ पर उनके दयालु शब्दों के लिए उन्हें धन्यवाद देता हूं। उधर, प्रतिनिधिमंडल के नेताओं ने मुलाकात के बाद मीडिया से बातचीत में कहा कि भारत में अलग-अलग समुदाय के लोग एकजुट हैं और भाई-बहन की तरह रह रहे हैं। इस देश के लिए एकता और शांति सर्वोच्च है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत *विश्व गुरु* बनने की राह पर बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी परंपराएं अलग हैं लेकिन मानवता ही हमें एकजुट रखती है। देश में हम सब एक हैं। हमें देश को आगे ले जाना है। प्रतिनिधिमंडल में अखिल भारतीय इमाम संगठन के प्रमुख इमाम इमाम उमेर अहमद इलियासी और विभिन्न अल्पसंख्यक समुदायों का प्रतिनिधित्व करने वाले नेता शामिल थे।

গোহাৰি

CWC CASE NO. 2739/23

উপৰোক্ত শিশুটি যোৱা ইং 04/12/2023 তাৰিখে শিশুসুৰক্ষা সমিতি কামৰূপৰ নিৰ্দেশ অনুসৰি কামৰূপ জিলাৰ অন্তৰ্গত শিশু গৃহত ৰখা হয়। শিশুটিৰ এতিয়ালৈ কোনো ধৰণৰ আইনগত ও জৈৱিক অভিভাৱক বিচাৰি পোৱা নাই।

শিশুটিৰ কোনো অভিভাৱক বাতৰি প্ৰকাশৰ দুই (2) মাহৰ ভিতৰত উপযুক্ত প্ৰমাণপত্ৰ সহিতে নিম্নোক্ত ঠিকনাত যোগাযোগ কৰে যেন।

যোগাযোগৰ ঠিকনা ঃ—

জিলা শিশু সুৰক্ষা বিষয়াৰ কাৰ্যালয়
আমিনগাওঁ হাজো চক
বন্ধন বেংক কেম্পাচ, কামৰূপ
ঘৰ নং - ৭৭
ফোন নং - ৮৬৩৮৪৩৭০৫২
৯৮৬৪২-১৬৮১৭

- Janasanyog /D/17324/ 23/6-Feb-24

पृष्ठ एक का शेष

अब परीक्षाओं में ...

राज्यपाल के अभिभाषण से शुरू हो गया। यह सत्र 28 फरवरी तक चलेगा। राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान विपक्षी सदस्यों द्वारा किए गए शोर-शराबा के बीच राज्यपाल ने लगभग डेढ़ मिनट के अंदर अपना संबोधन समाप्त कर दिया। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष ने इस दौरान दिवंगत हुए विधायकों को श्रद्धांजलि दी। राज्य के साथ ही देशभर में इस दौरान दिवंगत प्रमुख हस्तियों के शोक में सदन में 1 मिनट का मौन रखा गया। अध्यक्ष विश्वजीत दैमारी ने बिजनेस एडवाइजरी कमेटी के पैनल तथा पैनल के अध्यक्षों के नामों की घोषणा की। इसके बाद मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा की ओर से संसदीय कार्यमंत्री पीयूष हजारिका ने विधानसभा के पटल पर असम सूचना आयोग के वार्षिक प्रतिवेदन को रखा। संसदीय कार्यमंत्री ने लोकसभा और विधानसभा क्षेत्र के अंतिम सीमा पुनरनिर्धारण से संबंधित गजट नोटिफिकेशन को भी सदन के पटल पर रखा। जबकि, वित्त मंत्री अजंता नेओग ने वित्त तथा वित्तीय कर विभाग का गजट नोटिफिकेशन सदन के पटल पर रखा। इसके बाद राज्य के कृषि मंत्री अतुल बोरा ने असम एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी जोरहाट के 2017-18 2018-19 2019-20 तथा 2020-21 ऑडिट रिपोर्ट को सदन के पटल पर रखा। वहीं, वन एवं पर्यावरण मंत्री चंद्रमोहन पटवारी ने 2018-19 तथा 2019-20 विभागीय ऑडिट रिपोर्ट को अलग-अलग से सदन के पटल पर रखा। राज्य के हैंडलूम तथा टेक्सटाइल मंत्री उर्खाओ गौरा बह्म ने असम खादी तथा ग्रामीण उद्योग इंडस्टरीज बोर्ड के 2014-15 से लेकर 2017-18 तक के ऑडिट रिपोर्ट को सदन के पटल पर रखा। वहीं, राज्य के नागरिक आपूर्ति मंत्री रंजीत कुमार दास ने खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग से संबंधित रिपोर्ट एवं असम फबड सिक्योरिटी अमेंडमेंट से संबंधित गजट नोटिफिकेशन को सदन के पटल पर रखा। विधानसभा की पब्लिक अंडरटेकिंग कमेटी की रिपोर्ट को विधायक तथा कमेटी के अध्यक्ष रमेंद्र नारायण कलिता ने सदन के पटल पर रखा। इन सब के बाद मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा की ओर से राज्य के संसदीय कार्य मंत्री पीयूष हजारिका ने असम पब्लिक एग्जामिनेशन बिल 2024 को सदन के पटल पर रखा। वहीं, पर्यटन मंत्री जयंत मल्लबरुवा ने असम टूरिज्म डेवलपमेंट एंड रजिस्ट्रेशन बिल को सदन के पटल पर रखा। अंत में वित्त मंत्री अजंता नियोग ने 2023-24 के लिए वित्त विभाग के पूरक मांग को सदन के पटल पर रखा। इन दोनों ही विधायकों को ध्वनि मत से सदन के पटल पर रखने की सदन से अनुमति मिल गई। इसके बाद अध्यक्ष द्वारा कल तक के लिए सदन की कार्रवाई को स्थगित करने की घोषणा कर दी गई।

बलिया में आंबेडकर ...

वह आक्रोशित हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और उन्होंने आक्रोशित ग्रामीणों को समझा-बुझाकर शांत कराया। पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) वैभव पांडेय ने बताया कि पुलिस ने क्षतिग्रस्त प्रतिमा की मरम्मत करा दी है। स्थिति नियंत्रण में होने के साथ ही मौके पर शांति कायम है और कोई तनाव नहीं है। इस मामले में पिंटू राम की तहरीर पर अज्ञात लोगों के विरुद्ध प्रतिमा क्षतिग्रस्त कर लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। सीओ ने यह भी कहा कि इस मामले में रात्रि गश्त के दौरान लापरवाही बरतने वाले पुलिसकर्मियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

सीएए : गृह मंत्री ...

बयान पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी की उस टिप्पणी के बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा है कि जब तक मैं जीवित हूं, मैं पश्चिम बंगाल में एनआरसी लागू नहीं होने दूंगी। इसी बीच सुवेंदु अधिकारी ने नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की है, जिससे नागरिकता संशोधन अधिनियम को लागू करने की अटकलें और तेज हो गई हैं। अधिकारी पहले दावा कर चुके हैं कि बहुत जल्दी सीएए लागू होने की उम्मीद है। यह फरवरी तक लागू किया जा सकता है। इसके अलावा केंद्रीय जहाजरानी राज्यमंत्री और बंगाल से भाजपा सांसद शांतनु ठाकुर भी सात दिनों के अंदर देश में संशोधित नागरिकता कानून लागू होने की गारंटी दे चुके हैं। इसकी उन्होंने 100 प्रतिशत गारंटी दी। गौरतलब है कि मतुआ समुदाय के नेता व बनगांव से सांसद ठाकुर ने पिछले रविवार को गारंटी देते हुए दावा किया था कि पूरे देश में एक सप्ताह के अंदर सीएए लागू किया जाएगा, जिसके बाद बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा था कि भाजपा ने अवसरवाद के तहत लोकसभा चुनाव से ठीक पहले सीएए का मुद्दा उठाया है। वहीं, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि भाजपा ने अवसरवाद के तहत लोकसभा चुनाव से ठीक पहले सीएए का मुद्दा उठाया है। ममता ने आगे हा कि जब तक वह जीवित हैं, राज्य में इसे लागू नहीं होने देंगी।

कांग्रेस ने 60 साल ...

समय तक नहीं चलेगा। फिर वे मेरे खिलाफ गरजे लेकिन अब हम देख रहे हैं कि अब कोई गठबंधन नहीं है। कांग्रेस पार्टी के अलावा कोई नहीं है, ममता बनर्जी भी जा रही हैं। अजमल ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में कांग्रेस असम में एक भी सीट नहीं जीत पाएगी। कांग्रेस और एआईयूडीएफ ने गठबंधन बनाया और 2021 विधानसभा चुनाव में असम में भाजपा के खिलाफ एक साथ लड़े। हालांकि, चुनावी हार के बाद कांग्रेस ने अजमल पर भाजपा के इशारे पर काम करने का आरोप लगाते हुए एआईयूडीएफ से गठबंधन तोड़ दिया।

एक ही प्रोडक्ट ...

परिवारवाद और समाज को बांटने के आरोप लगाए। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि कब तक टुकड़ों में सोचते रहोंगे। कब तक समाज को बांटते रहोगे। कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि अब तो सीमा रखो, बहुत तोड़ा देश को। प्रधानमंत्री ने कहा कि नौ दिन चले, ढाई कोस...ये कहावत पूरी तरह कांग्रेस को परिभाषित करती है। कांग्रेस की सुस्त रफ्तार का कोई मुकाबला नहीं है। आज देश में जिस रफ्तार के साथ काम हो रहा है, कांग्रेस सरकार इस रफ्तार की कल्पना भी नहीं कर सकती। हमने गरीबों के लिए चार करोड़ घर बनाए इसमें से 80 लाख पक्के मकान शहरी गरीबों के लिए बने। अगर कांग्रेस की रफ्तार से काम हुआ होता तो इतना काम होने में 100 साल लगते, 100 पीढ़ियां बीत जातीं। उन्होंने कहा कि 10 वर्ष में 40 हजार किलोमीटर रेलने ट्रैक का विद्युतीकरण हुआ है। अगर कांग्रेस की रफ्तार से देश चलता तो इस काम को करने में 80 साल लग जाते। उन्होंने कहा कि हमने 17 करोड़ से अधिक गैस कनेक्शन दिए हैं, अगर कांग्रेस की रफ्तार से चलते तो इस काम को करने में और 60 साल लग जाते हैं। तीन पीढ़ियां धुएं में खाना बनाने-बनाते गुजर जाती। कांग्रेस की जो मानसिकता है, जिसका देश को बहुत नुकसान हुआ है। कांग्रेस ने देश के सामर्थ्य पर कभी भरोसा नहीं किया, वो अपने आप को शासक मानते रहे और जनता-जनार्दन को कमतर आंकते गए। उन्होंने कहा कि हमारा तीसरा कार्यकाल बहुत दूर नहीं है। 100-125 दिन ही रह गए हैं। तीसरे कार्यकाल में बहुत बड़े फैसले होंगे।

चुनाव रैली में ...

गीत, बोले गए शब्दों, राजनीतिक दल/उम्मीदवार के प्रतीक चिह्न का प्रदर्शन, राजनीतिक दल की विचारधारा का प्रदर्शन, राजनीतिक दल की उपलब्धियों को बढ़ावा देने या प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक दलों/उम्मीदवारों की आलोचना करना सहित किसी भी तरीके से राजनीतिक अभियान की झलक बनाने के लिए बच्चों के उपयोग तक फैला हुआ है। आयोग ने सभी चुनाव अधिकारियों और मशीनरी को स्पष्ट रूप से निर्देश दिया है कि वे चुनाव-संबंधी कार्य या गतिविधियों के दौरान किसी भी क्षमता में बच्चों को शामिल करने से बचें।

बरनावा में लाक्षागृह ...

अपनी जान बचाकर निकल गए थे। इस लाक्षा गृह पर महाभारत काल के अवशेष मौजूद हैं लेकिन वर्ष 1970 यानी करीब 53 साल पहले मुकीद खान नामक व्यक्ति ने कृष्ण दत्त ब्रह्मचारी पर वाद दर्ज कराया था कि वह मुस्लिमों के कब्रिस्तान को खुर्द बुर्द करके वहां हवन आदि कर रहे हैं और उक्त टीले को पांडव कालीन लाक्षा गृह होने का दावा कर रहे हैं। यह मुकदमा मेरठ की अदालत में सात साल चला। बागपत जिला बनने के बाद इसको 1997 में बागपत में स्थान्तरित हो गया। तब से यह मुकदमा बागपत सिविल जूनियर डिवीजन प्रथम की अदालत में विचाराधीन था। तमाम बहस और साक्ष्यों के बाद सोमवार को बागपत की अदालत ने फैसला सुना दिया। मुस्लिम पक्ष को इस फैसले से जहां झटका लगा है वहीं ज्ञानवापी के बाद बागपत में इस फैसले से खुशी की लहर है। कोर्ट में पेश किए गए साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने माना है कि दावा करने वाला पक्ष कोई ठोस साक्ष्य पेश नहीं कर पाया जबकि जमीन सरकारी अभिलेखों में लाक्षागृह ही दर्ज है।

भूख से बौखलाए...

खाने के लिए भोजन खरीदा, तो उसने बिना किसी हिचकिचाहट के वह खा लिया और थोड़ी देर बाद वहां से गायब हो गया। पुलिस अधिकारी ने कहा कि हमें आज सुबह सूचना मिली कि युवक यहां एक स्थानीय रेलवे स्टेशन पर पाया गया है। इसलिए, हम वहां पहुंचे और उसके ठिकाने की जानकारी मांगी, जिसके आधार पर उन्होंने उसे ढूंढ लिया गया। उस व्यक्ति के बयानों के आधार पर, वह पूर्वोत्तर राज्य में एक कॉलेज का छात्र था और अपने परिवार को बताए बिना दिसंबर में ट्रेन से केरल पहुंच गया। उन्होंने कहा कि हमें आज सुबह सूचना मिली कि युवक यहां एक स्थानीय रेलवे स्टेशन पर पाया गया है। इसलिए, हम वहां पहुंचे और उसके ठिकाने की जानकारी मांगी, जिसके आधार पर उन्होंने उसे ढूंढ लिया। उस व्यक्ति के बयानों के आधार पर, वह पूर्वोत्तर राज्य में एक कॉलेज का छात्र था और अपने परिवार को बताए बिना दिसंबर में ट्रेन से केरल पहुंच गया। अधिकारी ने कहा कि उसने हमें अपने भाई का मोबाइल नंबर दिया जो चेन्नई में काम करता है। हमने उससे संपर्क किया और पुष्टि की कि जानकारी सही है। शुरुआती जांच के लिए उसे त्रिशूर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि व्यक्ति को कोई शारीरिक या मानसिक समस्या नहीं है और जब उसके रिश्तेदार यहां पहुंचेंगे तो उसे उन्हें सौंप दिया जाएगा।

पैन-आधार लिंकिंग ...

प्रश्न पूछा गया। इसी पर जवाब देते हुए वित्त राज्य मंत्री ने बताया कि जिन व्यक्तियों ने अपने पैन को आधार से लिंक नहीं किया है, उनसे 1 जुलाई 2023 से 31 जनवरी 2024 तक शुल्क का कुल संग्रह 601.97 करोड़ रुपए है। बता दें कि पैन को बायोमेट्रिक आधार से लिंक करने की आखिरी तारीख 30 जून, 2023 थी। आयकर विभाग ने कहा था कि जो करदाता अपना आधार बताने में विफल रहे हैं उनका पैन 1 जुलाई, 2023 से निष्क्रिय हो जाएगा और ऐसे पैन के खिलाफ कोई रिफंड नहीं किया जाएगा। साथ ही, टीडीएस और टीसीएस उच्च दर पर काटा/संग्रह किया जाएगा। इसके अलावा 1,000 रुपए की विलंब शुल्क का भुगतान करके पैन को दोबारा चालू कराया जा सकता है।

चंडीगढ़ मेयर चुनाव...

चुना गया और उसने पक्षपातपूर्ण तरीके से काम किया और उसने कांग्रेस एवं आम आदमी पार्टी के आठ पार्षदों के बैलेट पेपर को जानबूझकर खराब कर दिया। इस पर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि वीडियो ने केवल एक पक्षीय कहानी बताई है। उन्होंने कोर्ट से आग्रह किया कि पूरी रिकॉर्डिंग देखने के बाद इस पर समग्र रुख अख्तियार करें। तब चीफ जस्टिस ने कहा कि इस पर हमें जरूरी अंतरिम आदेश पारित करना होगा, जो हाई कोर्ट ने नहीं किया। दरअसल, आम आदमी पार्टी के पार्षद कुलदीप कुमार ने 30 जनवरी को हुए चुनावों के मामले में पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के उस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है, जिसमें हाई कोर्ट ने चंडीगढ़ नगर निगम का मेयर घोषित करने वाले चुनाव परिणाम पर तत्काल रोक लगाने से इनकार कर दिया था। हालांकि, हाई कोर्ट ने इस मामले में नोटिस जारी कर इस मामले की सुनवाई तीन हफ्ते बाद के लिए तय कर दी है। पार्षद कुलदीप कुमार ने याचिका में मेयर चुनाव की प्रक्रिया को रद्द कर चुनाव से जुड़ा पूरा रिकॉर्ड सील करने की मांग करते हुए कहा है कि मेयर के पदभार संभालने पर रोक लगाई जाए। याचिका में पूरी चुनावी प्रक्रिया में हुई धांधली की जांच कराने और हाई कोर्ट के रिटायर्ड जज की निगरानी में नए सिरे से चुनाव करवाने का निर्देश जारी करने की मांग की गई है।

संघ कार्यों की ...

भाव जगाया था। ज्येष्ठ शुक्ल त्रयोदशी को उनका राज्याभिषेक हुआ तथा हिन्दवी स्वराज्य की स्थापना हुई। इसलिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की मार्च 2023 में अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा बैठक में यह सर्वसम्मति से निर्णय किया गया था कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इस पावन अवसर पर छत्रपति शिवाजी महाराज का पुण्य स्मरण करते हुए स्वयंसेवक तथा सभी समाज घटकों से आह्वान करता है कि ऐसे सभी आयोजनों में भाग लेकर हिन्दवी स्वराज की स्थापना जैसी युगप्रवर्तक घटना का पुन:स्मरण करें। अब आगे कुछ ही माह छत्रपति शिवाजी महाराज के स्थापित किए गए हिन्दवी स्वराज्य स्थापना वर्ष आयोजन उत्सव के शेष बचे हैं, ऐसे में डॉ. भागवत मध्य प्रदेश में संघ प्रचारकों समेत विविध संगठनों से यह जानेंगे कि उन्होंने जन जागरण के लिए राज्य भर में पिछले महीनों में क्या कुछ किया और समाज में उनके इन प्रयासों से क्या परिवर्तन दिखाई दे रहा है। इसके साथ ही 27 सितंबर सन् 1925 में स्थापित संघ के गठन को भी 100 साल पूरे होने जा रहे हैं। डॉ. भागवत अपने इस प्रवास में स्वयंसेवक पदाधिकारियों से यह भी जानेंगे कि शताब्दी वर्ष में संघ संगठन के विस्तार और सामाजिक समरसता का माहौल बनाने के एजेंडे पर मध्य प्रदेश में कितना आगे बढ़ा है और पूरे वर्षभर में यहां प्रचारक स्तर के कार्यकर्ताओं ने अपने लिए, सामूहिक संगठन के स्तर पर और विविध संगठनों ने क्या लक्ष्य निर्धारित किए हैं, जिस पर वह आगे बढ़ रहे हैं। एक विषय इन बैठकों में अयोध्या रामलला प्राण-प्रतिष्ठा और हिन्दू समाज के बीच जनजागरण का भी आएगा, जिसमें स्वयंसेवक पदाधिकारी अपने किए कार्यों के बारे में सरसंघचालक डॉ. भागवत को जानकारी देंगे, जिसमें आगे सरसंघचालक यह जानना जरूर चाहेंगे कि अब आगे क्या, हिन्दू समाज में जो जनजागृति रामलला प्राण-प्रतिष्ठा से आई है, उसका स्थायी और संचारी भाव बना रहे, उसके लिए आगे स्वयंसेवक मप्र में क्या नवाचार करने वाले हैं। उसके लिए अभी क्या योजना बनी है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा बैठक पानीपत में यह सहमति बनी थी कि विविध संगठनों में महिलाओं की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करें। इस मामले में पिछले वर्ष भर में कितना अमल हुआ, यहां अपने प्रवास के दौरान संघ सरसंघचालक यह भी जानेंगे। इसके साथ ही डॉ. मोहन भागवत अपने मध्य प्रदेश के इस एक सप्ताह के प्रवास में यह भी जानेंगे कि संघ के प्रति जो भ्रांतियां लोगों के बीच हैं या जो इस तरह से नकारात्मकता फैलाने के कार्य में लगे हुए हैं, उनके बीच मप्र में संघ के स्वयंसेवक जाते हैं या नहीं। उनसे सतत संवाद करते हुए अपने कार्यों के बारे में बता रहे हैं अथवा नहीं। वहीं राष्ट्र-समाज के हित सभी राष्ट्रीय सोच रखने वाले संविचारी संगठन एक साथ काम करने के लिए आपस में ठीक से समन्वय और तालमेल बैठाएं, इस पर भी चर्चा होगी। उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश में आरएसएस सरसंघचालक डॉ. भागवत पहले उज्जैन जाएंगे। वे वहां 6 से 8 फरवरी तक हो रही कार्यकारिणी की बैठक में सहभागिता करेंगे।

वन नेशन, वन ...

दिल्ली नहीं जा रही हैं। मुख्यमंत्री का सोमवार दोपहर दिल्ली रवाना होने का कार्यक्रम था। लेकिन सोमवार को मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के बजट से पहले बहुत काम है। इसलिए वे इस

किए गए वादों को पूरा करने के प्रति सरकार प्रतिबद्ध : राज्यपाल

गुवाहाटी (विश्व)। असम के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने कहा है कि उनकी सरकार असम के लोगों से किए गए सभी वादों को पूरा करने के प्रति प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि पहले बताई गई नीतियों और कार्यक्रमों के रूपरेखा से पता चलता है कि उनकी सरकार अगले 2 वर्षों में किस दिशा में जाने का प्रयास कर रही है। राज्यपाल ने जनता से अपील की है कि वह राज्य के सर्वांगीण विकास तथा असम के सभी वर्गों के लोगों के लाभ के लिए सरकार को समर्थन दें एवं सरकार के साथ मिलकर कार्य करें। राज्यपाल कटारिया आज असम विधानसभा के बजट कालीन अधिवेशन के दौरान अपना अभिभाषण दे रहे थे। 105 पृष्ठ के इस अभिभाषण में राज्यपाल ने सरकार द्वारा किए गए विभिन्न कार्यों पर प्रकाश डाला। इनमें सरकार की एक्ट ईस्ट पॉलिसी, सांस्कृतिक क्षेत्र में किए गए कार्यों, चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग, चिकित्सा संबंधी आधारभूत ढांचा के विस्तार, स्वास्थ्य बीमा, नीतिगत पहल, असम हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट एंड मैनेजमेंट समिति के तहत की परियोजनाएं, विश्व बैंक द्वारा वित्त पोषित सेवा वितरण परिवर्तन के लिए असम राज्य माध्यमिक स्वास्थ्य सेवा पहल परियोजना, सर्वोत्तम प्रथाएं और नवाचार, स्वास्थ्य उपकरण खरीद, आयुष क्षेत्र विकास, स्वास्थ्य क्षेत्र, राजस्व आपदा प्रबंधन क्षेत्र मिशन वसुंधरा दो, स्वामित्व के तहत गैर कंडक्शन गांव के सर्वेक्षण और निपटान की पेशकश, हाइब्रिड प्रौद्योगिकी का उपयोग कर राज्य के 18 हजार 789 गांवों का पुनर्सर्वेक्षण, राष्ट्रीय जेनेरिक दस्तावेज पंजीकरण प्रणाली, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण, राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम, कुशल कोंवर सार्वजनिक वृद्धा पेंशन योजना, असम राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, उच्च शिक्षा क्षेत्र, नई इंजीनियरिंग कॉलेज और पॉलिटेक्निक, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, स्वच्छता क्षेत्र, लोक निर्माण, भवन और राष्ट्रीय राजमार्ग क्षेत्र, सांस्कृतिक क्षेत्र, खेल क्षेत्र, वन्य जीव संरक्षण, कौशल विकास, रोजगार एवं उद्यमिता क्षेत्र आदि समेत राज्य सरकार द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में किए गए कार्यों का राज्यपाल ने अभिभाषण में लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। राज्यपाल ने बाल विवाह के विरुद्ध सरकार द्वारा उठाए गए कदम, भ्रष्टाचार के विरुद्ध की जा रही कार्रवाई, राज्य सरकार द्वारा 31 जनवरी तक 88 हजार 547 बेरोजगार युवकों को सरकारी नौकरियां देने, अल्फा के साथ ऐतिहासिक युद्ध विराम समझौता करने जैसे कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डाला।

रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा का असम विधानसभा में स्वागत

गुवाहाटी (विश्व)। असम विधानसभा के बजट कालीन सत्र के पहले दिन आज गत 22 जनवरी को अयोध्या में रामलला की हुई प्राण-प्रतिष्ठा का स्वागत किया गया। विधानसभा अध्यक्ष विश्वजीत दैमारी ने रामायण और महाभारत को सर्वोपरि ग्रंथ बताते हुए सदन में कहा कि रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा पूरे देश के साथ-साथ असम के लिए सौभाग्य का विषय है। असम विधानसभा इसका स्वागत करता है। अध्यक्ष के इस मंतव्य पर पूरे सदन में तालियों की गड़गड़ाहट गूंज उठी। अध्यक्ष ने चंद्रयान मिशन तथा आदित्य एल वन मिशन की सफलता के लिए इसरो के वैज्ञानिकों तथा अभियंताओं को बधाई दी। अध्यक्ष ने 44 वर्षों तक संघर्ष करने वाले यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट आंफ असम (उल्फा) के सदस्यों द्वारा संघर्ष विराम के बाद शांति समझौता एवं संगठन को भंग करने के लिए उनको धन्यवाद दिया। इस दौरान अध्यक्ष ने जी20 की छह बैठकें असम में होने तथा देश भर में इसके सफल क्रियान्वयन के लिए बधाई दी। विधानसभा अध्यक्ष ने राज्य के तीन प्रमुख हस्तियों को पद्मश्री पुरस्कार दिए जाने तथा तीन लोगों को साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्त करने के लिए बधाई दी।

14.31 करोड़ रुपए से असम का उदालगुड़ी स्टेशन होगा रूपांतरित

गुवाहाटी (विश्व)। पूर्वोत्तर और असम में रेल सुविधाओं को और अधिक बढ़ाने के क्रम में, रेलवे में बुनियादी संरचना परियोजनाओं के लिए अंतरिम बजट 2024-25 में 10,369 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। अमृत भारत स्टेशन योजना (एबीएसएस) के तहत, पूर्वोत्तर में 60 स्टेशनों को विश्व स्तरीय सुविधाओं के साथ रूपांतरित किया जा रहा है। चयनित रेलवे स्टेशनों में, असम के उदालगुड़ी रेलवे स्टेशन को 14.31 करोड़ रुपए की लागत से अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत नया स्वरूप मिलेगा। इस स्टेशन के नवीनीकरण से आसपास के क्षेत्रों के रेल उपयोगकर्ताओं को नवीन अत्याधुनिक सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। उदालगुड़ी रेलवे स्टेशन, पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) के रंगिया मंडल के अधीन रंगिया-मुरकंगसेलेक सेक्शन का एक महत्वपूर्ण स्टेशन है। पूसीरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची दे ने आज बताया है कि उन्नत अग्रभाग के साथ इस मौजूदा स्टेशन भवन का विस्तार किया जाएगा, जिसमें यात्रियों की सुविधा के लिए नवीनतम सुख-सुविधाओं के साथ रिटायरिंग रूम एवं प्रतीक्षालय की व्यवस्था रहेगी। दिव्यांगजन अनुकूल रैंप एवं शौचालय की सुविधा के साथ अन्य आधुनिक सुविधाएं जैसी दो लिफ्ट और 5 मीटर चौड़ा फुट ओवर ब्रिज का निर्माण किया जाएगा। नए शौचालय ब्लॉक पुरुष और महिला यात्रियों के लिए अलग-अलग बनाए जाएंगे। सर्कुलेटिंग क्षेत्र की सुंदरता के साथ उन्नत पार्किंग सुविधा की भी योजना है। सभी प्लेटफार्मों पर यात्रियों के आसान आवाजाही के लिए मार्बल स्टोन, टाइल आदि से सतह का पुनर्निर्माण किया जाएगा और शेल्टर की सुविधा रहेगी। प्रवेश निकास पथ विकसित किया जाएगा, जो यात्रियों के लिए बेहतर पहुंच प्रदान करेगा। उपरोक्त सभी कार्यों के लिए टेंडर का आवंटन हो चुका है। नए स्टेशन भवन के लिए नींव का कार्य भी प्रारंभ हो चुका है। अन्य यात्री सुविधाओं जैसे कोच गाइडेंस बोर्ड की स्थापना, ट्रेन सूचना डिस्प्ले सिस्टम, प्लेटफार्मों का विस्तार, दिव्यांगजनों के लिए आसान पहुंच वाले वॉटर बूथ की व्यवस्था आदि का भी कार्य प्रगति पर है। इस स्टेशन के उन्नयन से रोजगार, व्यवसाय जैसे अवसरों के नए मार्ग खुलेंगे और शहर एवं आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों के लिए यात्रा में आसानी होगी।

कलर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने विभिन्न उत्पादों का किया प्रदर्शन

गुवाहाटी (विभास)। जेमा के तत्वाधान में पलटन बाजार के आशी अप्सरा में आयोजित *इलेक्ट्रोफेस्ट* एक्सपो में कलर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने सह प्रायोजक के रूप में भागीदारी की एवं अपने इलेक्ट्रिकल उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला का प्रदर्शन किया, जिसे ग्राहकों द्वारा इसे काफी सराहा गया। मुंबई स्थित कलर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक शशि बियानी, सुरेश बियानी, मुकेश बियानी, वेद बियानी भी उपस्थित थे। कंपनी से आए शशी बियानी ने मूल्यवान ग्राहकों के साथ बातचीत भी की। कंपनी के पूर्वोत्तर में प्रमुख प्रभात चांडक ने बताया कि इन तीन दिनों के एक्सपो में ऑल इंडिया टेक्निकल हेड सुनीत कपूर, फैक्ट्री टेक्निकल हेड धीरेन राजपूत, सेल्स हेड कमल सोनी, सीनियर सेल्स रिप्रेजेंटेटिव (गुवाहाटी) हेमंत बियानी, सीनियर सेल्स एक्जीक्यूटिव पंकज मुंदड़ा, यश चांडक समेत संपूर्ण कलर्स की टीम उपस्थित थी। उन्होंने कहा कि तीन दिनों तक चले इस इलेक्ट्रोफेस्ट एक्सपो में कलर्स स्विचस एंड एसेसरीज, वायर एंड केबल, एमसीबी, डीबी बॉक्स आदि की विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित की गई। इस अवसर पर प्रभात चांडक ने कहा कि कलर्स मुंबई की एक प्रसिद्ध कंपनी है, जो स्विच से लेकर बिजली के तारों, लाइट्स एवं बिजली के विभिन्न सामानों की एक विस्तृत श्रृंखला का निर्माण और उत्पादन करती है। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर में हमारे 300 से अधिक कलर्स चैनल पार्टनर हैं। इनके जरिए कलर्स लोगों के घरों और दफ्तरों को खूबसूरत बना रहा है। एक्सपो में कलर्स के उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित की गई, जिसमे बड़ी संख्या में डीलर, बिल्डर, आर्किटेक्ट, इलेक्ट्रीशियन तथा ग्राहकों ने स्टॉल का दौरा किया और उत्पादों की सराहना की।

रेडीमेड गारमेंट डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सुब्रत रॉय भाजपा व्यापार सेल का संयोजक नियुक्त

गुवाहाटी (विभास)। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भावेश कलिता के निर्देशानुसार भाजपा महानगर जिला के अध्यक्ष तपन चौधरी ने एक सूचना जारी करके रेडीमेड गारमेंट्स डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सुब्रत रॉय को भाजपा व्यापार सेल के संयोजक के रूप में नियुक्त किया है। इस आशय की जानकारी मिलते ही रेडीमेड गारमेंट डीलर्स एसोसिएशन के सदस्यों के बीच खुशी की लहर दौड़ गई। इस अवसर पर नगर के एक होटल में स्वागत समारोह का आयोजन कर संगठन के सदस्यों एवं पूर्वोत्तर विकास मंच के अध्यक्ष मुन्ना कुमार व उपाध्यक्ष संतोष कुमार साहू ने असमिया परंपरा के अनुसार सुब्रत रॉय का स्वागत किया। इस अवसर पर संगठन के उपाध्यक्ष पी कुंडू, संजय पाटोदिया, असीम रॉय, सचिव श्याम खेमका, सह सचिव प्रदीप जैन, काजल दे, कोषाध्यक्ष सुभाष दे के अलावा अरुण डे, ललित पिंचा, सुनील जैन, विक्की गुप्ता, रंजीत रॉय, राकेश भदानी, दिनेश कलिता, ब्रोजन तालुकदार, उत्तम साहा, बिप्लब साहा, रंजीत दत्ता, समीम खान, नसीरुद्दीन चौधरी, सुहेल अहमद, डेलिप मजूमदार, देबोजीत फुकन और अन्य सदस्य उपस्थित थे।

गौहाटी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में विजय बिश्नोई ने ली शपथ

गुवाहाटी (विश्व)। गौहाटी उच्च न्यायालय के नवनियुक्त मुख्य न्यायाधीश विजय बिश्नोई सोमवार को राजभवन में शपथ ली। राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने नवनियुक्त मुख्य न्यायाधीश को पद की शपथ दिलायी। शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा भी मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि उच्चतम न्यायालय ने 2 फरवरी को एक अधिसूचना के जरिए गौहाटी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई की नियुक्ति की थी। न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई पहले राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में कार्यरत थे। न्यायाधीश की नियुक्ति को केंद्रीय कानून मंत्रालय ने मंजूरी दे दी है।

जुरिया बाजार में अतिक्रमणकारियों को प्रशासन का नोटिस

नगांव (हिंस)। जिले के जुरिया क्षेत्रीय पंचायत ने जुरिया बाजार में बाजार की जमीन पर अवैध अतिक्रमण करने वालों सात दिन का अल्टीमेटम भीतर देकर खाली करने का आदेश दिया है। पंचायत के इस आदेश से अवैध रूप से कब्जा करने वालों में हड़कंप मच गया। जुरिया विकास खंड के अधिकारियों और कर्मचारियों के एक वर्ग ने अवैध लेन-देन के माध्यम से जुरिया बाजार में सरकारी कर्मचारियों के नाम पर 10 से 12 ठिकानों का आवंटन किया है और कई अवैध कब्जाधारियों ने स्थायी रूप से दो, तीन मंजिला इमारतें बना ली हैं। साथ ही चार से पांच लाख रुपए अग्रिम जमानत के रूप में लेकर इन इमारतों को किराए पर देखकर कुछ लोगों ने एक अलग ही व्यवसाय शुरू कर दिया है। इतना ही नहीं एक वर्ग ऐसा भी है जो बाजार की जमीन को 30 से 40 लाख रुपए में बेच रहा है। जुरिया बाजार में दुकान आवंटन के नाम पर भ्रष्टाचार होने संबंधी खबरों के बीच जुरिया आंचलिक पंचायत ने यह कदम उठाया है। जुरिया क्षेत्रीय पंचायत ने अवैध अतिक्रमणकारियों के खिलाफ कड़ा फैसला लेने के बाद अगले सात दिन के भीतर बाजार की जमीन को खाली करने का सख्त आदेश जारी किया है। इस संबंध में स्थानीय लोगों का कहना है कि क्या यह आदेश केवल कागज ही सीमित रहेगा या नियत समय पर उचित रूप से लागू किया जाएगा।

देरगांव से कांग्रेस की पार्षद शीतल सोमानी ने थामा भाजपा का दामन

गुवाहाटी (विभास)। देरगांव की शीतल सोमानी आज सोमवार को अटल भवन गुवाहाटी में असम भाजपा अध्यक्ष भावेश कलिता, पर्यटन मंत्री जयंत मल्ल बरुवा, असम भाजपा महासचिव (संगठन) रविंदा राजू और विभिन्न राज्य भाजपा नेताओं और विधायकों की उपस्थिति में भाजपा में शामिल हुईं। इससे पहले शीतल सोमानी कांग्रेस की टिकट पर डेरगांव के वार्ड नंबर 10 से लगातार दो बार पार्षद एवं गोलाघाट जिला कांग्रेस कमेटी की उपाध्यक्ष पद पर भी अपनी सेवाएं दे रही है। प्रधानमंत्री मोदी के असम के विकास में महत्वपूर्ण योगदान को देखते हुए उन्होंने आज भाजपा का दामन थाम लिया है। श्रीमती सोमानी का सामाजिक दायरा भी काफी बड़ा है। ये अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की प्रांतीय अध्यक्ष, नेशनल ह्यूमन राइट्स क्राइम कंट्रोल ब्यूरो की प्रांतीय अध्यक्ष, मारवाड़ी युवा मंच की पूर्व प्रांतीय महामंत्री के रूप में भी ये समाज को अपनी सेवाएं दे चुकी है। इसके अलावा महिला कौशल विकास और नारी चेतना की अध्यक्ष के रूप में भी इन्होंने अपनी सेवाएं दी है।

मायुमं की बेलतला शाखा ने प्रधानमंत्री की जनसभा में सक्रिय रूप से किया सेवा-कार्य

गुवाहाटी (विभास)। प्रदेश भाजपा मुख्यालय के अनुरोध पर मारवाड़ी युवा मंच बेलतला शाखा ने खानापाड़ा मैदान में 4 जनवरी को आयोजित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा में सक्रिय होकर सेवा कार्य में अपना सहयोग दिया। इस अवसर पर मारवाड़ी युवा मंच बेलतला शाखा के अध्यक्ष संदीप पोद्दार ने बताया कि शाखा के सदस्यों ने प्रधानमंत्री के खानापाडा मैदान में प्रवेश करते ही गुलाब पुष्प की वर्षा के लिए उपस्थित सभी लोगों के बीच भाजपा द्वारा उपलब्ध कराए गए गुलाब फूल की पत्तियों का वितरण किया। इसके अलावा बेरिकेड के पास घंटों इंतजार में खड़ी भीड़ को भी नियंत्रित करके प्रशासन को व्यवस्था बनाने में मदद की। गुवाहाटी के बाहर से आने वाले जन समुदाय को उचित मार्गदर्शन कराकर उन्हें उचित जगह पर बैठने के लिए भी सहयोग दिया।

असम टी वर्कर्स यूनियन का स्थापना दिवस 9को

विश्वनाथ (विभास)। असम टी वर्कर्स यूनियन (एटीडब्ल्यूयू) 6 फरवरी को अपना स्थापना दिवस मनाने की तैयारी कर रहा है। स्थापना दिवस भी केंद्रीय है; यह कार्यक्रम शाखाओं और बागानों के प्राथमिक समूह स्तर पर आयोजित किया जाएगा। उसी दिन सुबह 9 बजे डिब्रूगढ़ केंद्रीय कार्यालय पर संघ का झंडा फहराया गया; इसके बाद 9.30 बजे स्मारक सेवा के बाद 10.30 बजे डिब्रूगढ़ जिला आयुक्त कार्यालय के सामने संघ के संस्थापक अध्यक्ष पद्मभूषण विजय चंद्र भागवती की प्रतिमा के सामने दीपक प्रज्ज्वलित कर श्रद्धांजलि और पुष्प सज्जा होगी। इसी प्रकार शाम 5-30 बजे केंद्रीय कार्यालय परिसर में लाइटिंग एवं दीपक सजावट होगी। वहीं इस उपलक्ष्य पर एसोसिएशन की ओर से 20 शाखाएं उस दिन रंगारंग कार्यक्रम करने कि बात नन्दूवार शाखा के सहकारी सचिव कृष्ण खेरवाड़ ने कहा।

जेमा के एक्सपो का शानदार समापन

इलेक्ट्रोफेस्ट में 7000 से अधिक लोगों ने दर्ज कराई उपस्थिति

गुवाहाटी (विभास)। उल्लूबाड़ी स्थित आशी अप्सरा प्रांगण में गुवाहाटी इलेक्ट्रिक मर्चेंट्स एसोसिएशन (जेमा) की ओर से आयोजित तीन दिवसीय इलेक्ट्रोफेस्ट एक्सपो का शानदार समापन सोमवार को हुआ। जेमा के अध्यक्ष नवल किशोर शारदा ने बताया कि पिछले तीन दिनों में 7000 से अधिक लोगों ने अपनी स्थिति दर्ज करा कर इलेक्ट्रोफेस्ट एक्सपो को अपना भरपूर समर्थन दिया। इलेक्ट्रोफेस्ट एक्सपो के चेयरमैन गोपाल पसारी ने बताया कि इस एक्सपो में गुवाहाटी ही नहीं बल्कि असम के विभिन्न जिलों सहित पूर्वोत्तर के अलग-अलग राज्यों से लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई जो आयोजन की सफलता को बया करता है। एक्सपो के संयोजक अभिषेक केजरीवाल ने बताया कि तीन दिनों तक चले इस इलेक्ट्रो फर्स्ट एक्सपो में आए 72 से अधिक कंपनियों के प्रतिनिधियों ने जेमा के इस आयोजन की खुले दिल से प्रशंसा करते हुए कहा कि वे लोग देशभर के विभिन्न राज्यों में आयोजित होने वाले एक्सपो में हिस्सा लेते हैं। मगर जेमा का यह एक्सपो कई मायनों में खास व यादगार रहेगा। सचिव साकेतराज पुगलिया ने बताया की इलेक्ट्रोफेस्ट एक्सपो को सफल बनाने में सभी प्रायोजकों के अलावा हिस्सा ले रही कंपनियां का महत्वपूर्ण सहयोग रहा जिसकी बदौलत जेमा ने अपने प्रथम एक्सपो में ही एक नया इतिहास रच डाला। कोषाध्यक्ष नवीन सेठिया ने बताया कि तीन दिनों तक चले इस एक्सपो को सफल बनाने में संयोजक अनिल दुग्गड़, सौरभ बोथरा, अभिषेक कागलीवाल, मेहुल पसारी, दीपक अग्रवाल, अंशुमन धानुका के अलावा संस्था के सभी सदस्यो का भरपुर सहयोग एवं मार्गदर्शन मिला जिसके लिए उन्होंने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

অসম লোকসেৱা আয়োগ
ASSAM PUBLIC SERVICE COMMISSION
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-781022.

No. 107PSC/CON/Exam-11/2023-2024

R E S U L T

The Assam Public Service Commission hereby declares today, the 5th February, 2024, the result of the recruitment for the post of ***Assistant Manager (Electrical) and Assistant Manager (Human Resource) in Assam Power Generation Corporation Limited (APGCL)*** (Advt. No. 11/2023 Dtd. 25/04/2023).

The Interview for the said posts was conducted by the Commission on 5th February, 2024. The Commission recommended the following candidates for the said posts in order of merit.

(1) Assistant Manager (Electrical):
No. of Posts: 6 Nos. (RF W: 2) (PwBD:1 -OH) (Ex-Servicemen:2)
Break-up: OC: 3 (RFW:1), OBC/MOBC: 3 (RFW:1)

Position	Roll No.	Name of Candidate	Gender	PwBD	Recommended against vacancy
1	20827	SUPRATIM PAUL	M		Open Category
2	20349	JOYDEEP PAUL	M		Reserved
3	20038	AKASH BAYAN	M		Reserved
4	20682	RIMPI CHOUDHURY	F		Open Category
5	20542	NIHARIKA DEVI	F		Reserved
6	20873	PANKAJ JYOTI DAS	M	OH	Open Category

(N.B.: No candidate found in Ex-Servicemen Category.)

(2) Assistant Manager (Human Resource):
No. of Posts: 2 Nos. (OC: 1 & STP: 1)

Position	Roll No.	Name of Candidate	Gender	Recommended against vacancy
1	10133	DEBASISH HAZARIKA	M	Open Category
2	10137	DETSUNG BASUMARARY	M	Reserved

NB : The Commission will not be responsible for any typing/printing mistakes.
* Results may be accessed through the APSC's website www.apsc.nic.in

Principal Controller of Examinations,
Assam Public Service Commission,
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-22

-- Janasanyog /D/17310/ 23/6-Feb-24

संपादकीय

आपदा के सबक

बहुत समय नहीं हुआ जब मानसून में भारी वर्षा व भूस्खलन के चलते हिमाचल प्रदेश के विभिन्न भागों में जन-धन की व्यापक क्षति हुई थी। ढहती मंजिलें और दरकते पहाड़ पूरे देश को भयाक्रांत कर रहे थे। कहीं न कहीं संवेदनशील हिमालयी पहाड़ आबादी के बोझ और अनियोजित निर्माण का दबाव सहन नहीं कर पा रहे हैं। हिमाचल जैसी स्थितियों से उत्तराखंड के कई शहर भी जूझ रहे हैं। जोशीमठ का धंसना इस कड़ी का विस्तार ही है। मानसून के दौरान हिमाचल की राजधानी व अन्य शहरों में अतिवृष्टि से हुई व्यापक क्षति के बाबत राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का आकलन इस दिशा में व्यापक अवलोकन की जरूरत बताता है। ताकि नियमित निगरानी के साथ मानकों के पालन को सुनिश्चित किया जा सके। प्राधिकरण की रिपोर्ट पिछले मानसून में हुई व्यापक क्षति के कारणों और ऐसी स्थिति से बचने के उपायों पर प्रकाश डालती है। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि राज्य सरकार राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के निष्कर्षों और सिफारिशों पर गंभीरता पूर्वक विचार करे। निश्चित रूप से इन घटनाओं से सबक लेने और चेतावनी के संकेतों को नजरअंदाज न करने की जरूरत है। साथ ही जरूरी है कि जनमानस के अवचेतन में उन विनाशकारी घटनाओं के कारणों से बचने की चेतना विद्यमान रहे। निश्चित रूप से तेजी से होता शहरीकरण पहाड़ी राज्यों की बड़ी चुनौती है। भूमि का गलत उपयोग और ग्रामीण इलाकों में भवन निर्माण मानदंडों की अनदेखी घरों की सुरक्षा के लिये गंभीर चुनौती पैदा कर रही है। दरअसल, संवेदनशील पर्वतीय पारिस्थितिकी में अनियोजित विकास पर्यावरणीय संकट के साथ ढांचागत चुनौतियां भी पैदा कर रहा है। कहीं शासन-प्रशासन की नियमित निगरानी के अभाव में भवन निर्माण के सुरक्षित मानकों की अनदेखी की जा रही है। जिसके चलते आपदा के जोखिमों में वृद्धि ही हुई है। स्थानीय निकायों के स्तर पर जिस जिम्मेदार व्यवहार का पालन किया जाना चाहिए, वह भी नदारद है। राजनीतिक हस्तक्षेप व निहित स्वार्थों के चलते भवन निर्माण से जुड़े कानून ताक पर रख दिए जाते हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के हालिया अध्ययन में बार-बार कहा गया है कि नियमों के कड़ाई से पालन और निर्माण कार्यों के नियमित ऑडिट का कोई दूसरा विकल्प नहीं है। निस्संदेह, पर्यावरण व भवन निर्माण से जुड़े विशेषज्ञ बार-बार इन्हीं मुद्दों की ओर ध्यान दिलाते रहे हैं। लेकिन सत्ताधीश इस दिशा में गंभीर नजर नहीं आते। दरअसल, शहरों की योजना सीमा के बाहर ग्रामीण क्षेत्रों में खड़ी ढलानों पर अनधिकृत संरचनाएं और निर्माण मानदंडों की अनदेखी प्राकृतिक आपदा की स्थिति में जन-धन की सुरक्षा के लिये एक गंभीर चुनौती पैदा करती है। वास्तव में, पहाड़ी इलाकों में भवन निर्माण से जुड़े नियमों-उपनियमों पर गंभीरता से पुनर्विचार करने की जरूरत है। साथ ही प्राकृतिक जल निकासी प्रणालियों को अवरुद्ध करने वाले कारकों पर रोक लगाने की सख्त जरूरत है। जो अतिवृष्टि की दशा में जानलेवा संकट पैदा कर देते हैं। जरूरत इस बात की भी है कि पहाड़ों की प्रकृति के अनुरूप भवन निर्माण शैली को प्रोत्साहन दिया जाए। खासकर भवन निर्माण की उस परंपरागत शैली को, जिसमें लकड़ी और मिट्टी का उपयोग होता रहा है, जो दीवारों में लचीलापन पैदा करती है। निस्संदेह, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि शहरीकरण और पर्यटन की पहाड़ी राज्यों की आर्थिक उन्नति में महत्वपूर्ण भूमिका होती है। लेकिन कहीं न कहीं ये सब नीतिगत बदलावों के मार्ग में बाधक भी बनते हैं। बहरहाल, इस दिशा में चाहे कितनी बाधाएं हों, हिमाचल प्रदेश यथास्थिति के विकल्प को नहीं चुन सकता। पहाड़ी परिवेश की संवेदनशीलता के मद्देनजर जन-धन की हानि को टालने के लिये इस दिशा में नियमति निगरानी अपरिहार्य ही है। ग्लोबल वार्मिंग के संकट के मद्देनजर बारिश के ट्रेंड में आए बदलाव से इसकी तीव्रता बढ़ी है। कम समय में ज्यादा मूसलाधार बारिश का रुझान भी देखा गया है, जो भूस्खलन की पुनरावृत्ति को बढ़ाता है। इससे उपजे संकट को टालने के लिये जहां शासन-प्रशासन से जिम्मेदार व्यवहार की उम्मीद की जाती है, वहीं नागरिकों के स्तर पर भी जागरूकता की जरूरत है।

हिमाचल जैसी स्थितियों से उत्तराखंड के कई शहर भी जूझ रहे हैं। जोशीमठ का धंसना इस कड़ी का विस्तार ही है। मानसून के दौरान हिमाचल की राजधानी व अन्य शहरों में अतिवृष्टि से हुई व्यापक क्षति के बाबत राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का आकलन इस दिशा में व्यापक अवलोकन की जरूरत बताता है। ताकि नियमित निगरानी के साथ मानकों के पालन को सुनिश्चित किया जा सके। प्राधिकरण की रिपोर्ट पिछले मानसून में हुई व्यापक क्षति के कारणों और ऐसी स्थिति से बचने के उपायों पर प्रकाश डालती है। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि राज्य सरकार राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के निष्कर्षों और सिफारिशों पर गंभीरता पूर्वक विचार करे। निश्चित रूप से इन घटनाओं से सबक लेने और चेतावनी के संकेतों को नजरअंदाज न करने की जरूरत है। साथ ही जरूरी है कि जनमानस के अवचेतन में उन विनाशकारी घटनाओं के कारणों से बचने की चेतना विद्यमान रहे। निश्चित रूप से तेजी से होता शहरीकरण पहाड़ी राज्यों की बड़ी चुनौती है। भूमि का गलत उपयोग और ग्रामीण इलाकों में भवन निर्माण मानदंडों की अनदेखी घरों की सुरक्षा के लिये गंभीर चुनौती पैदा कर रही है।

आजादी के अमृत काल में राजनीति का शुद्धिकरण एवं अपराध मुक्ति ही भारत को सशक्त एवं विकसित राष्ट्र बना सकेगा

भ्रष्टता निवारण है सशक्त लोकतंत्र का आधार

ललित गर्ग

झारखंड राज्य में जमीन खरीद में गड़बड़ी, अवैध खनन और मनी लॉन्ड्रिंग के कथित पुराने मामलों की जांच कर रही प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को गिरफ्तार कर लिया है। इस कार्रवाई से झारखंड की सरकार संकट में आ गयी और उन्हें मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा। भाजपा सरकार ने भ्रष्टाचार के खिलाफ केन्द्रीय एजेंसियों की कार्रवाई का बुगल बजाय हुए है, जिससे राजनीति में बढ़ रहे भ्रष्टाचार पर नियंत्रण का नया सूरज उदित होता हुआ दिखाई दे रहा है, जो दुनिया के सबसे बड़े भारत लोकतंत्र के आदर्श एवं सशक्त होने की बड़ी अपेक्षा है। आजादी के अमृत काल में राजनीति का शुद्धिकरण एवं अपराध मुक्ति ही भारत को सशक्त एवं विकसित राष्ट्र बना सकेगा। हेमंत सोरेन के बाद अब अगला नम्बर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल का है। स्पष्ट है कि अब भ्रष्टाचारियों की नैया पार होने वाली नहीं है। अगर ये लोग सोचते हैं कि ताकतवर होने के कारण कानून उन तक नहीं पहुंच सकता, तो ये मुगालते में हैं। अगर उन्होंने भ्रष्टाचार किया है, तो उन्हें अपने किए की सजा मिलेगी ही। भ्रष्ट आचरण से करोड़ों-अरबों की संपत्ति लूटने वाले नेतागण शायद नहीं जानते कि केंद्र में ऐसी मजबूत सरकार है, जो भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं करती। इसीलिए तो जांच एजेंसियों को पूरी छूट मिली हुई है कि वे भ्रष्ट आचरण करने वालों को पकड़ें। दबाव मुक्त केन्द्रीय एजेंसियां अपने काम में जुटी भी हुई हैं, उनकी टांग खिंचने की बजाय उनका हौसला बढ़ाना चाहिए। इनदिनों गैरभाजपा प्रांतों में भ्रष्टाचार के मामले बड़ी संख्या में उजागर हो रहे हैं। इंडिया गठबंधन के प्रमुख घटक दल आम आदमी सरकार के स्वास्थ्य मंत्री सतेन्द्र जैन, उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया एवं पश्चिम बंगाल में उद्योग मंत्री पार्थ चटर्जी जेल की सलाखों के पीछे हैं, इनकी गिरफ्तारी बता रही है कि ममता बनर्जी एवं अरविन्द केजरीवाल भ्रष्टाचार मुक्त शासन के कितने ही दावे क्यों न करें, लेकिन उनके वरिष्ठ मंत्री भी भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों के घेरे में हैं। विभिन्न राजनीतिक दलों एवं विभिन्न प्रांतों की सरकारों में भ्रष्टाचार की बढ़ती स्थितियां गंभीर चिन्ता का विषय है। ऐसा लगता है आज हम जीवन नहीं, राजनीतिक मजबूरियां जी रहे हैं। राजनीति की

सार्थकता एवं साफ-सुथरा उद्देश्य नहीं रहा, स्वार्थपूर्ति का जरिया बन गया है। राजनीतिक दल अच्छे-बुरे, उपयोगी-अनुपयोगी का फर्क नहीं कर पा रहे हैं। मार्गदर्शक यानि नेता शब्द कितना पवित्र व अर्थपूर्ण था पर अब नेता खलनायक बन गया है। नेतृत्व व्यवसायी एवं भ्रष्टाचारी बन गया। आज नेता शब्द एक गाली है। जबकि नेता तो पिता का पर्याय था। उसे पिता का किरदार निभाना चाहिए था। पिता केवल वही नहीं होता जो जन्म का हेतु बनता है अपितु वह भी होता है, जो अनुशासन सिखाता है, ईमानदारी का पाठ पढ़ाता है, विकास की राह दिखाता है। आगे बढ़ने का मार्गदर्शक बनता है। भ्रष्टाचार, राजनीतिक अपराधीकरण एवं जाति-सम्प्रदाय के हिंसक आग्रहों पर इंडिया गठबंधन में कोई बहस नहीं है, कोई आदर्श राष्ट्र निर्माण की दृष्टि एवं दिशा नहीं है। राजनीति में लगे लोगों में जब इन मसलों की गहराई तक जाने का धैर्य और गंभीरता चुक जाए, तो उनके मंच के संवाद पहले निम्न दर्जे तक गिरते हैं और फिर कीचड़ को ही संवाद का विकल्प मान लिया जाता है। इन दिनों यही हो रहा है। भ्रष्टाचार के लिए मोदी सरकार जो कार्रवाइयाँ कर रही हैं, वह सराहनीय है। भारतीय राजनीति में भ्रष्टाचार का पर्याय बन चुके ऐसे नेताओं की कमी नहीं है, जो यह मानते हैं कि सरकार उनकी है और वे कुछ भी कर सकते हैं। इस तरह की भ्रामक सोच भारतीय राजनीति का पतन कर रही है। इसकी शुचिता और पारदर्शिता को धूमिल कर रही है। पहले राजनीति का अर्थ लोगों की सेवा करना होता था, लेकिन बाद में यह अपने लोगों की सेवा का माध्यम समझी जाने लगी। बिहार, बंगाल, दिल्ली और झारखंड जैसे राज्य तो इसमें सबसे ऊपर दिखते हैं। झारखंड में ही अभी जो घटनाक्रम हुआ है, क्या उससे यह धारणा नहीं बनती कि हेमंत सोरेन ने जरूर कुछ ऐसे कार्य किए हैं कि पहले उन्हें ईडी से भागना पड़ा और जब उन पर दबिश बढ़ी, तो उन्हें मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देकर ईडी अधिकारियों के हाथों गिरफ्तार होना पड़ा। बिहार का हाल भी झारखण्ड से अलग नहीं है। वहां पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव का भ्रष्टाचार लगातार खबरों में रहा है, वे भी सजा भुगत चुके हैं। उनके पुत्र तेजस्वी यादव व अन्य परिजन पर भी जमीन घोटाले के आरोप हैं। कहा जाता है कि जब ईडी ने तेजस्वी यादव से सवाल पूछे, तो वह भी संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए। उन्होंने घोटाले के वक्त खुद के नाबालिग होने की बात कही। जब ईडी अधिकारियों ने पूछा कि करोड़ों की कंपनी कैसे बनाई, तो उन्होंने इस बारे में कोई जानकारी न होने की बात कही। जबकि लालू यादव के पास इतनी संपत्ति कैसे जमा हुई, यह कोई छिपा रहस्य नहीं है। इसलिए यह कयास भी गलत नहीं है कि देर-सबेर तेजस्वी यादव भी अपने पिता की तरह जेल में दिख सकते हैं। कुछ इसी तरह की कहानी देश के अन्य राज्यों में भी है, जहां मुख्यमंत्री और बड़े नेता ईडी के निशाने पर हैं, इसलिए मुमकिन है कि आने वाले दिनों में हम और भी कई नेताओं को कालकोठरी में देख सकते हैं। बात केवल आम आदमी पार्टी, कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, झारखण्ड मुक्ति मोर्चा राष्ट्रीय जनता दल, की ही नहीं है, भ्रष्टाचार जहां भी हो, उसकी खिलाफ बिना किसी पक्षपात के कार्रवाई की जानी चाहिए। भाजपा एक राष्ट्रवादी पार्टी है, नया भारत एवं सशक्त भारत को निर्मित करने के लिये तत्पर है तो उसकी पार्टी के भीतर भी यदि भ्रष्टाचार है तो उसकी सफाई ज्यादा जरूरी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसी भ्ज्ञी दल के नेताओं के भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई का बुगल बजाय हुए हैं तो यह आजादी के अमृत महोत्सव मनाने की सार्थक पहल है, जिसके माध्यम से वे भारत के विलक्षण और ऐतिहासिक प्रधानमंत्री माने जाएंगे। राजनीतिज्ञों की साख गिरेगी, तो राजनीति की साख बचाना भी आसान नहीं होगा।

भाजपा सरकार ने भ्रष्टाचार के खिलाफ केन्द्रीय एजेंसियों की कार्रवाई का बुगल बजाय हुए है, जिससे राजनीति में बढ़ रहे भ्रष्टाचार पर नियंत्रण का नया सूरज उदित होता हुआ दिखाई दे रहा है, जो दुनिया के सबसे बड़े भारत लोकतंत्र के आदर्श एवं सशक्त होने की बड़ी अपेक्षा है। आजादी के अमृत काल में राजनीति का शुद्धिकरण एवं अपराध मुक्ति ही भारत को सशक्त एवं विकसित राष्ट्र बना सकेगा। हेमंत सोरेन के बाद अब अगला नम्बर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल का है।

दृष्टि कोण

द ग्रेट रशियन रॉबरी, जिसने बदल दिया दुनिया के अनाज कारोबार का रिवाज

ऑस्ट्रेलिया में इस साल किसान सूखी जमीन में गेहूं बोएंगे। दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा गेहूं निर्यातक अपनी सबसे बड़ी फसल पर अल-नीनो वाले सूखे के असर के लिए तैयार हो रहा है। भारत में चुनाव के कारण मुफ्त अनाज बांटने का ऐलान किए बैठी सरकार को पता नहीं है कि इस साल किसान उसे पर्याप्त अनाज बेचेंगे या नहीं। रबी पर अल-नीनो की काली छाया पड़ चुकी है। उपज कम होने का खतरा है। भारत में गेहूं का सरकारी भंडार सात साल के न्यूनतम स्तर पर है। एक साल से ज्यादा हो गया, मगर भारत में अनाज की महंगाई कम नहीं हुई। भारत ने गेहूं और चावल का निर्यात रोक दिया, मगर खौलती कीमतें ठंडी नहीं पड़ी हैं। दुनिया के खाद्य बाजार में अफरा-तफरी मची है। बाजार को लगता है कि भारत को गेहूं का आयात शुरू करना पड़ सकता है। 1803 से लेकर 1972 तक गेहूं की कीमतों में इतिहास में कहीं किसी भी बड़ी तेजी का जिक्र नहीं है। बीसवीं सदी के सातवें दशक की शुरुआत तक महंगाई में गेहूं का योगदान नगण्य था, पर 1970 के दशक में अचानक पूरी दुनिया में अफरा-तफरी मच गई। आइए टाइम मशीन तैयार है...पकड़िए अपनी सीट। मनी हेइस्ट यानी बैंक लूट तो सुनी होगी, आइए गेहूं की एक अनोखी लूट से मिलते हैं, जो रूस ने की थी। उसके बाद गेहूं का बाजार ही बदल गया। हम

1970 के दशक में है। दूसरे विश्व युद्ध को तीस साल बीत चुके थे। अमेरिका अब दुनिया में कृषि उत्पादन की बड़ी ताकत बन गया था। गरीबों को फूड स्टांप कार्यक्रमों के जरिये सस्ता अनाज दिया जा रहा है। दूसरी बड़ी लड़ाई में अपना दबदबा स्थापित करने के बाद अमेरिका उदारता और मदद के सहारे कूटनीतिक प्रभाव बना रहा था। 1954 में फूड फॉर पीस कार्यक्रम आया, जिसके तहत जरूरतमंद देशों को खाद्य सहायता दी जा रही थी। यह वही अमेरिका था, जो दूसरे विश्वयुद्ध की शुरुआत तक कुपोषण और अनाज की कमी से जूझ रहा था। लिजी कॉलिंघम अपनी मूल्यवान किताब 'द टेस्ट ऑफ वार – वर्ल्ड वार टू एंड बैटल फॉर फूड' में लिखती हैं कि दूसरी बड़ी जंग के दौरान अमेरिका में सेना के लिए सेहतमंद लोग मिलना मुश्किल थे। प्रत्येक पांच में दो पुरुष फौज में भर्ती से नकार दिए जाते थे, क्योंकि वे कुपोषित थे। 1930 की महामंदी के बाद हुए कृषि सुधारों ने अमेरिका की खेती को संकट से समृद्धि में बदल दिया था। किसानों को मूल्य समर्थन और सब्सिडी दी गई थी, जिसका फायदा भरपूर फसलों के तौर पर पककर सामने आने लगा था। दूसरे विश्व युद्ध के बाद नई तकनीकों से खेती के उत्पादन में और तेजी आई और अनाज के कोठार भरने लगे। यूं तो यह दौर चरम शीत युद्ध था, मगर अमेरिका और रूस के बीच कारोबारी रिश्तों की गर्मी देखते ही बनती थी। 1971 में अमेरिका रूस को गेहूं का निर्यात करता था। यह सौदे बहुराष्ट्रीय अनाज कंपनियों के जरिये किए जाते थे। 70 के दशक की शुरुआत में डॉलर कमजोर हो रहा था। गोल्ड स्टैंडर्ड समाप्त हो गया था। अमेरिकी राष्ट्रपति निक्सन बुरी तरह परेशान थे। अमेरिका का निर्यात यूरोप और जापान से मात खा रहा था। अमेरिका की सरकार विदेश व्यापार का चेहरा ठीक करने के लिए गेहूं का निर्यात बढ़ाना चाहती थी। भारी उत्पादन के कारण भंडार भरे थे, जिन्हें खाली करना जरूरी था। इधर सोवियत संघ में 1971-72 में गेहूं की फसल बुरी तरह मारी गई। अमेरिका को पता था, सोवियत रूस को अनाज चाहिए। अर्ल बट्ज अमेरिकी राष्ट्रपति निक्सन की सरकार में कृषि मंत्री थे। तेज-तर्रार, मुंहफट और विवादित बट्ज को अमेरिका में खेती की नीतियां बदलने के लिए जाना जाता है। उस वक्त तक अमेरिका में भारत जैसी समर्थन मूल्य प्रणाली लागू थी। किसानों का अतिरिक्त उत्पादन सरकार खरीदती थी। यह नीति महामंदी के दौर में आई थी। बट्ज ने कृषि उपज के निर्यात का बड़ा कार्यक्रम बनाया। टाइम मशीन सफर करते हुए आपको अमेरिका के अखबारों में ऐसी सुर्खियां दिख जाएंगी, जिनमें देश के कृषि मंत्री खूब पैदावार का आह्वान कर रहे हैं और अमेरिका गेहूं निर्यात की ताकत बनाने का दावा कर रहा है। मगर इसी मुकाम से शुरू होती है अमेरिकी कृषि व्यापार नीति की सबसे बड़ी चूक, जिसे इतिहास में ग्रेट रशियन रॉबरी के नाम से दर्ज किया गया। कृषि मंत्री अर्ल बट्ज ने सोवियत रूस के साथ अनाज निर्यात का समझौता किया। उन्होंने सोवियत संघ को 50 करोड़ डॉलर की क्रेडिट लाइन जारी की। यह कर्ज अमेरिकी गेहूं खरीदने के लिए था। इसके बदले सोवियत रूस को अगले तीन साल में करीब 75 करोड़ डॉलर का गेहूं खरीदना था। बट्ज ने सपने में भी नहीं सोचा था कि सोवियत वाले यह अनाज एक साल में ही खरीद लेंगे। सोवियत की कमान लिओनिद ब्रेझनेव के हाथ थी। ब्रेझनेव की कूटनीतिक चतुरता का कोई सानी नहीं था। जोसेफ स्टालिन के बाद वह सबसे लंबे समय तक रूस की कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव रहे। भारत और रूस के बीच की मशहूर संधि उनके कार्यकाल में ही हुई थी। भारत का नेतृत्व तब इंदिरा गांधी कर रही थीं।

कुछ अलग

संतुलन से बनेगा बेहतर जीवन

पिछले संडे मैं अपनी 12वीं मुंबई मैराथन दौड़ा। मैंने पहली मैराथन 2012 में दौड़ी थी। इन 12 सालों में जबकि मेरी उम्र 44 वर्ष से 56 वर्ष पहुंच गई, मैराथन दौड़ने के समय में लगभग एक घंटे की कमी आई है। पहली मैराथन मैंने 4 घंटे 55 मिनट में पूरी की थी जबकि इस मैराथन में मैंने अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ समय निकालते हुए इसे 3 घंटे 57 मिनट में पूरा किया। रनिंग के इस परफॉर्मेंस की तुलना करने पर हम सहज ही स्वीकार कर सकते हैं कि उम्र महज एक नंबर है बशर्ते कि हम जीवन को हेल्दी बनाने वाली दिनचर्या को अपनाएं, जीवन और शरीर के विज्ञान को समझें और अपने जीवन की प्राथमिकताओं को थोड़ा संतुलित बनाएं। प्रकृति के तीन गुण हैं जो हर चीज में मिलते हैं – तमस, रजस और सत्व। तमस जड़ता और स्थिरता लेकर आता है। रजस गति और चंचलता लेकर आता है। तमस और रजस के संतुलन से हमें सत्व की प्राप्ति होती है, जिसे कि आदर्श स्थिति मान सकते हैं। जिस तरह कार में ब्रेक और एक्सीलेटर दोनों होते हैं। ब्रेक तमस है। वह रोकता है। एक्सीलेटर रजस है। वह गति बढ़ाता है। लेकिन ब्रेक लगाए रखने या एक्सीलेटर देते रहने से बात नहीं बनती। दोनों को संतुलन में इस्तेमाल करना पड़ता है। तब हम जिंदगी के सफर का आनंद ले पाते हैं। इसी तरह ही शरीर, मन और आत्मा हैं। जीवन का सही मायनों में विकास तभी संभव है जबकि हम तीनों स्तर पर ग्रो करें। शरीर के स्तर पर उसे मजबूत बनाना, लचीला बनाना बहुत जरूरी है। योगासन यही काम करता है। मन के स्तर पर ध्यान और प्राणायाम जरूरी है और आत्मा के स्तर पर परमात्मा के प्रति ग्रेटिट्यूड और प्रार्थना जरूरी है। योग में संतुलन को सबसे महत्वपूर्ण माना गया है। जो लोग तमस यानी जड़ता का शिकार हैं, आलस्य का शिकार हैं, वे एक ही जगह पर स्थिर रहते हैं। जिस शहर में जन्मे पूरा जीवन उसी में निकाल दिया। जैसी काया मिली उसी में जीवन काट दिया। जो लोग रजस का शिकार हैं वे पैसा कमाने के पीछे अंधाधुंध दौड़े जा रहे हैं। उन्हें शरीर का कोई होश नहीं, बच्चों, बीवी का होश नहीं, बस भाग रहे हैं। कुछ लोग राजनीति में भाग रहे हैं। ताबड़तोड़। दिनरात। जाने कौन-सी ट्रेन छूट रही। रुकने का नाम नहीं ले रहे। वे ऐसे भागते-भागते ही टेक ऑफ कर जाते हैं। इस बात को समझने की कोशिश करें कि जो योगी अध्यात्म की राह पर निकलते हैं, वे शरीर को भी साधते हैं क्योंकि रुग्ण शरीर में शक्तिशाली आत्मा कैसे रह सकती है। इसलिए वह श्री श्री रविशंकर हों या सद्गुरू जग्गी दोनों, सच्चे आध्यात्मिक गुरुओं को आप हमेशा शरीर से भी फिट पाएंगे। गीता में श्रीकृष्ण ने कहा है कि शरीर नश्वर है आत्मा अजर अमर। लेकिन अजर अमर आत्मा का घर शरीर ही है। शरीर जब बहुत रुग्ण हो जाता है, बूढ़ा जर्जर हो जाता है, तो आत्मा उसे छोड़ देती है। लेकिन सवाल यह है कि शरीर किस उम्र में जाकर जर्जर होता है। भारत में तो ऐसे योगियों की भी बात होती है जिनके बारे में कहा जाता है कि वे ढाई सौ साल तक जीवित रहे। आज भी बनारस के बाबा शिवानंद 126 की उम्र में भी किसी युवा की तरह बात करते, योग करते दिखते हैं। लेकिन दूसरी ओर राकेश झुनझुनवाला जैसे भी हैं जो पैसा कमाने के पीछे ही एूं भागते रहे कि शरीर की ओर देखा ही नहीं। जीवन को सही मायनों में सफल बनाना है, तो शरीर, मन और आत्मा के विकास में संतुलन बनाना सीखना ही होगा। एक उज्जवल, शक्तिशाली आत्मा आप तभी बनेंगे जबकि आप अपने मन और तन दोनों को उज्जवल और शक्तिशाली बनाएंगे।

देश दुनीया से

उल्लेखनीय रही अब तक की यात्रा, निचले तबके तक पहुंच रहा विकास

यह हमारे देश की उपलब्धि रही है कि हमारा लोकतंत्र न केवल बीते साढ़े सात दशकों में परिपक्व हुआ है, बल्कि समृद्ध भी हुआ है। जब हमने 1950 में अपने संविधान को अपनाया, तब दुनिया दूसरे विश्वयुद्ध और उपनिवेशवाद के परिणामों से निपट रही थी। उस समय देश गरीबी और औपनिवेशिक शोषण के गहरे घाव झेल रहा था। कई पर्यवेक्षक तो यहां तक कहते थे कि भारत में लोकतंत्र ज्यादा दिनों तक कायम नहीं रहेगा, लेकिन आज हमारा लोकतंत्र दुनिया का सबसे बड़ा और जीवंत लोकतंत्र है। सामाजिक-आर्थिक विकास और राजनीतिक शक्ति निचले तबके के 40 फीसदी लोगों सहित समाज के हर वर्ग में पहुंचा है। 1991 में हुए आर्थिक उदारीकरण के चलते आर्थिक विकास की गति तीव्र हुई है, जो वित्त वर्ष 1991 के 5.32 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 2024 में 296.57 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। यानी 33 वर्षों में 13 फीसदी की संचयी वार्षिक विकास दर! यह भारतीय इतिहास की एक अनूठी उपलब्धि है। इस दशक में आधारभूत ढांचे के विकास पर खर्च में भारी बढ़ोतरी, वित्तीय क्षेत्र में बचत एवं निवेश में वृद्धि, विनिर्माण एवं उत्पादन में वृद्धि और बहुत बड़ी आबादी का तकनीकी आधारित समावेश पहल विकास को गति दे रही है। भारत अब नॉमिनल जीडीपी के हिसाब से दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और अगले कुछ वर्षों में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का अनुमान है। हमारी उपलब्धियां जहां हमें अब तक की यात्रा के बारे में बताती हैं, वहीं कमियां आगे की चुनौतियों का पता देती हैं। हमारी सबसे बड़ी कमियों में से एक है न्याय की कमी, जो आबादी के एक बड़े हिस्से को देर से मिलता है। एक अनुमान के मुताबिक, ढाई लाख विचाराधीन कैदी जेलों में बंद हैं, जो अदालतों के फैसले का इंतजार कर रहे हैं और जिन आरोपों में वे जेल में बंद हैं, उनकी अधिकतम सजा का आधे से ज्यादा हिस्सा उन्होंने जेल में बिता दिया है। कई ऐसे भी मामले हैं, जिनमें निर्दोष लोग 15-20 वर्षों तक जेलों में बंद रहे और फिर सबूतों के अभाव में रिहा हो गए। न्याय प्रणाली द्वारा मुकदमा चलाने की धीमी गति के कारण भ्रष्ट राजनेता अपनी कपटपूर्ण गतिविधियों को जारी रखने में सक्षम हैं। ऐसे में न्याय क्षमता का निर्माण तेजी से होना चाहिए, खासकर निचली अदालतों में। भारत में प्रति दस लाख की आबादी पर मुश्किल से 21 जज हैं, जबकि 100 जज होने चाहिए। न्याय एक सभ्य समाज का आधार है, और भारत को तुरंत इस आधार का सशक्तीकरण सुनिश्चित करना चाहिए। समान नागरिक संहिता और इस तरह के अन्य कानून की कमी देश को धर्म और जाति में बांट रही है। 75 वर्षों से ज्यादा समय से आरक्षण यह सुनिश्चित करने का साधन रहा है कि सभी समूहों को समान अवसर मिले। हालांकि आरक्षण ने निश्चित रूप से बहिष्कृत समाजों की भागीदारी और समावेशन बढ़ाने का काम किया है, लेकिन निर्विवाद रूप से क्रीमी लेयर का उदय आरक्षण के लाभों पर हावी है। इसके अलावा, समान नागरिक संहिता का न होना, निश्चित रूप से समाज के कुछ समूहों पर अन्यायपूर्ण प्रभाव डाल रहा है, जैसे मुस्लिम महिलाएं, जो आबादी का आठ प्रतिशत हैं। संविधान में अंतर्निहित समानता के वादे में पूर्ण लैंगिक समानता भी शामिल होनी चाहिए। हिंदू महिलाओं को अपने पुरुष समकक्षों की तरह अधिकांश अधिकार प्राप्त हैं, जबकि अलग धार्मिक कानून की वजह से मुस्लिम महिलाओं को वह लाभ नहीं मिलता, जिसका फायदा अनुचित रूप से मुस्लिम पुरुष उठाते हैं। समान नागरिक संहिता, जो लिंग, धर्म और जाति की परवाह किए बिना सभी नागरिकों से समान व्यवहार करे, इस वक्त की जरूरत है। पुलिस सुधार भी एक और तात्कालिक जरूरत है। ऐसा लगता है कि पुलिस बल अब भी अपने औपनिवेशिक साम्राज्यवादी मूल्यों से मजबूती से जुड़े हुए हैं। पुलिस बर्बरता के कई मामले सामने आए हैं, मसलन, शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वालों पर लाठीचार्ज या जेलों में विचाराधीन कैदियों की पिटाई। पुलिस सुधार, जो अनिवार्य रूप से नागरिकों की सुरक्षा और कानून के राज पर केंद्रित है, बेहद महत्वपूर्ण विषय है, और ऐसा करने पर समाज में पुलिस का सम्मान बढ़ेगा और यह हमारे समृद्ध लोकतंत्र के लिए महत्वपूर्ण होगा। वित्तीय क्षेत्र में मजबूत पूंजीकरण के साथ बैंकिंग प्रणाली अच्छी स्थिति में है और शेयर बाजार में खुदरा भागीदारी बढ़ रही है। प्रति व्यक्ति आय निरंतर बढ़ रही है और नागरिक आर्थिक विकास के कई नए रास्ते तलाश रहे हैं, लेकिन कर चोरी एवं इससे जुड़े विवाद भी बढ़ रहे हैं। कर विवादों की मात्रा वर्ष 2014 के 4.5 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर वर्ष 2023 में 12 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गई है।

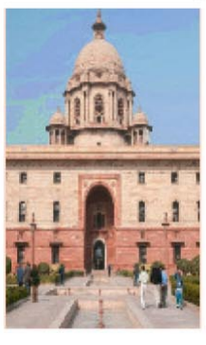

भारत में लोकतंत्र ज्यादा दिनों तक कायम नहीं रहेगा, लेकिन आज हमारा लोकतंत्र दुनिया का सबसे बड़ा और जीवंत लोकतंत्र है। सामाजिक-आर्थिक विकास और राजनीतिक शक्ति निचले तबके के 40 फीसदी लोगों सहित समाज के हर वर्ग में पहुंचा है। 1991 में हुए आर्थिक उदारीकरण के चलते आर्थिक विकास की गति तीव्र हुई है, जो वित्त वर्ष 1991 के 5 .32 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 2024 में 296 .57 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। यानी 33 वर्षों में 13 फीसदी की संचयी वार्षिक विकास दर! यह भारतीय इतिहास की एक अनूठी उपलब्धि है।

आप का नजरीया

भारत रत्न के मायने

हाल के वर्षों में यह विषय चर्चा में रहा है कि भाजपा के उभार में निर्णायक भूमिका निभाने वाले लालकृष्ण आडवाणी पार्टी के स्वर्णिम काल में किस भूमिका में हैं। यानी मार्गदर्शक मंडल के रूप में उनकी भूमिका क्या है। एक समय था जब भाजपा का नाम लिया जाता था तो पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी के नाम सामने आते थे। ऐसी ही चर्चा पिछले दिनों अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के दौरान उनकी अनुपस्थिति को लेकर होती रही। लेकिन केंद्र सरकार ने बीते शनिवार को पहले जनसंघ और बाद में भाजपा के सूत्रधार रहे लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न सम्मान देकर ऐसे तमाम सवालों पर विराम लगाने का प्रयास किया। राम मंदिर आंदोलन के अगुवा रहे और सोमनाथ यात्रा के जरिये मंदिर आंदोलन में उफान लाने वाले आडवाणी को सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिए जाने से पार्टी व आनुषंगिक संगठनों के वे पुराने लोग उत्साहित हैं, जिन्होंने पार्टी के दो सांसदों से लेकर पूर्ण बहुमत वाली भाजपा सरकार का दौर देखा है। कुछ दिन पूर्व ही बिहार में सोशल इंजीनियरिंग के सूत्रधार व बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर को मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित किया था। अब तक भाजपा अपने एक दशक के कार्यकाल में सात लोगों को भारत रत्न देने की घोषणा कर चुकी है। अभी तक दि

झारखंड : चंपाई सोरेन की सरकार ने जीता विश्वास मत, पक्ष में 47, विपक्ष को मिले मत 29

रांची (हिंस)। झारखंड विधानसभा के विशेष सत्र के पहले दिन सोमवार को चंपाई सोरेन की नेतृत्व वाली झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो), कांग्रेस, राजद गठबंधन की सरकार ने सोमवार को विश्वास मत हासिल कर लिया। विश्वास प्रस्ताव पर हुए मतदान में चंपाई सोरेन सरकार को 47 मत मिले, जबकि विपक्ष में 29 वोट पड़े। जमशेदपुर पूर्वी के निर्दलीय विधायक सरयू राय ने मतदान से दूरी बना ली। सत्ता पक्ष के एक विधायक रामदास सोरेन बीमार होने की वजह से सदन की कार्यवाही में शामिल नहीं हुए। विधायक इंद्रजीत महतो बीमारी की वजह से वोट देने के लिए उपस्थित नहीं हो सके। निर्दलीय विधायक अमित महतो अनुपस्थित रहे। कमलेश सिंह ने विपक्ष के समर्थन में वोट किया। विधानसभा अध्यक्ष रबींद्रनाथ महतो ने विधानसभा की कार्यवाही मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन के अभिभाषण के बाद कुछ देर सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गयी। फिर से सदन की कार्यवाही विधानसभा के

अध्यक्ष रबींद्रनाथ महतो की अध्यक्षता में शुरू हुई। फ्लोर टेस्ट की प्रक्रिया को शुरू करने के लिए मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने सरकार बनाने का अपना दाना पेश किया, जिसके बाद विस अध्यक्ष ने पक्ष और विपक्ष को अपनी बात रखने का मौका दिया। दोनों तरफ की बहस सुनने के बाद फ्लोर टेस्ट हुआ, जिसमें सत्ता पक्ष को 47 तो विपक्ष को 29 वोट मिले। वोटों की गिनती के लिए विधानसभा अध्यक्ष ने पहले सत्ता पक्ष को हां कहते हुए अपनी जगह पर खड़े होने को कहा। विपक्ष के लिए भी यही तरीका अपनाया गया। विधानसभा कर्मियों ने दोनों पक्षों की उपस्थितियों की गिनती की, जिसके बाद सत्ता पक्ष फ्लोर टेस्ट में पास हो गया। अब सारी राजनीतिक गतिविधियों पर विराम लग गया। चंपाई सोरेन अब पूर्ण रूप से सरकार को चलाएंगे। सत्ता पक्ष- जेएमएम-28, कांग्रेस-17 (प्रदीप यादव को लेकर), राजद-01, माले-01 विपक्ष- भाजपा- 25 (बाबूलाल को लेकर), आजसू-03, एनसीपी-01 (कमलेश सिंह) ईडी की कस्टडी में पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ईडी कार्यालय से विधानसभा पहुंचे। विधानसभा पहुंचते ही ईडी की टीम गेट नंबर एक पर रुक गई। वहां से हेमंत सोरेन विधानसभा के सुरक्षाकर्मियों की सुरक्षा में विधानसभा में दाखिल हुए। वो पहले की तरह नेता सदन की कुर्सी पर नहीं बैठे। उन्हें सत्ता पक्ष की तरफ वाली आगे की कतार में बैठने की जगह मिली। अपने कुछ साथियों से उन्होंने बात भी की। लेकिन कोर्ट की मनाही की वजह से उन्होंने मीडिया में किसी तरह का कोई बयान नहीं दिया। बहुमत साबित करने के बाद मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन सात फरवरी को अपना मंत्रिमंडल का विस्तार करेंगे। इस दिन मंत्रियों का शपथ ग्रहण कराए जाने की संभावना है। सरकार का विश्वास मत हासिल करने के बाद सदन की कार्यवाही खत्म होने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन को दूसरी तरफ ले जाकर बैठ गए और लंबी मंत्रणा की। अपने पॉकेट से एक कागज निकालकर चंपाई सोरेन को सौंपा और करीब 20 से 25 मिनट तक बातचीत की। ऐसा माना जा रहा है कि हेमंत सोरेन ने मंत्रिमंडल का खाका और विभागों के बंटवारे की सूची चंपाई सोरेन को सौंप दिया है। जानकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री चंपई सोरेन सात फरवरी को अपने बाकी बचे मंत्रियों का शपथ ग्रहण कराएंगे और मंत्री परिषद का विस्तार करेंगे। उसी दिन देर शाम तक मंत्रालय का भी बंटवारा कर दिए जाने की संभावना है। जानकारी के अनुसार चार वर्षों से रिक्त पद 12वां बर्थ भी इस बार भरा जाएगा। राजद को छोड़ दिया जाए तो जेएमएम और कांग्रेस में काफी बदलाव देखने को मिल सकता है। सोरेन परिवार की सीता सोरेन और बसंत सोरेन दोनों को मंत्रिमंडल में एडजस्ट किया जा सकता है। वहीं और भी कुछ चेहरे बदल सकते हैं। वहीं कांग्रेस की तरफ से भी कई नाम सामने आ रहे हैं। इसमें प्रदीप यादव, दीपिका पांडे और जयमंगल उर्फ अनुप सिंह का नाम चल रहा है।

बिहार के 94 लाख गरीब परिवारों को स्वरोजगार के लिए मिलेगा दो लाख : सीएम

पटना (हिंस)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को बिहार लघु उद्यमी योजना का शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि राज्य के 94 लाख गरीब परिवारों को दो-दो लख रुपये सहायता राशि स्वरोजगार के लिए दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमलोगों ने जाति आधारित गणना करवाई ताकि जाति के साथ-साथ हर किसी की आर्थिक स्थिति का भी पता चल सके। सर्वेक्षण के दौरान पता चला कि 94 लाख से अधिक गरीब परिवार हैं जिनको आर्थिक मदद की जरूरत है। हमलोग ऐसे सभी परिवार के लाभुकों को 2-2 लाख रुपया सहायता राशि देंगे ताकि वे लघु उद्यमी योजना के अंतर्गत अपना व्यवसाय शुरू कर सकें। इसकी ट्रेनिंग भी अलग से दी जाएगी। सीएम ने कहा कि आर्थिक रूप से गरीब परिवारों को स्व-रोजगार हेतु आर्थिक सहायता प्रदान करने हेतु *बिहार लघु उद्यमी योजना* लागू की गई है। योजना के अन्तर्गत राज्य के आर्थिक रूप से गरीब सभी परिवारों को लाभान्वित किए जाने का लक्ष्य है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी जिलाधिकारी इस कार्यक्रम से जुड़े हुए हैं मैं उनसे कहना चाहता हूं कि कि इस योजना के अलावे अगर कोई अपना रोजगार करना चाहता है तो उनकी भी पूरी मदद करें। हम आप लोगों से अनुरोध करेंगे कि हर जाति, धर्म के लोगों के बीच इस योजना को प्रचारित-प्रसारित करें ताकि अधिक से अधिक लोग इस योजना का लाभ उठा सकें। इस योजना के क्रियान्वयन में जितना पैसा लगेगा सरकार खर्च करेगी। हमलोग अगले 5 वर्ष के लिए पहला टर्म शुरू कर रहे हैं। इस योजना के बेहतर ढंग से कार्यान्वयन के लिए आप लोग ठीक से कार्य करें। हम यही चाहते हैं कि सभी को मदद मिल जाए ताकि उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार हो सके। उल्लेखनीय है कि बिहार लघु उद्यमी योजना की शुरुआत *हर घर उद्यमी, हर घर रोजगार, ऊंची उड़ान के लिए बिहार है तैयार* थीम के साथ की गई है। आर्थिक रूप से गरीब परिवारों को स्वरोजगार के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करने एवं राज्य में बेरोजगारी दर में कमी लाये जाने के उद्देश्य से बिहार लघु उद्यमी योजना लागू की गई है। जाति आधारित गणना के दौरान 94 लाख से अधिक गरीब परिवार पाए गए।

जाट समाज ने किया सात फरवरी को रेलवे ट्रैक जाम करने का एलान, जयचौली में महापड़ाव जारी

भरतपुर (हिंस)। भरतपुर के उच्चैन तहसील के जयचौली गांव में जाट समाज का महापड़ाव 20वें दिन सोमवार को भी जारी है। जाट समाज ने सात फरवरी को दोपहर 12 बजे दिल्ली-मुंबई रेलवे ट्रैक जाम करने की घोषणा की है। अभी तक जयचौली में बैठे जाट समाज के प्रतिनिधियों के पास केंद्र से वार्ता के लिए कोई बुलावा नहीं आया है। इसके बाद अब जाट समाज ने रेलवे ट्रैक जाम करने का निर्णय किया है। जाट समाज की ओर से केंद्र की ओबीसी में आरक्षण की मांग को लेकर 17 जनवरी से महापड़ाव शुरू किया गया था। सीएम भजन लाल शर्मा ने जाट समाज की 11 सदस्य कमेटी को वार्ता के लिए जयपुर बुलाया था। सीएम से पहले सरकार द्वारा बनाई गई समिति में शामिल दो विधायक और दो मंत्रियों से 11 सदस्य कमेटी की वार्ता होनी थी। जाट समाज की 11 सदस्य कमेटी की चार सदस्य कमेटी से तो वार्ता हो गई, लेकिन 11 सदस्य कमेटी की सीएम से वार्ता नहीं हो पाई थी। तब से जाट समाज बुलावे का इंतजार कर रहा है। चार फरवरी को जाट समाज ने केंद्र सरकार को चेतावनी देने के बाद अनशन शुरू कर दिया है।

फ्लोर टेस्ट के पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जाएंगे दिल्ली

पटना (हिंस)। फ्लोर टेस्ट के पहले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 7 फरवरी को दिल्ली जाएंगे। नीतीश कुमार दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे। नीतीश दो दिन के लिए दिल्ली दौरे पर जाएंगे, जहां वह प्रधानमंत्री मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात करेंगे। मंत्रिमंडल के विस्तार और फ्लोर टेस्ट के पहले यह मुलाकात अहम मानी जा रही है। इससे पूर्व उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा प्रधानमंत्री सहित भाजपा के आलाकमान से मुलाकात कर चुके हैं। 12 फरवरी को विधानसभा में बिहार की नई एनडीए सरकार का फ्लोर टेस्ट होना है। इस दिन नीतीश सरकार विधानसभा में अपना बहुमत साबित करेगी।

सपा सुप्रीमो अखिलेश ने बजट पर भाजपा को घेरा, बोले-पीडीए के लिए उसमें क्या है

लखनऊ (हिंस)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने बजट से पहले ही भाजपा सरकार घेरा और कई सवाल पूछे हैं। उन्होंने सोमवार को *एक्स* के जरिए योगी सरकार से सवाल किया है कि उत्तर प्रदेश का बजट चाहे सात लाख करोड़ का हो या आठ लाख करोड़ काज्सवाल यही रहेगा कि 90 प्रतिशत जनता के लिए मतलब *पीडीए* के लिए उसमें क्या है? उन्होंने कहा कि भाजपा की नीति आम जनता विरोधी है, वह 10 प्रतिशत संपन्न लोगों के लिए 90 प्रतिशत बजट रखती है और 90 प्रतिशत जरूरतमंद जनता के लिए केवल नाममात्र का 10 प्रतिशत बजट। साथ ही क्षतिग्रस्त सड़क की फोटो पोस्ट कर लिखा है कि ऐसी सड़क कैसे चले बेधड़क। उन्होंने कहा है कि उप्र की भाजपा सरकार आंकड़ों में न उलझाए, सीधी बात ये बताए कि इस बजट से महंगाई से कितनी राहत मिलेगी। कितने युवाओं को रोजगार मिलेगा, सही में अपराध और

भ्रष्टाचार कम करने के उपायों पर कितना खर्च किया जाएगा। मंदी और जीएसटी की मार झेल रहे काम-कारोबार और दुकानदारी को बढ़ावा देने के लिए क्या प्रावधान है। उन्होंने पूछा है कि इस बजट में किसान की बोरी की चोरी रुकेगी या नहीं, फसल का सही दाम व किसानों की आय दुगुनी होगी या नहीं,मजदूर-श्रमिक को मेहनत की सही कीमत मिलेगी या नहीं, महिलाओं को बेखौफ घर से निकलने की आजादी देने के लिए अपराधियों पर नियंत्रण के लिए जगह-जगह सीसीटीवी लगेंगे या नहीं, कर्मचारियों को पुरानी पेंशन मिलेगी या नहीं, अच्छी दवाई, पढ़ाई लिए कितना आबंटन है, पानी घर पहुंचाने और शौचालयों को सुचारू रूप से चलाने की योजना के लिए दिखावटी प्रावधान कितना है, और हां गोरखपुर में बरसात में नाव चलाने व गोरखपुरवासियों को तैरने का मुफ्त प्रशिक्षण देने के लिए कितना प्रावधान किया गया है। इसके अलावा नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने पूछा है कि बिजली के नए प्लांटों के लिए कितना बजट है, नई सड़कें तो छोड़िए, बस इतना और बता दें कि सड़कों के गड्ढे भरने का बजट में कोई प्रावधान है या नहीं? झूठे दावों के दिखावटी प्रचार के लिए आपकी भाजपा सरकार ने कितना प्रावधान किया है कृपया इसकी मोटी फाइल अलग से जनता के सामने रखें।

देश के हर जिले में होगा इतिहास संकलन समिति का गठन : बोहरा

उदयपुर (हिंस)। इतिहास संकलन समिति देश के हर जिले में समिति का गठन करेगी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के शताब्दी वर्ष 2025 से पूर्व इस कार्य को संपन्न करने का संकल्प लिया गया है। इसके साथ ही समिति में आजीवन सदस्यों की संख्या बढ़ाने तथा देश भर में अधिक से अधिक महाविद्यालयों-विश्वविद्यालयों को इतिहास संकलन योजना से संबद्ध करने का भी निर्णय किया गया है। यह जानकारी इतिहास संकलन समिति राजस्थान क्षेत्र के संगठन सचिव छगनलाल बोहरा ने सोमवार को दी। बोहरा ने 4 फरवरी को जयपुर में हुई राजस्थान क्षेत्र की बैठक से लौटकर बताया कि इस बैठक में राजस्थान के सभी 33 जिलों में आगामी तीन माह में इतिहास संकलन समिति की जिला

इकाई के गठन का निर्णय किया गया। जहां इकाई मौजूद है उसे सशक्त करने, जहां निष्क्रिय है उसे सक्रिय करने और जहां नहीं हैं, वहां नए कार्यकर्ताओं की टोली बनाकर इकाई का गठन करने का कार्य किया जाएगा। वर्ष में एक बार इतिहास दिवस मनाने, हर माह विषय निर्धारण कर मासिक गोष्ठी करने, हर जिले में एक वर्ष में एक शोध पुस्तक के प्रकाशन, हर जिले में कम से कम 50 आजीवन सदस्य बनाने और युवा इतिहासविदों को जोड़ने का लक्ष्य भी तय किया गया। बोहरा ने बताया कि क्षेत्रीय बैठक में उपस्थित इतिहास संकलन योजना के राष्ट्रीय संगठन सचिव बालमुकुंद पांडे ने आह्वान किया कि जनमानस तक भारतीय दृष्टिकोण से लिखा गया इतिहास पहुंचाने के लिए देश के इतिहासकारों को परिश्रम करना होगा। यूरोप की दृष्टि के इतिहासकारों का लिखा इतिहास पढ़ेंगे तो उसमें भगतसिंह आतंकवादी नजर आएंगे, जबकि भारतीय दृष्टिकोण में भगतसिंह भारत माता की स्वाधीनता के लिए बलिदान हुए क्रांतिवीर हैं। उन्होंने कहा कि धर्म-संस्कृति से लेकर भौगोलिक-राजनीतिक इतिहास में यूरोपीय दृष्टि ने हमारे गौरवपूर्ण व वैज्ञानिक तर्कपूर्ण तथ्यों को दबा दिया। इस विदेशी दृष्टिकोण से इतिहास को पढ़ने-पढ़ाने वालों को भारतीय दृष्टिकोण के इतिहास से परिचित कराने के लिए इतिहास संकलन समिति से जुड़े प्रत्येक इतिहासविद, प्रत्येक युवा को तथ्यपरक कठोर परिश्रम करना होगा। शोधकार्यों में प्रामाणिकता, मौलिकता को बढ़ावा देना होगा। पुस्तक लिखते समय भारतीय चैतन्यता को ध्यान में रखना होगा। भारत में अब तक आक्रमणकारियों का इतिहास बढ़ाया जाता रहा है और इससे पूर्व और पश्चात के गौरव, वैभव, संघर्ष और प्रतिरोध का इतिहास नहीं बढ़ाया गया है। बैठक में राष्ट्रीय सचिव हेमंत धींग मजूमदार ने कहा कि भारतीय इतिहास के गौरवशाली तथ्यों को आमजन तक भी पहुंचाने की आवश्यकता है। आमजन के बीच भारत के ऐतिहासिक तथ्यों को लेकर अब तक पनपे असमंजस को दूर करने के लिए प्रिंट, डिजिटल सहित विभिन्न माध्यमों का उपयोग कर जानकारी प्रसारित करनी होगी। उन्होंने कहा कि भारतीय वेद-उपनिषद-पुराण भारत के इतिहास के मुख्य स्रोत हैं, लेकिन वे संस्कृत में हैं।

राजस्थान में भारत-सऊदी अरब संयुक्त सैन्य अभ्यास *सदा तनसीक* 10 फरवरी तक

जयपुर (हिंस)। राजस्थान के महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में 29 जनवरी से शुरू हुआ भारत-सऊदी अरब संयुक्त सैन्य अभ्यास *सदा तनसीक* 10 फरवरी तक चलेगा। दोनों सेनाओं ने अब तक एक-दूसरे से आठ दिनों का प्रशिक्षण लिया है, जिसमें रणनीति, अभ्यास, सर्वोत्तम प्रथाओं पर जानकारी का आदान-प्रदान हुआ है। जन संपर्क अधिकारी (रक्षा) कर्नल अमिताभ शर्मा ने बताया कि रॉयल सऊदी लैंड फोर्स और भारतीय सेना की संयुक्त टुकड़ियों ने हथियार और उपकरण संचालन, निशानेबाजी, टीम एकीकरण, शारीरिक फिटनेस और संयुक्त राष्ट्र नियमों की बारीकियों को समझने पर केंद्रित प्रशिक्षण भी लिया है। अगले कुछ दिनों में टुकड़ियां युद्ध कौशल के अगले चरण में पहुंच जाएंगी, जिसमें रिफ्लेक्स शूटिंग और संयुक्त आतंकवाद विरोधी अभियानों को अंजाम देना शामिल है। उन्होंने बताया कि यह अभ्यास दोनों टुकड़ियों को आपसी तालमेल को मजबूत करने का अवसर प्रदान करता है और साझा सुरक्षा उद्देश्यों को प्राप्त करने, रक्षा सहयोग के स्तर को बढ़ाने और दोनों मित्र राष्ट्रों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगा।

हिट एंड रन संशोधन बिल के विरोध में चालकों ने किया प्रदर्शन

जींद (हिंस)। सोमवार को हिट एंड रन संशोधन बिल के विरोध में ऑल ड्राइवर कल्याण संघ के आह्वान पर चालकों ने शहर में प्रदर्शन किया। बाद में चालकों ने नायब तहसीलदार को मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन से पहले ऑल ड्राइवर कल्याण संघ के आह्वान पर चालक नेहरू पार्क में एकत्रित हुए और रोष सभा की। यहां चालकों को संबोधित करे हुए जिला प्रधान नरेंद्र बुआना, रमेश चंद्र, महावीर पेगां,सीटू जिला सचिव कपूर सिंह, नरेंद्र खर्ब, प्रदीप शर्मा, सुभाष ने कहा कि ने कहा कि 26 दिसंबर को लोकसभा में हिट एंड रन संशोधन बिल पास किया गया। इसके लागू होने से देश और प्रदेश भर का चालक वर्ग बर्बाद हो जाएगा। इसके विरोध में चालकों की एक जनवरी से हड़ताल चल रही है।

पेपरलेस बजट नए उत्तर प्रदेश में रामराज्य की आधारशिला बनेगा : योगी

लखनऊ (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पेपरलेस बजट नए उत्तर प्रदेश में रामराज्य की आधारशिला बनेगा। दरअसल, उत्तर प्रदेश के बजट 2024-25 के सदन में प्रस्तुत होने के पूर्व सोमवार को सुबह वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की भेंट हुई। इसके बाद मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा- आज सदन में उनके द्वारा प्रस्तुत किया जाने वाला पेपरलेस बजट नए उत्तर प्रदेश में रामराज्य की आधारशिला बनेगा। जय श्रीराम! वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि वर्ष 2024-25 योगी सरकार का बजट राज्य के लोगों के लिए समृद्धि लाएगा। यह विकास को गति देगा और वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को हासिल करने के लिए आगे बढ़ेगा। हम चुनाव के लिए हमेशा तैयार हैं। हर क्षेत्र की जरूरतों के हिसाब से उसका ख्याल रखा गया है। इससे पहले वित्त मंत्री ने लखनऊ में अपने आवास पर पूजा-अर्चना की। इसके बाद सोशल मीडिया एक्स पर लिखा- सर्वे भवन्तु सुखिन: सर्वे सन्तु निरामया। सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चित् दु:खभाग् भवेत्। । वर्ष 2024-25 के बजट प्रस्तुति के पूर्व आराध्य से सभी के मंगल की कामना की।

डोगरी संस्था जम्मू ने ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय डोगरी कवि गोष्ठी का किया आयोजन

जम्मू (हिंस)। डोगरी संस्था जम्मू ने सोमवार को ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय डोगरी कवि गोष्ठी का आयोजन किया जिसमें जम्मू, दिल्ली, कुवैत और संयुक्त राज्य अमेरिका के दस कवियों ने भाग लिया। गोष्ठी की अध्यक्षता डोगरी संस्था जम्मू के अध्यक्ष प्रो. ललित मगोत्रा ने की। कवि गोष्ठी में भाग लेने वाले कवियों में संयुक्त राज्य अमेरिका से प्रो. शशि पाधा, प्रो. शशि पठानिया, कुवैत से डॉ. अरविंद रैना, दिल्ली से विकास मंगोत्रा और सुशील बेगाना, प्रो. ललित मगोत्रा, उषा किरण किरण, राजेश्वर सिंह राजू, डॉ. चंचल भसीन, पवन वर्मा एवं युवा कवि पंकज शर्मा एवं तरूण चाढक शामिल थे। समारोह की अध्यक्षता करते हुए प्रो. ललित मगोत्रा ने कहा कि यह नए साल की ऑनलाइन गतिविधियों की बहुत अच्छी शुरुआत है कि डोगरी संस्था जम्मू द्वारा एक अंतर्राष्ट्रीय डोगरी कवि गोष्ठी का आयोजन किया गया है ताकि विदेशों से भी डोगरी लेखक साहित्यिक गतिविधियों का हिस्सा बनें। उन्होंने कहा कि डोगरी संस्था मातृभाषा डोगरी के लिए मिशन मोड में काम कर रही है और उभरते लेखकों को मंच प्रदान कर रही है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों की उनकी विचारोत्तेजक कविताओं के लिए सराहना की।

प्रांतीय प्रधानाचार्य सम्मेलन प्रारंभ

भागलपुर (हिंस)। भारती शिक्षा समिति एवं शिशु शिक्षा प्रबंध समिति दक्षिण बिहार पटना के तत्वावधान में आयोजित प्रांतीय प्रधानाचार्य सम्मेलन पूरनमल बाजोरिया शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय नरगा कोठी में सोमवार को प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम का प्रारंभ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ उत्तर पूर्व क्षेत्र के क्षेत्रीय बौद्धिक प्रमुख राणा प्रताप सिंह, भारती शिक्षा समिति के प्रदेश सचिव प्रदीप कुमार कुशवाहा, महाविद्यालय के अध्यक्ष नंदकुमार इंदु, महाविद्यालय के सचिव अमिताभ चक्रवर्ती, पूर्णकालिक उमाशंकर पोद्दार और प्राचार्य राजकुमार ठाकुर ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। राणा प्रताप सिंह ने कहा कि यह कार्यक्रम एक प्रकार का सिंहावलोकन है। वर्ष भर में क्या खोया क्या पाया इसका सिंहावलोकन कर एक लंबी छलांग लगाना है। इस अमृत कल में हमें अमृत पान करना है। संपूर्ण विश्व में हिंदू समाज ही ऐसा धर्म है जिन्होंने मर्यादाओं का पालनकर अपने गौरव को प्राप्त किया। 1925 से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रयास से हर क्षेत्र में कार्य प्रारंभ हुआ। प्रधानाचार्य हर ताला की चाभी हैं। हमें बहुत बड़े लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ाना है। भारत जाग रहा है, हिंदू जाग रहा है। संपूर्ण विश्व से हमें

हर प्रकार के आतंकवाद को समाप्त करने का प्रयास करना है। हिंदू सर्व समावेशी होता है। संपूर्ण ब्रह्मांड को अपना मानने वाला हिंदुत्व ही है। आने वाले समय में स्व का जागरण होना आवश्यक है। हमारा हस्ताक्षर हिंदी में ही होगा अंग्रेजी हमारा संस्कार नहीं हो सकता है। हमें बच्चों के बीच संस्कार मातृभाषा में दी जानी चाहिए। स्वभाषा पर गर्व करना है। प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए प्रदीप कुमार कुशवाहा ने कहा कि शिशु शिक्षा प्रबंध समिति बिहार का गठन 1977 में किया गया था। बिहार क्षेत्र का प्रथम विद्यालय 1954 में छपरा में दूसरा विद्यालय झारखंड रांची में और तीसरा विद्यालय बेकापुर मुंगेर में शुभारंभ किया गया था।

प्रकृति संरक्षण से आध्यात्मिक चेतना का विकास : शंकराचार्य अधोक्षजानंद

प्रयागराज (हिंस)। माघ मेला स्थित कैंप में पूर्वाम्नाय गोवर्धन मठ पुरी पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अधोक्षजानंद देवतीर्थ ने प्रकृति संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि यह एक पुण्य कार्य है। इससे व्यक्ति के भीतर आध्यात्मिक चेतना का विकास होता है। हर व्यक्ति को चाहिए कि वह प्रकृति के संरक्षण के लिए चिंतन करे तथा इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाऐ। शंकराचार्य माघ मेला क्षेत्र के ओल्ड जीटी रोड स्थित श्री आद्य शंकराचार्य धर्मोत्थान संसद शिविर में प्रकृति धर्म अध्यात्म मंथन शिविर में देश-विदेश से आये कार्यकर्ताओं को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस संगम भूमि पर अनादि काल से ऋषि-मुनि चिंतन करते रहे हैं। यह क्षेत्र तपस्थली है। यहां गोस्वामी तुलसीदास का महर्षि याज्ञवल्क्य एवं भारद्वाज के साथ गुप्त संवाद हुआ था। इसी का परिणाम हुआ कि रामचरित मानस जैसी महान रचना मानव

जाति के समक्ष आई। यह हमारे समाज का मार्ग दर्शक ग्रंथ है। उन्होंने कहा कि नदियों एवं प्रकृति के संरक्षण के लिए आप प्रकृति योद्धाओं ने संकल्प लिया है, यह महत्वपूर्ण है। आप लोग अवश्य अपने लक्ष्य को प्राप्त करेंगे। महाराजा हर्षवर्धन भी यहां कुंभ मेला पर आकर पूजा-अर्चना करते थे और अपना सर्वस्व दान देकर चले जाते थे। इससे उनका पराक्रम बड़ा और वे भारत के महान राजा बने। शंकराचार्य ने आगे कहा कि आज संसार को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए नदियों, पहाड़ों एवं पेड़ों को बचाने की जरूरत है। इसे विनष्ट होने से बचाना है। विधाता ने इसीलिए मनुष्य की रचना की। इसे हमें समझना होगा। आप प्रकृति योद्धाओं को मां गंगा, यमुना एवं सरस्वती ने इसी उद्देश्य से बुलाया है। उन्होंने कहा कि वे 2021 भारत यात्रा पर निकले थे। फिर यात्रा का विस्तार कर उन्होंने अखंड भारत यात्रा के दौरान सात देशों की यात्रा की। इस यात्रा के दौरान उन्होंने लोगों को प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर शंकराचार्य ने नेपाल सहित देश के विभिन्न राज्यों से डॉ. हर्ष प्रभा, विक्रम यादव, समीर अंसारी, नैपाल सिंह पाल, शनि कुमार, सुनील कुमार, अमित मकरंद, दिलीप कुमार, डॉ.अमित कुमार, ललिता देवी, तन्नू कुमारी, आरती कुमारी, कन्हैया, श्याम सुंदर गुप्ता, जगत सिंह, उमेश कुमार, मंटू कुमार, अमित कुमार चौधरी, ऋषिकेश कुमार, जीतेंद्र मिश्र, टोडरमल प्रसाद, शिवम कुमार, अशोक कुमार गुप्ता, सुमन गुप्ता, आलोक कुमार गुप्ता आदि को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में विशेष रूप से डॉ. धर्मेन्द्र उपस्थित थे। संचालन डॉ. ब्रजेंद्र प्रताप सिंह ने किया।

एसबीआई, बैंक ऑफ महाराष्ट्र के जमा में सबसे अधिक बढ़त, 10 सरकारी बैंकों में 10 फीसदी से कम वृद्धि दर्ज

नई दिल्ली ।
बैंक ऑफ महाराष्ट्र और एसबीआई दिसंबर तिमाही में जमा बढ़त के मामले में सरकारी बैंकों में शीर्ष पर रहे हैं। बाकी 10 बैंकों के जमा में 10 फीसदी से कम की वृद्धि रही है। बैंक ऑफ महाराष्ट्र का जमा 17.89 फीसदी और एसबीआई का जमा 12.84 फीसदी बढ़ा है। एसबीआई का कुल जमा 45.68 लाख करोड़ रुपये रहा है जो बैंक ऑफ महाराष्ट्र के 2.46 लाख करोड़ की तुलना में 18 गुना से ज्यादा है। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया का जमा 9.53 फीसदी और पंजाब नेशनल बैंक का जमा 9.10 फीसदी बढ़ा है।

बैंकों के जमा में बढ़ोतरी चालू-बचत खाते से आई है। बुरे फंसे कर्जों (एनपीए) में बैंक ऑफ महाराष्ट्र का शुद्ध एनपीए 0.22 प्रतिशत और इंडियन बैंक का 0.53 प्रतिशत रहा है, जो सबसे कम है। चालू वित्त वर्ष के नौ महीनों में 12 सरकारी बैंकों का शुद्ध लाभ 98,355 करोड़ रहा है। एक साल पहले समान तिमाही में यह 104,649 करोड़ था। पीएनबी के फायदे में सबसे अधिक 253 प्रतिशत की बढ़त जबकि बैंक ऑफ इंडिया के लाभ में 62 प्रतिशत की तेजी थी। यूनियन बैंक का मुनाफा 60 फीसदी बढ़ा है। एसबीआई, यूको और पंजाब एंड सिंध बैंक के मुनाफे में 69 प्रतिशत तक की गिरावट आई है।

वेतन-पेंशन वृद्धि से 26 हजार करोड़ घटेगा लाभः एसबीआई - एसबीआई ने कहा, वेतन व पेंशन में वृद्धि से मार्च तक उसके मुनाफे में 26,000 करोड़ की कमी आएगी। इस बढ़त से ही दिसंबर तिमाही में उसका फायदा 35 फीसदी घटकर 9,164 करोड़ रह गया। एक साल पहले यह 14,205 करोड़ था।

बैंक के चेयरमैन दिनेश कुमार खारा ने कहा, कर्मचारी यूनियनों के साथ समझौते में 17 फीसदी वेतन बढ़ोतरी का फैसला हुआ था। यह नवंबर से लागू है। इससे वेतन व पेंशन के लिए तिमाही में 7,100 करोड़ का अतिरिक्त प्रावधान करना पड़ा। इसमें से 5,400 करोड़ पेंशन के लिए हैं। 2022 से कुछ कर्मचारियों को 40 फीसदी और कुछ को उनके अंतिम वेतन का 50 फीसदी पेंशन के रूप में मिल रहा था। तब से मामला अदालत में था जो अब निपट गया है।

न्यूज ब्रीफ

2024 के पहले महीने में सर्विस सेक्टर में आई तेजी ,6 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंची पीएमआई

नई दिल्ली। एक मासिक सर्वेक्षण के अनुसार जनवरी 2024 में भारत में सर्विस सेक्टर में तेजी देखने को मिली है। यह छह महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। घरेलू और बाहरी ग्राहकों की भारी मांग के बीच नए कारोबार में तेज गति से विस्तार हुआ। एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज पीएमआई बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स जनवरी में बढ़कर 61.8 हो गया, जो दिसंबर में 59 था। यह छह महीने में विस्तार की सबसे तेज दर की ओर इशारा करता है। परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर का मतलब विस्तार है जबकि 50 से नीचे का स्कोर संकुचन को दर्शाता है। इस सर्वेक्षण में लगभग 400 सर्विस सेक्टर की कंपनियों के पैनल को भेजे गए प्रश्नावली के जवाबों से संकलित किया गया है। निर्यात बिक्री में दिखी तेजी नई निर्यात बिक्री तीन महीनों में सबसे तेज़ गति से बढ़ी। इससे अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, चीन, यूरोप, संयुक्त अरब अमीरात और अमेरिका सहित दुनिया भर में ग्राहकों को मुनाफा होने की संभावना है। कंपनियों ने 2024 कैलेंडर वर्ष की शुरुआत में अपने कुल खर्चों में और वृद्धि देखी। इसमें भोजन, श्रम और माल ढुलाई को लागत दबाव के प्रमुख स्रोतों के रूप में पहचाना गया। सर्वे के मुताबिक कारोबारी भरोसा और मजबूत हुआ है। मांग की मजबूती के अलावा, कंपनियों को उम्मीद है कि आने वाले वर्ष में निवेश और उत्पादकता में बढ़ोतरी से उत्पादन में बढ़ोतरी होगी।

सोना और चांदी के भाव में गिरावट, सोने का वायदा भाव 62,450 और चांदी लगभग 70,900 रुपये

नई दिल्ली । इस सप्ताह के पहले दिन सोने और चांदी के वायदा भाव में सुस्ती देखी जा रही है। दोनों के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 62,450 रुपये और चांदी के 70,900 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। वैश्विक बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। लेकिन बाद में इनकी कीमतों में गिरावट देखी जाने लगी सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कान्ट्रेक्ट 69 रुपये की गिरावट के साथ 62,493 रुपये के भाव पर खुला और यह 119 रुपये की गिरावट के साथ 62,443 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत सुस्ती के साथ हुई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रेक्ट 432 रुपये की गिरावट के साथ 70,776 रुपये के भाव पर खुला और यह 279 रुपये की गिरावट के साथ 70,929 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में कॉमेक्स पर सोना 2,057.89 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,053.70 डॉलर था। फिलहाल यह 6.30 डॉलर की गिरावट के साथ 2,047.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

विधानसभा चुनाव में बढ़ा धन-बल का प्रभाव, पिछले साल आयकर विभाग ने जब्त किए 1760 करोड़ रुपये

नई दिल्ली । सीबीडीटी के चेयरमैन नितिन गुप्ता ने कहा है कि विधानसभा चुनाव के दौरान जब्त होने वाली नकदी की मात्रा हर चुनाव में बढ़ती जा रही है। टैक्स विभाग इन मामलों की जांच कर रहा है। नितिन गुप्ता ने कहा अगर हम विधानसभा चुनाव की बात करें तो चुनाव के दौरान जब्त होने वाली नकदी में खासा इजाफा हुआ है। पांच साल पहले चुनाव के दौरान जितनी नकदी जमा की गई थी, अब वहां चुनाव में कई गुना ज्यादा नकद जब्त हुई है। 2023 के चुनाव में 1760 करोड़ रुपये जब्त हुए चुनाव आयोग ने भी बीते साल नवंबर में अपने आधिकारिक बयान में बताया था कि पांच राज्यों मिजोरम, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और तेलंगाना में हुए चुनाव के दौरान जब्त की गई नकदी में भारी उछाल आया है। चुनाव आयोग ने बताया था कि पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों के दौरान 1760 करोड़ रुपये से ज्यादा जब्त किए गए, जिनमें नकदी, आभूषण, नशीली दवाएं, शराब और कुछ अन्य सामान शामिल हैं। आयोग ने बताया कि साल 2018 में इन राज्यों में चुनाव के दौरान जो जब्ती की गई, अब उससे सात गुना ज्यादा नकदी जब्त की गई है।

मुकेश अंबानी दुनिया के दूसरे पावरफुल सीईओ

एलन मस्क और सुंदर पिचाई को पीछे छोड़ा ब्रांड गार्जियनशिप इंडेक्स 2024 जारी

नई दिल्ली।
रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर मुकेश अंबानी ने ब्रांड गार्जियनशिप इंडेक्स 2024 में लगातार दूसरे साल सेकेंड पोजिशन हासिल की है। उन्होंने माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला, गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई, एपल के टिम कुक और टेस्ला के एलन मस्क पीछे छोड़ा।

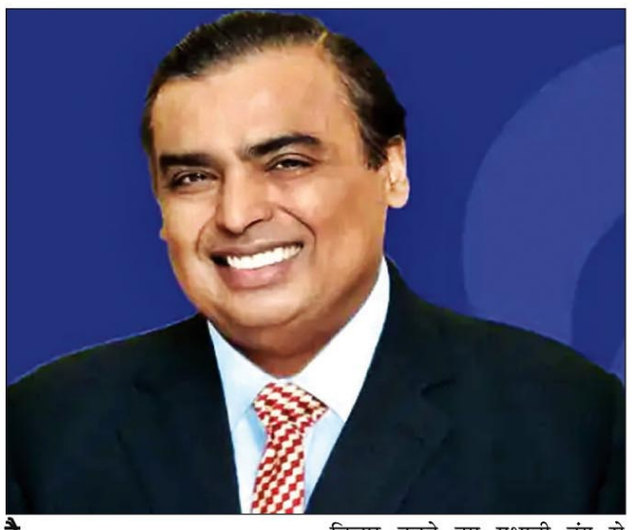

इसके साथ ही वे डायवर्सिफाइड ग्रुप की कैटेगिरी में टॉप रैंक वाले सीईओ भी बन गए हैं। ब्रांड फाइनेंस की ओर से जारी की गई लिस्ट में मुकेश अंबानी को भारतीयों की लिस्ट में पहले और ग्लोबल लेवल पर दूसरे स्थान पर रखा गया है। इस लिस्ट में टेसेंट के सीईओ हुआतेंग मा पहले नंबर पर रहे।

टाटा के एन चंद्रशेखरन पांचवें नंबर पर

ब्रांड फाइनेंस ने अंबानी को 80.3 का बीजीआई स्कोर दिया, जो हुआतेंग मा के स्कोर 81.6 से थोड़ा ही कम है। टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन पांचवें नंबर पर पहुंच गए हैं। वे 2023 की रैंकिंग में आठवें नंबर पर थे। वहीं, महिंद्रा एंड महिंद्रा के अनीश शाह ने छठवीं रैंक हासिल की है। उनके बाद इंफोसिस के सलिल पारेख 16वें नंबर पर रहे।

ब्रांड गार्जियनशिप इंडेक्स क्या है

ब्रांड गार्जियनशिप इंडेक्स उन सीईओ को मान्यता देता है, जो सभी स्टेकहोल्डर्स, एम्प्लॉईज, इन्वेस्टर्स और बड़े पैमाने पर समाज के हितों पर विचार करते हुए प्रभावी ढंग से बिजनेस वेल्यू बनाते हैं। ब्रांड फाइनेंस सर्वे में एक संतुलित स्कोरकार्ड के बेस पर सीईओ का मूल्यांकन करता है, जो उनकी कंपनी के ब्रांड और लॉन्ग टर्म वेल्यू के मैनेजमेंट के रूप में काम करने की उनकी क्षमता को मापता है।

तीसरी तिमाही में रिलायंस को 17,394 करोड़ नेट प्रॉफिट

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने 19 जनवरी 2024 को फाइनेंशियल ईयर 2023-24 की तीसरी तिमाही के नतीजे घोषित किए थे। अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 9.3 प्रतिशत बढ़कर 17,265 करोड़ रुपए रहा। एक साल पहले कंपनी ने 15,792 करोड़ रुपए का नेट प्रॉफिट दर्ज किया था। वहीं पिछली तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 17,394 करोड़ रहा था।

कंपनी का रेवेन्यू बढ़कर 2.25 लाख करोड़ रहा

ऑपरेशंस से कंपनी का रेवेन्यू बढ़कर 2.25 लाख करोड़ रुपए हो गया। पिछले फाइनेंशियल ईयर की इसी अवधि में ये 2.17 लाख करोड़ रुपए रहा था। वहीं पिछली तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 2.32 लाख करोड़ रुपए रहा था।

सरकारी तेल कंपनियां 1.2 लाख करोड़ रुपये का करेंगी निवेश, चालू वित्त वर्ष की तुलना में 5 प्रतिशत ज्यादा

नई दिल्ली । सरकारी तेल कंपनियां अगले वित्त वर्ष यानी 2024-25 में 1.2 लाख करोड़ रुपये का निवेश करेंगी। चालू वित्त वर्ष की तुलना में यह पांच फीसदी अधिक रहेगा। यह निवेश गैस के खोजने, रिफाइनरी, पेट्रोकेमिकल और पाइपलाइन बिछाने पर किया जाएगा। बजट दस्तावेजों के मुताबिक, ऑयल एवं प्राकृतिक गैस (ओएनजीसी) चालू वित्त वर्ष की तुलना में थोड़ा ज्यादा निवेश करेगी। ओएनजीसी विदेश 68 प्रतिशत ज्यादा निवेश करेगी। इंडियन ऑयल सर्वाधिक निवेश करेगी। चालू वित्त वर्ष के 31,254 करोड़ की तुलना में कम होगा। भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि (बीपीसीएल) का निवेश 30 प्रतिशत ज्यादा होगा। गेल का निवेश चालू वित्त वर्ष के 9,750 करोड़ की तुलना में कम होगा। हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि चालू वित्त वर्ष के 12,000 करोड़ की तुलना में 500 करोड़ ज्यादा निवेश करेगी। ऑयल इंडिया का निवेश 22 फीसदी अधिक होगा। आईओसी व बीपीसीएल जुटाएंगी 40,000 करोड़ आईओसी और बीपीसीएल के बोर्ड ने पिछले साल राइट्स इश्यू के जरिये 22,000 और 18,000 करोड़ की पूंजी जुटाने को मंजूरी दी थी। एचपीसीएल और बीपीसीएल का लक्ष्य 2046 तक शुद्ध कार्बन उत्सर्जन को खत्म करना है। जबकि आईओसी का लक्ष्य 2046 का है।

आरबीआई के रडार पर पेटीएम एक पैन कार्ड पर एक हजार खाते, ईडी कर सकता है जांच

नई दिल्ली ।
पेटीएम की बैंकिंग सेवाओं पर आरबीआई के प्रतिबंध के बाद पेटीएम पेमेंट्स बैंक बड़ी मुश्किलों में फंस सकता है। एजेंसियां इसके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग की जांच कर सकती हैं। सूत्रों का दावा है कि पेटीएम पेमेंट्स बैंक के पास ऐसे लाखों खाते थे, जिनमें केवाईसी (ग्राहक को जानो) नहीं की गई थी। एक हजार से अधिक उपयोगकर्ताओं के खाते एक ही पैन कार्ड पर चल रहे थे।

सूत्रों का कहना है कि इन खातों के जरिये पेटीएम पेमेंट्स बैंक में सैकड़ों करोड़ रुपये के संदिग्ध लेनदेन का पता चला है। आरबीआई ने इसी आधार पर शिकंजा कसा है। राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा का कहना है, पेटीएम पेमेंट्स बैंक में मनी लॉन्ड्रिंग की आशंका है। यदि फंड की हेराफेरी का कोई नया आरोप सामने आया, तो कंपनी के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय जांच करेगा।

आरबीआई ने पेटीएम पर 20 जून, 2018 से कोई भी नया खाता और वॉलेट खोलने पर प्रतिबंध लगा दिया था। हालांकि, दिसंबर, 2018 में प्रतिबंध हटा लिया गया था। इसके बाद भी कंपनी में अनियमितताओं की जानकारी आती रही। आरबीआई और ऑडिटर्स दोनों की जांच में पाया गया कि नियमों का पालन नहीं हो रहा है। गौरतलब है कि पेटीएम पेमेंट्स बैंक के पास करीब 35 करोड़ ई-वॉलेट हैं। इनमें से करीब 31 करोड़ निष्क्रिय हैं। लाखों खातों में केवाईसी अपडेट नहीं है।

पेटीएम चलेगा, पर बैंक नहीं

आरबीआई के सारे प्रतिबंध पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर हैं। इसलिए, पेटीएम (पेटीएम क्यूआर, बीमा, कर्ज वितरण, साउंडबॉक्स और कार्ड मशीन आदि) पर इसका असर नहीं होगा। पेमेंट्स बैंक से जो भी कारोबार जुड़े हैं, वही प्रभावित होंगे।

दूसरे भुगतान एप का इस्तेमाल करें कारोबारी

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के राष्ट्रीय महासचिव प्रवीन खंडेलवाल ने कहा, वित्तीय दिक्कतों से बचने के लिए व्यापारी लेनदेन के लिए पेटीएम के बजाय अन्य भुगतान प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करें तो बेहतर होगा। पेटीएम के शेयर दो दिन में 40 प्रतिशत गिर गए। इससे कंपनी की पूंजी 17,378 करोड़ घटकर 30,931 करोड़ रह गई है।

यूपीए के अंतिम वर्ष में राजकोषीय घाटा 4.5 फीसदी था, एनडीए के कार्यकाल में 2023-24 में 5.8 फीसदी

नई दिल्ली ।
कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने कहा कि सप्रंग सरकार के अंतिम वर्ष 2014-15 में राजकोषीय घाटा 4.5 फीसदी था। जबकि, राजग सरकार में 2023-24 में यह 5.8 फीसदी रहा। पूर्व केंद्रीय मंत्री की ओर से यह बयान तब सामने आया है, जब सरकार ने राजकोषीय सुधार किए जाने का जिक्र किया है। उन्होंने कहा कि अर्थशास्त्र में बुलहॉर्न (मेगाफोन) के लिए कोई जगह नहीं है। चिदंबरम ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि राजग सरकार की ओर से राजकोषीय सुधार और 2023-24 में राजकोषीय घाटे के 5.8 फीसदी के बारे में बहुत कुछ कहा गया है। याददाश्त कमजोर है, इसलिए मैं विद्वान टिप्पणीकारों से प्रेरणा लेता हूं। सप्रंग के कार्यकाल में 2007-08 में राजकोषीय घाटा 25 फीसदी था। सप्रंग के अंतिम वर्ष (2013-14) में राजकोषीय घाटा 4.5 फीसदी था। राजग के अंतिम वर्ष (2023-24) में राजकोषीय घाटा 5.8 फीसदी है। कांग्रेस नेता ने कहा कि किसी भी सरकार में उतार-चढ़ाव आते हैं। उन्होंने तर्क दिया कि अगर राजग महामारी वर्ष (2020-21 और 2021-22) की ओर इशारा करता है, तो सप्रंग अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संकट (2008-09) और टेपर

टैंट्रम (2013-14) के वर्षों की ओर इशारा करता है। कहानी की मूल बात यह है कि अर्थशास्त्र में बुलहॉर्न के लिए कोई जगह नहीं है।

इससे पहले, संसद में अंतरिम बजट पेश किया गया था। तब विपक्षी कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि अर्थव्यवस्था और सत्ता के लिए राजग का दृष्टिकोण अमीरों के पक्ष में है और बजट में न तो हर साल दो करोड़ नौकरियों के वादे के बारे में बाद की गई है और न ही महंगाई को कम करने या किसानों की आय दोगुनी करने के बारे में बात की गई है। चिदंबरम ने आरोप लगाया था कि यह अमीरों की, अमीरों के लिए सरकार है।

सीतारमण ने कुछ राज्यों को कोष न देने के आरोपों को नकारा, कहा- यह महज राजनीतिक रूप से भद्दे विचार

नई दिल्ली ।
केंद्र सरकार द्वारा गैर भाजपा शासित राज्यों के लिए जाने वाले कोष पर रोक लगाने के आरोपों पर अब केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने चुप्पी तोड़ दी। उन्होंने कहा कि यह राजनीतिक रूप से भद्दे विचार हैं और निहित स्वार्थ वाले लोग खुश होकर ऐसा कह रहे हैं।

Nirmala Sitharaman, Minister, Finance

कांग्रेस नेता को जवाब

दरअसल, कर्नाटक सरकार ने केंद्र पर धन नहीं देने का आरोप लगाया है। इसी को लेकर लोकसभा में कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने एक सवाल पूछा, जिसके जवाब में वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि ऐसा हो ही नहीं सकता क्योंकि प्रणाली अच्छी तरह से स्थित है और केंद्र सरकार वित्त आयोग की सिफारिशों के अनुसार काम करती है।

प्रश्नकाल के दौरान उन्होंने कहा, कुछ राज्यों के साथ भेदभाव होने की यह खबर महज राजनीतिक रूप से भद्दे विचार है और मुझे यह कहते हुए खेद है कि निहित स्वार्थ वाले लोग खुश होकर इसे कहते हैं।

सीतारमण ने कहा कि कोई भी केंद्रीय वित्त मंत्री वित्त आयोग की सिफारिशों के साथ खिलवाड़ नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि यह संभव नहीं है कि कोई वित्त मंत्री यह कहकर हस्तक्षेप कर सके कि उसे यह राज्य पसंद नहीं है, इसलिए उसका भुगतान बंद कर दिया जाए। यह बिल्कुल भी संभव नहीं है और न यह इस तरह से हो सकता है। प्रणाली को बहुत अच्छी तरह से स्थापित किया गया है।

यह है आरोप

गौरतलब है, कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा है कि कांग्रेस की राज्य इकाई सभी विधायकों, विधान पार्षदों और सांसदों सहित ङ्क अंतरिम बजट में राज्य को उचित धनराशि आवंटित नहीं करने के लिए सात फरवरी को नई दिल्ली में केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कहा, कर्नाटक देश में दूसरा सबसे ज्यादा टैक्स भरने वाला राज्य है और यह दुख की बात है कि हमारे राज्य को हर बार झटका लगता है। पिछले पांच साल से भाजपा सरकार कर्नाटक की अनदेखी कर रही है। यह अनुचित है।

निवेश मंत्राः फ्यूचर एंड ऑप्शंस, खुदरा निवेशकों के लिए जोखिम

नई दिल्ली ।
एफएंडओ मूलरूप से ज्यादा जोखिम और ज्यादा मुनाफा देने वाला उत्पाद है। इसमें कम पूंजी में बड़े सौदे किए जा सकते हैं। बावजूद इसके अधिकतर निवेशकों के हाथ इसमें जले हैं। एफएंडओ एक प्रकार का ऐसा वित्तीय साधन है जो शेयर, कमोडिटी, मुद्रा में कम पूंजी में बड़ी पोजीशन लेने की मंजूरी देते हैं। यह ज्यादा मुनाफा और जोखिम वाला होता है, इसलिए इसमें पैसा तेजी से बनता है तो डूब भी जाता है। यह एक प्रकार के डेरिवेटिव अनुबंध होते हैं, जिनकी एक तय अवधि होती है। इस समय सीमा में इनकी कीमतों में शेयर के मूल्य के अनुसार बदलाव होते हैं। हर शेयर का फ्यूचर्स और ऑप्शन एक लॉट साइज में उपलब्ध होता है।

तीन लाख में खरीद सकते हैं 12 लाख का शेयर

आप किसी कंपनी का फ्यूचर्स या ऑप्शन लेते हैं, जिसका लॉट साइज 4,000 है। एफएंडओ के भाव में बदलाव

की गणना लॉट साइज पर होती है। जितना बड़ा लॉट साइज, उतना बड़ा सौदा खड़ा हो सकता है। किसी शेयर का भाव 300 रुपये है तो कैश में 4,000 शेयर खरीदने के लिए 12 लाख रुपये देने होंगे। लेकिन इसका फ्यूचर कॉन्ट्रैक्ट महज 2-3 लाख रुपये में खरीदा जा सकता है। ऑप्शन में भी लॉट साइज 4,000 ही होगा, लेकिन कीमत शेयर की अलग-अलग स्ट्राइक प्राइस पर होगी।

मान लीजिये शेयर का भाव 300 रुपये है और आप आपको लगता है कि यह शेयर 320 रुपये तक जा सकता है तो आप 320 की स्ट्राइक प्राइस वाला कॉल ऑप्शन खरीद लेते हैं, जिसका भाव 300 रुपये है, तो आपको 18,000 रुपये चुकाने होंगे। जैसे-जैसे स्टॉक का भाव बढ़ेगा तो ऑप्शन का मूल्य भी बढ़ेगा और यही आपका मुनाफा होगा।

भारी मुनाफे के साथ तगड़ा घाटा

फ्यूचर और ऑप्शन ट्रेडिंग में जहां भारी मुनाफा होता है, वहीं तगड़ा नुकसान भी होता है। एफएंडओ में कमाई के बड़े मौके मिलते हैं लेकिन ज्यादातर लोग आक्रामता के साथ ट्रेड करते हैं। यानी बड़े-बड़े ट्रेड लेना व ज्यादा मुनाफे की उम्मीद करना। यही सोच ज्यादातर निवेशकों को नुकसान पहुंचाती है। फ्यूचर एंड ऑप्शन ट्रेडिंग में हर समय भाव में उतार-चढ़ाव होता रहता है। इसलिए हमने कितने समय कितना पैसा कमाया यह मायने रखता है।

आनंद कदम, बाजार विशेषज्ञ ने कहा कि यदि आप कोई एफएंडओ ट्रेड लेते हैं और महज 10 मिनट में आपको 5 हजार का लाभ होता है तो उसे भुना लेना समझदारी है। क्योंकि, हो सकता है कि यह मुनाफा फिर से घाटे में बदल जाए।

रुपया चार पैसे गिरकर 83.02 प्रति डॉलर

मुंबई । मजबूत अमेरिकी मुद्रा और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बीच शुरुआती कारोबार में रुपया चार पैसे की गिरावट के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.02 पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि हालांकि घरेलू बाजारों से सकारात्मक संकेत और विदेशी कोषों के प्रवाह ने भारतीय मुद्रा को समर्थन दिया। उन्होंने कहा कि निवेशक इस सप्ताहांत में घोषित होने वाले भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति निर्णय पर भी नजर रखेंगे। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.03 प्रति डॉलर पर खुला और फिर 83.04 प्रति डॉलर पर फिसल गया। इसके बाद मामूली बढ़त के साथ 83.02 प्रति डॉलर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से चार पैसे की बढ़त है। रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 82.98 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.11 प्रतिशत की बढ़त के साथ 103.89 पर रहा।

रणजी ट्रॉफी में मैच ड्रॉ, हिमाचल नॉकआउट दौर से हो गया बाहर

धर्मशाला ।

धर्मशाला में चल रहे हिमाचल और मध्य प्रदेश के बीच रणजी मैच के तीसरे दिन का खेल बारिश के कारण बाधित रहा। दिनभर रुक-रुक बारिश का दौर जारी रहा। जिसके चलते तीसरे दिन एक भी गेंद नहीं फेंकी गई। इससे मैच ड्रॉ रहा। इसके साथ ही हिमाचल की टीम नॉकआउट की दौड़ से बाहर हो गई है। दो फरवरी से शुरू हुए मैच के पहले दिन हिमाचल की टीम 169 रन पर आलआउट हो गई थी। मध्य प्रदेश की टीम ने चार विकेट खोकर 68 रन बना लिए थे। पिछले कुछ सालों से हिमाचल की टीम का प्रदर्शन कुछ खास नहीं है। हिमाचल की टीम वर्ष 2011-12 में रणजी के प्लेट ग्रुप का सेमीफाइनल खेला था। वर्ष 2006-07 में हिमाचल की टीम रणजी के प्लेट ग्रुप की चैंपियन बनी थी। इसमें हिमाचल की टीम ने ओडिशा को फाइनल मुकाबले में हराया था। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के संयुक्त सचिव विशाल शर्मा ने कहा कि उम्मीद है कि टीम भविष्य में और बेहतर करेगी।

बारिश बनी बाधा, टॉस से हमीरपुर की टीम बनी बॉस - खेल मैदान अणु में तीन दिवसीय सीनियर ओपन महिला हॉकी प्रतियोगिता में हमीरपुर की टीम विजेता बनी है। टॉस से विजेता का फैसला किया गया। इसमें हमीरपुर विजेता और सिरमौर की टीम उपविजेता बनी। प्रतियोगिता का समापन हुआ। समापन समारोह में समाजसेवी राजा सिंह मल्होत्रा बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए। उन्होंने खिलाड़ियों से नशे से दूर रहकर खेलकूद प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता के आयोजक अनिल चंदेल ने कहा कि प्रदेश भर से आठ टीमों ने भाग लिया। उन्होंने बताया कि फाइनल मुकाबले बारिश के कारण नहीं हुआ। टॉस के आधार पर हमीरपुर की टीम विजेता बनी। सिरमौर की टीम को दूसरे स्थान पर रही और मंडी जिले की टीम को तृतीय स्थान की ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में आलओवर प्रर्दशन को देखते हुए श्रेष्ठ गोलकीपर हमीरपुर की किरण, मंडी की मीनाक्षी को बेस्ट डिफेंडर, सोलन की श्रुति को बेस्ट मिड फील्डर और सिरमौर की गुरप्रीत को बेस्ट फॉरवर्ड का खिताब दिया गया। हमीरपुर की महिमा पांच गोल कर बेस्ट स्कोरर, शबनम और रितिका को प्रतियोगिता का प्रतिभावान खिलाड़ी घोषित किया गया।

न्यूज ब्रीफ

एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023-24 के लिए भुवनेश्वर पहुंची भारतीय पुरुष टीम

भुवनेश्वर । भारतीय पुरुष हॉकी टीम अपने एफआईएच प्रो लीग 2023-24 अभियान की शुरुआत करने के लिए भुवनेश्वर पहुंच गई. भारतीय टीम पिछले सीजन में नीदरलैंड, ग्रेट ब्रिटेन और बेल्जियम के बाद चौथे स्थान पर रही थी। एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023-24 (पुरुष) राउरकेला के बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में जाने से पहले 10 से 16 फरवरी तक कलिंगा हॉकी स्टेडियम में होने वाली है, जहां लीग 19 से 25 फरवरी तक जारी रहेगी। पांच राष्ट्रीय टीमें; आयरलैंड, नीदरलैंड, भारत, स्पेन और ऑस्ट्रेलिया, एफआईएच प्रो लीग 2023-24 (पुरुष) के भारत चरण में भाग लेंगी. जहां वो भुवनेश्वर और राउरकेला में एक-दूसरे का सामना करेंगी। भारत सीजन के अपने पहले मैच में 10 फरवरी को मैक्स काल्डास की स्पेन से भिड़ेगा. उसके बाद 11 फरवरी को दुनिया की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग वाली टीम नीदरलैंड की चुनौती का सामना करेगा. थोड़े समय के ब्रेक के बाद वे 15 फरवरी को ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेंगे. फिर, वो 16 फरवरी को भुवनेश्वर चरण के आखिरी मैच में आयरलैंड से भिड़ेंगे। प्रो लीग 2023-24 की तैयारियों पर प्रकाश डालते हुए कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा, हम अभी दक्षिण अफ्रीका के एक सफल दौरे से वापस आए हैं. जहां हमने प्रो लीग शुरू करने के लिए फ्रांस, दक्षिण अफ्रीका और नीदरलैंड के खिलाफ खेला था। उन्होंने कहा, इस बार कुछ युवा खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया गया है और यह उनके लिए दुनिया की कुछ सर्वश्रेष्ठ टीमों की खेल शैली से परिचित होने का शानदार अवसर होगा।

भारत ने डेविस कप में पाकिस्तान को 4-0 से हराया, आठवीं बार शिकस्त दी, विश्व ग्रुप-1 में जगह बनाई

इस्लामाबाद । साठ साल के लंबे अंतराल के बाद पाकिस्तान के ऐतिहासिक दौरे पर पहुंची भारतीय डेविस कप टीम ने मेजबान टीम के खिलाफ 4-0 की बढ़त बनाकर विश्व ग्रुप-1 में जगह सुनिश्चित कर ली है। खेले गए युगल मुकाबले में युकी भांबरी और साकेत मायनेनी ने जीत हासिल की और उसके बाद निकी पूनाचा ने डेविस कप में अपने पहले मैच में विजय हासिल की। इससे पहले रामकुमार और श्रीराम एन बालाजी ने अपने एकल मुकाबले जीतकर 2-0 की बढ़त दिला दी थी। भारत की भांबरी और मायनेनी की जोड़ी ने मुजामिल मुर्तजा और अकील खान की जोड़ी को 6-2, 7-6 (5) से हराया। पाकिस्तान ने इस मुकाबले में बरकत उल्लाह की जगह अनुभवी अकील खान को उतारा था ताकि करो या मरो के मुकाबले में उम्मीदें कायम रखी जा सके लेकिन पाकिस्तान की सारी कोशिशें धरी रह गईं। युगल रबर जीतने के साथ भारत ने 3-0 से टाई में निर्णायक बढ़त बना ली थी।

तुर्की में महिला फुटबॉल कप में भाग लेगी भारतीय टीम

नई दिल्ली । भारतीय सीनियर महिला टीम 21 से 27 फरवरी तक तुर्की में होने वाले महिला कप फुटबॉल टूर्नामेंट में भाग लेगी। भारतीय टीम के अलावा एस्टोनिया, कोसोवो और हांगकांग की टीमें भी राउंड-रॉबिन प्रारूप में होने वाले इस टूर्नामेंट में भाग लेंगी। इस टूर्नामेंट में हर टीम एक-दूसरे से एक बार खेलेगी और राउंड-रॉबिन चरण के अंत में तालिका में शीर्ष पर रहने वाली टीमें विजयी घोषित की जाएंगी। भारतीय टीम अपना पहला मुकाबला 21 फरवरी को एस्टोनिया से खेलेगी। इसके बाद उसे हांगकांग से 24 फरवरी जबकि कोसोवो से 27 फरवरी को खेलना है। भारतीय टीम तीसरी बार इस टूर्नामेंट में भाग लेगी। उसने इससे पहले 2019 और 2021 में भी इसमें भाग लिया था। इस टूर्नामेंट के लिए अभ्यास करने नयी मुख्य कोच लैंगम चाओबा देवी की निगरानी में 10 फरवरी से भुवनेश्वर में टीम का एक सप्ताह का शिविर भी लगेगा। भुवनेश्वर में शिविर के लिए संभावित खिलाड़ी इस प्रकार हैं: गोलकीपर: अंशिका, एलंगबाम पंथोई चानू, मोनालिसा देवी मोइरंगथम, श्रेया हुडा डिफेंडर: आशालता देवी लोइटोंगबम, अस्तम ओरांव, डालिमा छिब्बर, जूली किशन, ममता, रंजना चानू सोरोखैबम, शिल्की देवी हेमम मिडफील्डर: अंजू तमांग, इंदुमति काथिरेसन, काजोल डिसूजा, कार्तिका अंगमुथु, कृतिना देवी थौनाओजम, मनीषा, पवित्रा मुरुगेसन, प्रियंगका देवी नाओरेम, संगीता बासफोर फॉरवर्ड: ग्रेस डांगमेई, ज्योति, करिश्मा पुरूषोतम शिरवोइकर, काव्या पक्कीरिसामी, लिंडा कोम सर्टो, नेहा, प्यारी खाखा, संध्या रंगानथन, संजू, सौम्या गुगुलोथ।

बैजबॉल में फंसे अंग्रेज

399 के टारगेट में लगातार अटैक किया ; 2 सेशन में गंवाए 9 विकेट, सीरीज 1-1 से बराबर

विशाखापट्टनम।

भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ 5 टेस्ट मैचों की सीरीज के दूसरे मुकाबले में 106 रन की जीत दर्ज कर ली है। इस जीत से सीरीज 1-1 की बराबरी पर आ गई है। विशाखापट्टनम में इंग्लिश टीम को अपने ही बैजबॉल अप्रोच के कारण हार का सामना करना पड़ा। 'बैजबॉल' आक्रामक बल्लेबाजी की रणनीति है, जिसे मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम के निकनेम 'बैज' पर बनाया गया है।

4 दिन तक चले मुकाबले में भारत ने तीसरे दिन 399 रन का टारगेट सेट किया। इंग्लैंड के पास रन चेज के लिए दो दिन का समय बचा था। तब ऐसा लग रहा था कि इंग्लैंड टारगेट चेज कर लेगा।

इंग्लिश टीम सफल रन चेज के लिए कॉन्फिडेंट लग रही थी। टीम का कॉन्फिडेंस तेज गेंदबाज जेम्स एंडसरन के बयान से झलक रहा था। तीसरे दिन के खेल के बाद एंडरसन ने कहा- भारत को यह नहीं पता कि उसके लिए कितना स्कोर काफी है।

उन्होंने कहा- हम वैसा ही खेलेंगे जैसा हम पिछले दो साल से खेल रहे हैं। हम जीतें या हारें, यह मायने नहीं रखता, क्योंकि हम हर मैच को जीतना चाहते हैं। फिर टारगेट 600 रन ही क्यों न हो।

इंग्लैंड कैसे अपने ही बैजबॉल में फंसा

1. 399 रन का टारगेट चेज करते हुए ओवर एग्रेसिव अप्रोच - इंग्लिश टीम ने चौथे दिन 67/1 के स्कोर को आगे बढ़ाया, लेकिन टीम के बल्लेबाज पहले सेशन में ओवर एग्रेसिव दिखे। टॉप और मिडिल ऑर्डर बैटर्स ने क्रीज पर आते ही बड़े-बड़े शॉट्स खेलना शुरू कर दिया। इस कारण टीम ने लगातार विकेट गंवाए। चौथे दिन लंच तक इंग्लिश टीम का स्कोर 194/6 रहा।

ओली पोप ने 21 बॉल पर 5 चौकों की मदद से 23 रन बनाए, जबकि जो रूट ने 10 बॉल की पारी में दो चौकों और एक छक्के से 16 रन बनाए। इन दोनों बल्लेबाजों का स्ट्राइक रेट 100 से ज्यादा रहा।

2. लगातार विकेट गंवाए, लेकिन बैटिंग अप्रोच नहीं बदली - इंग्लैंड की टीम ने मुकाबले में लगातार विकेट गंवाए, लेकिन अपनी बैटिंग अप्रोच नहीं बदली। चौथे दिन के पहले सेशन में भी यही हाल रहा। टीम ने इस सेशन के 28.4 ओवर में 127 रन बनाने में 5 विकेट गंवा दिए।

टीम ने पहली पारी में 4.53 के रन रेट से 253 रन बनाए और दूसरी पारी में 4.21 के रन रेट से 292 रन जुटाए। जबकि भारतीय टीम ने पहली पारी में 3.53 के रन रेट से 396 और दूसरी पारी में 3.24 के रन रेट से 255 रन बनाए। यानी टीम इंडिया ने संभलकर बैटिंग की।

3. कोच मैक्कुलम का ओवर कॉन्फिडेंस - प्री मैच कॉन्फ्रेंस में एंडरसन ने बताया कि बीती रात कोच मैक्कुलम से चर्चा हुई थी कि अगर वे (भारत) 600 रन का स्कोर बना लेंगे, तो भी हम इसे चेज करने की ही कोशिश करेंगे। यह सभी को बहुत स्पष्ट है कि हम कल इसे चेज करने की कोशिश करेंगे।

इंग्लैंड ने बेन स्टोक्स की कप्तानी और ब्रैंडन मैक्कुलम की कोचिंग में पिछले कुछ समय में शानदार रन चेज किए हैं। टीम ने पिछले 11 में से 8 मुकाबले सफल रन चेज के साथ जीते हैं। इस दौरान टीम ने 7 दफा 250+ का स्कोर चेज किया। हालांकि ज्यादातर मुकाबले इंग्लैंड और पाकिस्तान में खेले गए, जहां पिचें बैटिंग के लिए कुछ ज्यादा ही मददगार रहीं।

4. बुमराह और अक्षर के बाद अश्विन को लाए कप्तान - भारतीय कप्तान ने बुमराह और अक्षर पटेल के साथ अटैकिंग बॉलिंग की और 10वें ओवर के बाद रविचंद्रन अश्विन को ले आए। अश्विन ने ओली पोप और जो रूट को चलता किया और इंग्लैंड को बैकफुट पर धकेल दिया। इंग्लिश टीम इन झटकों से उबर ही नहीं सकी और टीम ने लंच सेशन तक 194 रन पर ही 6 विकेट गंवा दिए।

वार्षिक परीक्षा के कारण 1000 खेल नर्सरी बंद, इन मापदंडों के आधार पर अब दोबारा होंगी शुरू

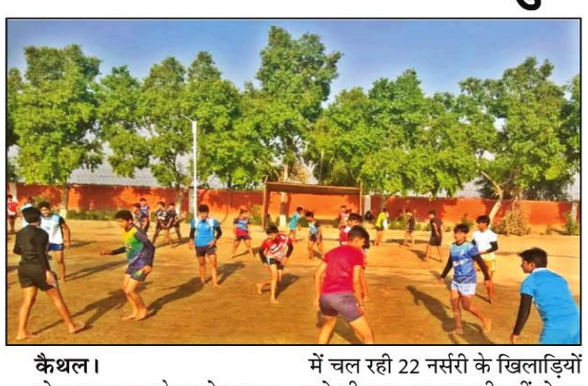

कैथल।

खेल मुख्यालय के आदेशानुसार वार्षिक परीक्षाओं के कारण प्रदेश के सभी जिलों में चल रही नर्सरी बंद कर दी गई हैं। अप्रैल में इन्हें दोबारा से शुरू किया जाएगा, लेकिन वही नर्सरियों दोबारा खुलेंगी जो ए, बी या सी ग्रेड हासिल करेंगी।

डी ग्रेड वाली नर्सरियां नहीं खुलेंगी नर्सरियां दोबारा

डी ग्रेड वाली नर्सरियां दोबारा नहीं खुलेंगी। इसके लिए नर्सरी को अच्छे अंक लेकर अच्छा ग्रेड भी हासिल करना होगा। ग्रेड के हिसाब से ही तय होगा कि नर्सरी दोबारा शुरू होगी या बंद की जाएगी। प्रदेशभर में शिक्षण संस्थानों में एक हजार खेल नर्सरियां हैं। राजकीय और प्राइवेट शिक्षण संस्थानों में चल रही 34 खेल नर्सरी बंद कैथल जिले के राजकीय और प्राइवेट शिक्षण संस्थानों में चल रही 34 खेल नर्सरी बंद की गई हैं। विभाग ने यह विकल्प भी रखा है कि कोई नर्सरी प्रशिक्षक चाहे तो खिलाड़ियों को अभ्यास करा सकता है, लेकिन प्रशिक्षक और खिलाड़ियों को दो महीने का खुराक भत्ता नहीं मिलेगा। सरकारी खेल प्रशिक्षण केंद्र में चल रही 22 नर्सरी के खिलाड़ियों को भी खुराक भत्ता जारी नहीं होगा। जिले में करीब 1400 खिलाड़ियों को खुराक भत्ता की राशि दो महीने के लिए नहीं मिलेगी। खेल विभाग मुख्यालय की तरफ से जिला स्तर पर खेल नर्सरी को ग्रेड निर्धारित कर जानकारी मांगी गई है।

ग्रेड के लिए ये होगा मापदंड

अभी अधिकारियों ने नर्सरी प्रशिक्षकों से उनकी उपलब्धियों समेत अन्य जानकारी मांगी हैं। इनके आधार पर नर्सरी को ए, बी, सी और डी ग्रेड दिया जा रहा है। ग्रेड के लिए प्रशिक्षक की हाजिरी और खेल उपलब्धियों को आधार बनाया जाएगा। यह है ग्रेडिंग सिस्टम ग्रेडिंग के कुल 32 अंक हैं। इन्हें तीन श्रेणियों में रखा गया है। संबंधित खेल का सामान और खिलाड़ियों की संख्या के आधार पर 10 अंक। खिलाड़ियों की हाजिरी के 10 अंक। खिलाड़ियों की खेल उपलब्धियों के 12 अंक हैं। 32 में से 29 या इससे ज्यादा अंक लेने पर ए ग्रेड। 25 से 28 अंक लेने पर बी ग्रेड। 17 से 24 अंक लेने पर सी ग्रेड और 16 या इससे कम अंक लेने पर डी ग्रेड मिलेगा।

लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित पीटी उषा बोलीं- ओलंपिक की मेजबानी के लिए आईओसी से बात शुरू

नई दिल्ली।

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा कि 2036 के ओलंपिक और 2030 के यूथ ओलंपिक की मेजबानी के लिए अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के फ्यूचर होस्ट कमीशन से बातचीत शुरू कर दी गई है। यह पहली बार है जब आईओए ने स्वीकार किया है कि ओलंपिक की बोली के लिए उसकी ओर से आईओसी से बातचीत शुरू की जा चुकी है।

सीईओ नहीं हटेंगे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बीते वर्ष मुंबई में आयोजित आईओसी के सत्र में 2036 के ओलंपिक और यूथ ओलंपिक की मेजबानी की इच्छा जता चुके हैं। वहीं ओलंपिक के लिए आधिकारिक बोली आईओए की ओर से ही लगाई जानी है। उषा ने आईओए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) रघुराम अय्यर की नियुक्ति का समर्थन किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्यकारी समिति के विरोध के बावजूद वह इसे वापस नहीं लेंगी। उनकी नियुक्ति साफ-सुथरे तरीके से की गई है। उन्होंने कार्यभार संभाल लिया है और वह आगे भी कार्य जारी रखेंगे।

शुक्ला और राणा ने किया सम्मानित

इस मौके पर भारतीय खेल पत्रकार संघ और दिल्ली खेल पत्रकार संघ की ओर से पीटी उषा को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड दिया गया। उन्हें स्वर्ण पदक बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला और प्रमाण पत्र जाने-माने निशानेबाज जसपाल राणा ने प्रदान किया। विजय अमृतराज, प्रकाश पादुकोण, सुनील गावस्कर और मिल्खा सिंह के बाद वह यह अवॉर्ड प्राप्त करने वाली पांचवीं खिलाड़ी हैं।

ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू शॉर्ट तीसरे वनडे से बाहर

कैनबरा।

वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे वनडे से पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम के बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट को हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण टीम से बाहर कर दिया गया है। उनकी जगह बेन मैकडरमॉट को शामिल किया गया है। मैथ्यू शॉर्ट को वेस्टइंडीज पर ऑस्ट्रेलिया की श्रृंखला जीत के दौरान हैमस्ट्रिंग की चोट का सामना करना पड़ा था। छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने आने के बाद उन्होंने बल्ले से 55 गेंदों पर 41 रन बनाए, लेकिन चोट के कारण वह फील्डिंग करने नहीं उतरे। बेन मैकडरमॉट ने तस्मानिया के खिलाफ चल रहे शेफील्ड शील्ड मैच में क्वींसलैंड के लिए नाबाद 146 रन बनाए। अब वह कैनबरा में ऑस्ट्रेलिया वनडे टीम के साथ जुड़ने के लिए मैच से हट गए हैं, और यह मैच मनुका ओवल में खेला जाएगा।

2018 में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने के बाद से बेन मैकडरमॉट ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 25 टी20 और छह वनडे मैच खेले हैं।

ऑस्ट्रेलिया के लिए उनका आखिरी वनडे मैच मार्च-अप्रैल 2022 में पाकिस्तान दौरे पर आया था। जहां उन्होंने लाहौर में प्रारूप में अपना एकमात्र शतक बनाया था।

यह देखना बाकी है कि मैथ्यू शॉर्ट वेस्टइंडीज के खिलाफ 9, 11 और 13 फरवरी को होने वाले आगामी टी20 मैचों के लिए फिट होंगे या नहीं।

प्रतियोगिता में 541 रन बनाने के लिए बिग बैश लीग (बीबीएल) में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुने जाने के बाद मैथ्यू शॉर्ट ने ऑस्ट्रेलिया के व्हाइट-बॉल सेट-अप में अपना स्थान अर्जित किया। तीसरे मैच के लिए ऑस्ट्रेलिया वनडे टीम: स्टीव स्मिथ (कप्तान), सीन एबॉट, जेवियर बार्टलेट, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, कैमरून ग्रीन, आरोन हार्डी, जोश हेजलवुड (उप-कप्तान), जोश इंगलिश, मार्नस लाबुशेन, लांस मॉरिस, बेन मैकडरमॉट, विल सदरलैंड, एडम ज़म्पा।

न्यूजर्सी करेगा विश्व कप 2026 के फाइनल की मेजबानी, मैक्सिको में मैच से शुरू होगा टूर्नामेंट

नई दिल्ली ।

फीफा ने घोषणा की कि 2026 फुटबॉल विश्व कप का फाइनल न्यूयॉर्क/न्यूजर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में खेला जाएगा। टूर्नामेंट 11 जून को मेक्सिको सिटी के प्रतिष्ठित एज्टेका स्टेडियम में मैच के साथ शुरू होगी और खिताबी मुकाबला 19 जुलाई को खेला जाएगा। न्यूयॉर्क को फाइनल मुकाबले की मेजबानी के लिए डलास से मजबूत चुनौती मिली। फीफा विश्व कप 2026 48 टीमों के बीच खेला जाएगा। संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको इस टूर्नामेंट के सह मेजबान हैं।

फीफा अध्यक्ष ने क्या कहा

फीफा अध्यक्ष गियानी इन्फेंटिनो ने कहा, अब तक का सबसे समावेशी और प्रभावशाली फीफा विश्व कप अब सपना नहीं बल्कि वास्तविकता बन गया है जो कनाडा, मैक्सिको और अमेरिका के 16 अत्याधुनिक स्टेडियमों में 104 मैचों के रूप में आकार लेगा। प्रतिष्ठित एस्टाडियो एज्टेका में उद्घाटन मैच से लेकर न्यूयॉर्क, न्यूजर्सी में शानदार फाइनल तक, खिलाड़ी और फैंस इस गेम-चेंजिंग टूर्नामेंट के लिए हमारी योजना के केंद्र रहे हैं। यह टूर्नामेंट न केवल नए कीर्तिमान स्थापित करेगा बल्कि लोगों के मन में एक अमिट छाप भी छोड़ेगा।

यहां होंगे सेमीफाइनल और क्वार्टर फाइनल मैच

अटलांटा और डलास सेमीफाइनल की मेजबानी करेंगे, जबकि तीसरे स्थान के लिए होने वाला मैच मियामी में खेला जाएगा। क्वार्टर फाइनल मैच लॉस एंजिल्स, कैनसस सिटी, मियामी और बोस्टन में होंगे। तीनों देशों के कुल 16 शहर खेलों की मेजबानी करेंगे, जिनमें से अधिकांश मैच यूएसए में आयोजित किए जाएंगे। 1994 का विश्व कप भी संयुक्त राज्य अमेरिका में आयोजित किया गया था और फाइनल लॉस एंजिल्स के पास पासाडेना में रोज बाउल में हुआ था।

2010 में हुआ था मेटलाइफ स्टेडियम का उद्घाटन

न्यूयॉर्क ने पुराने जायंट्स स्टेडियम में उस टूर्नामेंट में खेलों की मेजबानी की थी, जिसे बाद में

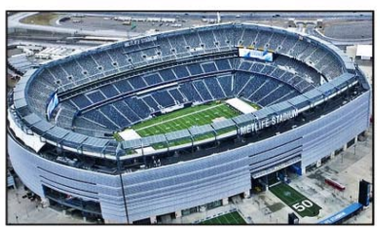

मेटलाइफ स्टेडियम के लिए रास्ता बनाने के लिए ध्वस्त कर दिया गया था। मेटलाइफ स्टेडियम का उद्घाटन 2010 में हुआ था। उत्तरी अमेरिका में एक लाइव टीवी शो पर फैसलों की घोषणा की गई जिसमें इन्फेंटिनो के साथ कॉमेडियन और अभिनेता केविन हार्ट, रैपर ड्रेक और सेलिब्रिटी किम करदाशियां शामिल थे।

82,500 दर्शक स्टेडियम में बैठ सकते हैं

न्यूजर्सी के ईस्ट रदरफोर्ड में न्यूयॉर्क से हडसन नदी के पार 82,500 सीटों वाला मेटलाइफ स्टेडियम, एनएफएल के न्यूयॉर्क जायंट्स और न्यूयॉर्क जेट्स का होम ग्राउंड है, लेकिन यहां 2016 कोपा अमेरिका टूर्नामेंट के फाइनल सहित कई अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल खेल आयोजित किए जा चुके हैं। न्यूयॉर्क ने मेजबानी को लेकर अपने तर्क में कहा था कि वहां प्रशंसकों के लिए आसान परिवहन व्यवस्था के साथ-साथ रहने की तमाम सुविधाएं हैं। वहीं, एज्टेका 1970 और 1986 के बाद तीन अलग-अलग संस्करणों में विश्व कप टूर्नामेंट खेलों की मेजबानी करने वाला पहला स्टेडियम बन जाएगा। इस टूर्नामेंट ने 1970 और 1986 के टूर्नामेंट के फाइनल की मेजबानी की। विश्व कप अमेरिकी स्वतंत्रता की 250वीं वर्षगांठ के जश्न के दौरान होगा।

16 जुलाई से राउंड ऑफ 16 के मैच

राउंड ऑफ 16 के मैच चार जुलाई से फिलाडेल्फिया में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर खेले जाएंगे जहां अमेरिकी स्वतंत्रता घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर किए गए थे। संयुक्त राज्य अमेरिका में मैचों के शुरुआत 12 जून को लॉस एंजिल्स के सोफी स्टेडियम में ग्रुप चरण मैच के साथ होगा। कनाडा में पहला मैच टोरंटो में खेला जाएगा। वैंकूवर कनाडा का दूसरा स्थल है जो मैचों की मेजबानी करेगा। 2026 फीफा विश्व कप में टीमों की संख्या को 32 से बढ़ाकर 48 कर दिया गया। इसका मतलब है कि 24 अतिरिक्त मैच खेले जाएंगे। 16 स्थानों पर कुल 104 मैच आयोजित होंगे।

चार टीमों के 12 ग्रुप बनाए जाएंगे

टूर्नामेंट में चार टीमों के 12 ग्रुप होंगे। हर ग्रुप से शीर्ष दो टीमें और तीसरे स्थान पर रहने वाली आठ सर्वश्रेष्ठ टीमें टूर्नामेंट में आगे बढ़ेंगी। इसके बाद टूर्नामेंट सीधा नॉक-आउट में प्रवेश करेगा। फीफा ने कहा कि मैच के कार्यक्रम की घोषणा क्वालिफिकेशन प्रक्रिया समाप्त होने के बाद ही की जाएगी। टूर्नामेंट के लिए ड्रॉ आने की संभावना 2025 के अंत तक उम्मीद है।

टूर्नामेंट के 16 मेजबान शहर हैं: अटलांटा, बोस्टन, डलास, ग्वाडलाजारा, ह्यूस्टन, कैनसस सिटी, लॉस एंजिल्स, मैक्सिको सिटी, मियामी, मॉन्टेरी, न्यूयॉर्क-न्यूजर्सी, फिलाडेल्फिया, सैन फ्रांसिस्को खाड़ी क्षेत्र, सिएटल, टोरंटो और वैंकूवर।

खाने के बाद इसलिए खाना चाहिए मीठा

घर में, पार्टी में या फिर किसी फेस्टिवल पर या रेस्टोरेंट में आप सबसे पहले नमकीन खाना जैसे- चपाती, दाल, सब्जी या चावल आदि खाते हैं और उसके बाद ही कुछ मीठा खाते हैं। पूर्वजों का भी यही मानना है कि भोजन की शुरुआत हमेशा मसालेदार खाने से करनी चाहिए और मीठा खाकर समाप्त करना चाहिए।

क्या आप जानते हैं कि खाने के बाद मीठा खाने से क्या होता है? लेकिन आपने कभी सोचा है कि खाने की शुरुआत में सबसे पहले मीठा क्यों नहीं खाना चाहिए या पहले मसालेदार चीजें ही क्यों खाने चाहिए? जाहिर है यह एक ऐसा सवाल है, जिसका जवाब सभी लोग जानना चाहेंगे। वास्तव में कई लोग ऐसा मानते हैं कि यह सालों से चली आ रही एक परंपरा है। लेकिन आपको बता दें कि इसके पीछे वैज्ञानिक तथ्य है।

जब आप स्पाइसी फूड खाते हैं, तो आपका शरीर पाचक रस और एसिड जारी करता है, जो पाचन प्रक्रिया को बढ़ाते हैं। स्पाइसी फूड्स खाने से यह भी सुनिश्चित होता है कि आपका पाचन सही तरह हो रहा है। दूसरी ओर मीठी चीजों में कार्बोहाइड्रेट्स की मात्रा अधिक होती है, जिससे पाचन धीमा हो सकता है। इसके अलावा मीठे का सेवन एमिनो एसिड ट्रिप्टोफैन के अवशोषण को बढ़ाता है। ट्रिप्टोफैन को सेरोटोनिन लेवल बढ़ाने के लिए जाना जाता है। सेरोटोनिन एक न्यूरोट्रांसमीटर है, जो खुशी की भावना से जुड़ा है यानि मीठा खाने से आपको खुशी होती है। यही कारण है कि आप भोजन करने के बाद मीठा खाते हैं।

हालांकि वाइट शुगर से बनने वाली मीठी चीजों को हेल्दी नहीं माना जाता है। चीनी से तैयार चीजों का लंबे समय तक सेवन करने से आपको मोटापे और अन्य स्वास्थ्य जटिलताओं का खतरा हो सकता है। इसके बजाय आपको गुड़ या ब्राउन शुगर से तैयार चीजें ही खानी चाहिए। वास्तव में आर्गेनिक गुड़ आपके लिए सबसे बेहतर विकल्प हो सकता है।

योग से पुराने से पुराने पीठ दर्द में मिलता है फायदा

नियमित योग से कमर में होने वाले दर्द को ठीक करने में काफी मदद मिलती है। भारत, ब्रिटेन और अमेरिका में हुए शोध की हाल में हुई समीक्षा में ये बात सामने आई।

कमर में दर्द सेहत से जुड़ी आम समस्या है और इसे लोग आम तौर पर खुद ही दुकान से दवा खरीदकर या फिर खुद देखभाल कर ठीक करते हैं।

कुछ लोगों में ये तीन महीने या इससे ज्यादा समय तक बना रहता है, और तब इसे ''गंभीर'' माना जाता है। पीठ का दर्द कई बार किसी बीमारी या स्थिति की वजह से भी होता है लेकिन अधिकतर मामलों में कमर दर्द की वजह का पता नहीं होता और यही वजह है कि इन्हें अनिर्दिष्ट भी कहा जाता है। मौजूदा दिशानिर्देश बताते हैं कि व्यायाम चिकित्सा इसमें लाभदायक है और खास तौर पर योग को भी कई बार इलाज के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है। अमेरिका के मेरीलैंड विश्वविद्यालय की सूसन वीलैंड ने कहा, ''हमारे नतीजे बताते हैं कि योगाऽयास कमर दर्द के लक्षणों को कुछ मात्रा में कम कर देता है।'' दिल दिमाग के व्यायाम के तौर पर योग को दुनियाभर में लोकप्रियता मिली है जिससे आम जीवन शैली में फायदा भी होता है

होंठ देखकर जानिए किसी का भी व्यवहार

होठों का मुख्य काम है, बोलते समय ध्वनि का नियंत्रण करना। होंठ शब्दों को स्पष्ट तरीके से बोलने में मदद करते हैं। लेकिन होंठ किसी भी व्यक्ति का व्यक्तित्व भी बता सकते हैं। समुद्रशास्त्र के अनुसार होंठो को देख-कर किसी भी स्त्री या पुरुष के व्यवहार के बारे में आसानी से पता किया जा सकता है।

■ जिनके होंठ उभरे हुए होते हैं, ऐसे लोग छोटी बुद्धि के और डरपोक होते हैं।

■ होंठ यदि पतले होते हैं तो वह पुरुष का स्वभाव और प्रकृति काफी हद तक महिलाओं से मेल खाती है।

■ ऐसे लोग जिनके होंठ छोटे, पतले और बिना रंग के होते हैं। यह लोग दिखावा करने वाले होते हैं।

■ मोट होंठ वाले लोग क्रोधी स्वभाव के होते हैं। ऐसे लोग भावुक और जिद्दी भी होते हैं।

■ चिकने और लाल रंग के होंठ वाले लोग जीवन में हर सुख प्राप्त करते हैं। ऐसे लोग कामुक होते हैं। और जिंदगी में उपलब्धियां अर्जित करते हैं।

■ गुलाबी होंठो वाले लोग व्यवहार कुशल होते हैं। ये दोस्ती निभाने में विश्वास रखते हैं। इनके जीवन में कभी किसी चीज की कमी नहीं होती। अमूमन ऐसे होंठ महिलाओं के ही होते हैं।

घर के पूर्वोत्तर कोण में शुभ होता है फव्वारा लगाना

फेंग यानि वायु और शुई यानि जल अर्थात फेंगशुई शास्त्र जल व वायु पर आधारित है। अन्य देशों में भी यह बेहद लोकप्रिय है। भारत में भी फेंगशुई का चलन दिनों दिन बढ़ता जा रहा है। इसका प्रमुख कारण है इसके आसान टिप्स।

यह टिप्स इतने सरल होते हैं जो आसानी से किए जा सकते हैं। अगर आप चाहते हैं कि आपके घर में सुख-समृद्धि बनी रहे तो आप भी फेंगशुई के आसान टिप्स अपना सकते हैं। उन्हीं में से कुछ इस प्रकार हैं।

■ घर के पूर्वोत्तर कोण में तालाब या फव्वारा शुभ होता है। फेंगशुई के अनुसार, इसके पानी का बहाव घर की ओर होना चाहिए न की बाहर की ओर।

■ फेंगशुई में बांस के पौधे सुख-समृद्धि का प्रतीक माने गए हैं। इनसे परिवार के सदस्यों को पूर्ण आयु व अच्छी सेहत मिलती है। घर की बैठक में जहां घरके सदस्य आमतौर पर एकत्र होते हैं, वहां बांस का पौधा लगाना चाहिए। पौधे को बैठक के पूर्वी कोने में रखें।

■ फेंगशुई के अनुसार, घर की रक्षा ड्रैगन करता है। इसलिए घर में ड्रैगन की मूर्ति या चित्र रखना चाहिए।

■ फेंगशुई के अनुसार, ची ऊर्जा जिसे कॉस्मिक ब्रेथ या लाइफ फोर्स एनर्जी भी कह सकते हैं, हर घर में मुख्य द्वार से प्रवेश करती है। इसलिए घर के मुख्य द्वार के आगे या आसपास कोई सामान नहीं होना चाहिए।

■ घर को नेगेटिव एनर्जी से मुक्त रखने के लिए पूर्व दिशा में मिट्टी के एकछोटे से पात्र (बर्तन) में नमक भर कर रखें और हर चौबीस घंटे के बाद नमक बदलते रहें।

■ यदि आपके ऑफिस में कान्फ्रेंस हॉल है तो वहां धातु की सुंदर मूर्ति रखना अच्छा होता है।

■ घर में झरने, नदी आदि के चित्र उत्तर दिशा में लगाने चाहिए। घर में हिंसक तस्वीर कभी नहीं लगाएं, इससे घर में नेगेटिव एनर्जी आ सकती है।

■ लव बर्ड, मेंडारिन डक जैसे पक्षी प्रेम के प्रतीक हैं। इनकी छोटी मूर्तियों काजोड़ा अपने बेडरूम में रखें। इनसे दांपत्य जीवन खुशहाल रहेगा।

■ भारतीय बाजारों में विंड चाइम (हवा से हिलने वाली घंटी) उपलब्ध है. हवा चलने से जब यह टकराती हैं तो बहुत ही मधुर ध्वनि उत्पन्न करती है, जिससे घर में पॉजीटिव एनर्जी फैलती है.

■ फेंगशुई के अनुसार, घर के बाहर काला कछुआ, लाल पक्षी, सफेद बाघया हरा ड्रैगन हो तो घर में नेगेटिव एनर्जी प्रवेश नहीं कर पाती. काला कछुआ उत्तर दिशा का, लाल पक्षी दक्षिण दिशा का, सफेद बाग पश्चिम दिशा का तथा हरा ड्रैगन पूर्व दिशा का प्रतिनिधित्व करता है।

■ घर में खुशहाली रहे, इसके लिए तीन हरे पौधे मिट्टी के बर्तनों में घरके अंदर पूर्व दिशा में रखना चाहिए। ध्यान रहे कि फेंगशुई में बोनसाई और कैक्टस को हानिकारक माना जाता है।

सर्वाइकल से बचने के लिए करें ये उपाय!

आज के टेक्नोलॉजी के जमाने में सर्वाइकल होना आम बात हो गया है और इसका मुख्य कारण है कंप्यूटर्स, लैपटॉप, मोबाइल और अन्य गैजेट्स. आमतौर पर लोग सोचते हैं कि जो लोग डेस्क जॉब करते हैं उन्हें ही सर्वाइकल होता है लेकिन अब ये सिर्फ एक भ्रम मात्र है. बच्चों से लेकर बड़ों तक को सर्वाइकल की दिक्कतें होने लगी है. अगर ये कहें कि टेक्नोलॉजी सर्वाइकल प्रॉब्लम के लिए बहुत हद तक जिम्मेदार है तो गलत नहीं होगा. लेकिन क्या आप जानते हैं सर्वाइकल को आप आसानी से मात दे सकते हैं. जी हां, आज हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बताएंगे जिसे अपनाकर आप सर्वाइकल से दूर रह सकते हैं.

गर्दन का पोश्चर रखें ठीक-

ये बहुत जरूरी है कि आपकी गर्दन का पोश्चर ठीक हो. स्कल आपकी बॉडी का सबसे हैवी पार्ट होता है. ऐसे में कंप्यूटर पर काम के दौरान, मोबाइल टैक्टिंग के दौरान या अन्य गैजेट इस्तेमाल करने के दौरान गर्दन का पोश्चर ठीक रखें. गर्दन पर लगातार प्रेशर से गर्दन की मसल्स थक जाती है जिससे की सर्वाइकल पेन होने लगता है.

लंबे समय तक सीट पर ना बैठें-

हर 20 मिनट बाद टहलें. कंप्यूटर पर काम करते हुए बीच-बीच में हाथों को पीछे की ओर स्ट्रेच करें और गर्दन को पीछे की ओर ले जाएं. इससे बॉडी को भी आराम मिलेगा.

योगा करें

दिन में 2 बार मकरासन करें. इससे गर्दन में तनाव होगा और मसल्स रिलैक्स होंगी. साथ ही इससे मसल्स फ्लैक्सिबल होंगी. शुरूआत में इस आसन को 20 सेकेंड के लिए करें और इसे 2 मिनट तक ले जाएं.

भुजंगासनः ये आसन स्पाइन को स्ट्रेट करने में मदद करेगा. साथ ही लोअर स्पाइन की स्टिफनेस भी दूर होगी. अगर आपको सवाईकल प्रॉब्लम बहुत ज्यादा है तो पहले डॉक्टर से कंसल्ट करें.

गर्दन और शोल्डर की करें ये एक्सरसाइज-

रिस्ट रोटेशन- दोनों हाथों को सामने लाएं और होल्ड करें. फिर धीरे-धीरे हथेलियों को सर्कल में राइट और फिर लेफ्ट साइड से धुमाएं.एंजेल विंग्स- दीवार के सामने खड़े हो जाएं. हाथों को 90 डिग्री पर लाकर हथेलियों से शोल्डर पकड़ें और आगे की तरफ और पीछे की तरफ मूव करें.इंटरलॉक फिंगर- फिंगर्स को इंटरलॉक करके सिर के पीछे रखें और प्रेशर के साथ सिर को हाथों की तरफ पुश करें. रोजाना इसे करने से मसल्स को आराम मिलेगा.झुकें नहीं- झुककर ना बैठें. कमर सीधी रखें.

इन सब टिप्स से आप खुद को सर्वाइकल की प्रॉब्लम्स से बचा सकते हैं.

इन आसान घरेलू उपायों से तुरंत रुक जाएंगी हिचकियां

हिचकी क्यों आती है इसके सही कारणों का पता नहीं चल पाया है लेकिन विशेषज्ञों का मनना है कि फेफड़ों के नीचे मौजूद डायाफ्राम की मसल्स के अचानक सिकुड़ने से हिचकी आती हैं। अमूमन लोग ऐसा मानते हैं कि जब कोई किसी को याद करता है तो उसे हिचकियां आती हैं लेकिन ये अंधविश्वास के अलावा कुछ भी नहीं है। अक्सर हिचकियां जल्दी-जल्दी भोजन निगलने, अधिक तेल मिर्च मसाले वाला भोजन करने से और शराब का सेवन करने से आने लगती हैं। वैसे तो हिचकी कुछ समय में ही खत्म भी हो जाती है लेकिन आपको यदि लंबी हिचकी आने की शिकायत है तो कुछ घरेलु नुस्खों से उसका इलाज कर सकते हैं। आगे बता रहें हैं हिचकी को रोकने कुछ घरेलू उपाय जो प्रभावी होने के साथ ही आसान भी हैं।

ठंडा पानी : हिचकियां आने पर कोई भी आपको पहला उपाय पानी पीने का देता है। ठंडे पानी में एक चम्मच शहद डालकर पिएं इससे आपको हिचकी में आराम मिलेगा। इसके आलावा आप ठंडे पानी से गरारा कर सकते हैं या बर्फ टुकड़ा मुंह में रखकर चूसने से भी फायदा होता है।

नीचे झुककर पिएं पानी : साधारण तरीके से पानी पीने से भी हिचकी आना बंद हो सकती है लेकिन अगर आपको हिचकी आना बंद नहीं हो रही है तो एक गिलास ठंडा पानी लें, आगे लगभग 90 डिग्री झुकें और फिर पानी पिएं और फिर सीधे हो जाएं।

सांस रोकें : हिचकी रोकने का सबसे आसान तरीका है कुछ देर तक सांस को रोके रखें। इससे आपके खून में कार्बनडाई ऑक्साइड की मात्रा बढ़ जाती है जिससे आपका दिमाग हिचकियों पर ध्यान देने से भटक जाता है और आपको हिचकियां आना बंद हो जाती हैं। यह भी पढ़ें- इन चीजों से कोहनी और घुटनों का कालापन झट से हो जाएगा दूर

शक्कर या चीनी : हिचकी रोकने के लिए शक्कर एक अच्छा घरेलू नुस्खा है। शक्कर वेगस नर्वस को उत्तेजित कर देती है और हम हिचकी के बारे में भूल जाते हैं। 1 चम्मच शक्कर को मुंह में रखकर उसे घुलने दें और ऊपर से 1 गिलास पानी पीने से आपकी हिचकी तुरंत गायब हो जाएगी।

सिरका : सिरका का प्रयोग कई बीमारियों में किया जाता है। एक चम्मच सिरके का सेवन हिचकी की समस्या से तुरंत राहत दिला सकता है। इसका खट्टा स्वाद हिचकी बंद करने में मदद करता है।

पीनट बटर : पीनट बटर का स्वाद में तो अच्छा होता ही है बल्कि इसे खाने से हिचकियों में भी आराम होता है। एक चम्मच पीनट बटर को कुछ देर के लिए मुंह में रखें और इसे सीधे निगल लें अगर जरूरत हो तो ऊपर से एक गिलास पानी पी सकते हैं। पीनट बटर की जगह आलमंड बटर भी इस्तमाल कर सकते हैं।

थैले या लिफाफे के भीतर सांस लें : किसी थैले या लिफाफे से मुंह को चारों ओर ढंग से ढक लें और इसके भीतर कई बार सांस लें और छोड़ें। इससे आपके शरीर में कार्बनडाई आक्साइड का स्तर बढ़ जाएगा जिससे आपके फेफड़े अधिक आक्सीजन लेने के लिए तेजी से फैलेंगे और डायाफ्राम भी फैलेगा और आपकी हिचकियां रुक जाएंगी। ध्यान दें ये उपाय दिल और सांस के मरीजों को नहीं करना चाहिए साथ ही इस उपाय को तब तक ही करें जब तक आप कंफर्टेबल हों। यह भी पढ़ें-नीम के औषधीय गुण कई रोगों में हैं कारगर

नींबू : नींबू का खट्टा स्वाद भी हिचकियों को रोकने में मददगार होता है। हिचकी आने पर थोड़ी थोड़ी देर में आधा चम्मच नींबू का रस पिएं या नींबू की शिकंजी पीने से भी हिचकी आना बंद हो जाएंगी।

क्या आपने ट्राई किया है रिबन आईलाइनर?

अगर आपको आई मेकअप करना पसंद है और आप चाहती हैं कि लोग आपके आई मेकअप को नोटिस करें तो यह रिबन आईलाइनर ट्रेंड आपको जरूर पसंद आएगा। इसमें कैट फ्लिक को कलरफुल रिबन आर्ट से सजाया जाता है।

हालांकि इसे बना पाना थोड़ा मुश्किल है लेकिन थोड़े अभ्यास से आप रिबन आई लाइनर लगाना सीख सकती हैं। इसे लगाने में हड़बड़ी नहीं करें और न ही भारी हाथ का इस्तेमाल करें। एक बार आपको रिबन आईलाइनर लगाना आ गया तो आप जहां जाएंगी, लोग आपकी तारीफ किए बिन नहीं रह पाएंगे।

सबसे पहले लाइनर लगाना। लाइनर को थोड़ा लंबा खींचे और गाढ़ा रखें। इसके बाद किसी भी ब्राइट कलर से इस पर लिपटे हुए रिबन की तरह आर्ट बनाएं। आप चाहें तो अपनी ड्रेस से मैच करता हुआ कलर चुन सकते हैं। यूं तो एक रंग का इस्तेमाल करना ही ज्यादा अच्छा रहेगा लेकिन प्रयोग के लिए आप दो कलर भी यूज़ कर सकती हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**